



न्यूज डायरी

नियोजन नीति का विरोध

आज-कल झारखंड बंद आजी झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन ने 60-40 हकमर नियोजन नीति के खिलाफ 10-11 को झारखंड बंद का आह्वान किया है। बंद की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को राजधानी रांची समेत तमाम जिलों में मशाल जुलूस निकाला गया। आवश्यक मेडिकल सेवाओं को बंद से मुक्त रखा गया है। यूनियन के अनुसार बंद को राज्य के विभिन्न आदिवासी-मूलवासी संगठनों का समर्थन प्राप्त है। यूनियन नेता देवेन्द्रनाथ महतो ने कहा कि झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन की मांग है कि झारखंडी हित में क्षेत्रीय व जनजातीय भाषा से सुसज्जित खतियान आधारित संवैधानिक नियोजन नीति लागू कर सभी रिक्त पदों में झारखंडियों को नियुक्त किया जाये।

मणिपुर हिंसा की

सीबीआई जांच शुरू

नयी दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने मणिपुर में हाल ही में तीन मई से शुरू हुई हिंसा के पीछे कथित साजिश की जांच के लिए छह एफआईआर दर्ज की है। साथ ही एक विशेष जांच दल का गठन किया है। हिंसा में कुकी और मैतेई समुदायों ने 80 से अधिक लोगों की जान ले ली है और 35,000 से अधिक लोगों को विस्थापित कर दिया है।

सादगी से हुई वित्त

मंत्री की बेटी की शादी

नयी दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की बेटी परकला वांगमयी की शादी गुरुवार, 8 जून को बहुत सादे तरीके से संपन्न हुई। शादी की सभी रस्में सीतारमण के बंगलुरु स्थित घर में की गयीं। इस शादी में किसी नेता या वीआईपी को न्योता नहीं दिया गया था। उनके लगाने का नाम प्रतीक है। प्रतीक पीएम मोदी के खास सहयोगी हैं। वह उनके साथ काफी लंबे समय से काम कर रहे हैं।

फिर टला ट्रेन हादसा

पटरी से उतरी जनशताब्दी

नयी दिल्ली। ओडिशा में हुए कोरोमंडल एक्सप्रेस हादसे के बाद ट्रेन से जुड़े छिट-फूट हादसे की कई खबरें सामने आ रही हैं। वेन्नई सेंट्रल स्टेशन के पास शुक्रवार तड़के जनशताब्दी एक्सप्रेस के दो पहिए पटरी से उतर गये। हालांकि, इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। ट्रेन विजयवाड़ा से आ रही थी। ट्रेन को वर्कशॉप ले जाते समय दो पहिए पटरी से उतर गए। उस समय ट्रेन में कोई यात्री नहीं था। रेल पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

अमरनाथ यात्रा को

लेकर शाह की बैठक

नयी दिल्ली। जम्मू-कश्मीर से शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा की तैयारियों और सुरक्षा को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री की अध्यक्षता में दिल्ली में हाई लेवल मीटिंग की। बैठक में एलजी मनोज सिन्हा, होम सिक्रेटरी अजय भल्ला, इंटेलिजेंस ब्यूरो के चीफ तपन डेका और सीआरपीएफ डायरेक्टर जनरल एस. एन थाओसेन सहित कई अधिकारी शामिल थे। दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ की पवित्र गुफा में बाबा बफानी के दर्शन के लिए 62 दिवसीय वार्षिक तीर्थयात्रा एक जुलाई से शुरू होगी।

शरद पवार को जान से

मारने की मिली धमकी

मुंबई। राकांपा प्रमुख शरद पवार को धमकी मिलने की खबर है। यह धमकी किसने दी इसका पता नहीं चल सका। महाराष्ट्र पुलिस इसकी जांच में जुट गयी है। शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने इस घटना की जानकारी देते हुए इसे राजनीति से जोड़ दिया है। उन्होंने इस घटना पर बड़ा बयान दिया है। सुप्रिया सुले ने सीधे-सीधे केंद्रीय गृह मंत्री पर निशाना साधा है।

आभूषण

सोना (किग्री) : 57,100 रु./10 ग्राम

चांदी : 76,000 रु./10 किग्री

कृतज्ञ झारखंड ने शहादत दिवस पर भगवान बिरसा को किया नमन

धरती आबा सदियों तक बने रहेगे प्रेरणास्रोत : हेमंत

खबर मन्त्र व्यूरो

रांची। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर कोकर में उनके समाधि स्थल पर लोगों का तांता लगा रहा। यहां पहुंचकर आम से लेकर खास लोगों ने भगवान बिरसा मुंडा को नमन किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। सीएम हेमंत सोरेन, दिशोम गुरु शिबू सोरेन, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, मंत्री आलमगीर आलम, बादल पत्रलेख आजसू प्रमुख सुदेश महतो समेत तमाम नेताओं ने भगवान बिरसा मुंडा को नमन कर पुष्प अर्पित किये। शुक्रवार को कोकर स्थित भगवान बिरसा मुंडा की समाधि स्थल पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा सदियों तक हम सभी



के प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि

भगवान बिरसा मुंडा ने यहां के लोगों की सांस्कृतिक व आर्थिक गुलामी तोड़ने के लिए संघर्ष किया था। कोकर समाधिस्थल के बाद सीएम श्री सोरेन ने बिरसा चौक स्थित भगवान बिरसा की आदमकद प्रतिमा में माल्यार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा, आज उनके शहादत दिवस पर हम लोग इनके विचार को आत्मसात करते हुए आगे चलने का संकल्प लेते हैं। उन्होंने भगवान बिरसा के सपनों का झारखंड बनाने की बात कही। वहीं राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने पलामू में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि जब तक भगवान बिरसा के सिद्धांतों को नहीं समझेंगे तब तक समाज में कल्याण और विकास संभव नहीं हो पायेगा।

बालू कारोबारियों की 11 करोड़ की संपत्ति जब्त, खाते फ्रीज

हजारीबाग, धनबाद, पटना समेत 27 जगहों पर इडी ने मारा था छापा

बिहार में 250 करोड़ का अवैध बालू खनन

खबर मन्त्र व्यूरो

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने पांच जून को बिहार, झारखंड, बंगाल समेत बालू कारोबारियों के 27 ठिकानों पर छापेमारी की थी। यह छापेमारी पटना, हजारीबाग, धनबाद और कोलकाता में के ठिकानों पर की गयी थी। छापेमारी के बाद इडी की तरफ से शुक्रवार को एक प्रेस रिलीज जारी किया गया है। छापेमारी के दौरान इडी को करीब 1.5 करोड़ रुपए कैश मिले थे। इसके अलावा करीब 11 करोड़ की अचल संपत्तियों के कागजात, 6 करोड़ के एफडी और 60 बैंकों में अकाउंट का खुलासा हुआ है। इन सभी अकाउंट को इडी ने सीज



कर दिया है। इडी ने बताया कि इडी ने अवैध बालू खनन मामले में बिहार, झारखंड और बंगाल में छापेमारी के दौरान कुल डेढ़ करोड़ नगद सहित 11 करोड़ की संपत्ति के दस्तावेज बरामद किये गये हैं। इडी की जांच अभी चल रही है। प्रेस रिलीज में इडी ने कहा है कि इन जगहों पर छापेमारी का काम बिहार पुलिस के कई थानों में दर्ज एफआईआर के आधार पर हुआ है। इडी ने ब्रांडसन कॉमोडिटीज

बड़े पैमाने पर मनी लाँड्रिंग

सन्द रहे कि इडी बिहार पुलिस द्वारा दर्ज विभिन्न एफआईआर के आधार पर अवैध बालू खनन मामले की जांच कर रही है। इस दौरान एजेंसी ने ब्रांडसन कॉमोडिटी प्राइवेट लिमिटेड और आदित्य मल्टी कॉम प्राइवेट लिमिटेड के निदेशकों, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स और अन्य सहयोगियों के पटना, धनबाद, हजारीबाग और कोलकाता स्थित 27 ठिकानों पर छापेमारी की थी। आरोप है कि इन कंपनियों और उससे जुड़े लोगों ने विभागीय प्री-पेड परिवहन ई-परिवहन का उपयोग किए बिना अवैध रेत खनन और इसकी बिक्री कर बड़े पैमाने पर मनी लाँड्रिंग की है।

प्राइवेट लिमिटेड और आदित्य मल्टीकॉम प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के डायरेक्टर, सीए और उनसे जुड़े लोगों के घर और कार्यालय में छापेमारी की थी। इडी के अनुसार उक्त दोनों कंपनियों अवैध रूप से खनन कर बालू का व्यापार करती थीं। बिना माइनिंग विभाग के चालान के ही बालू का खनन और दुलाई का काम किया जाता था।

ऐसा करने से बिहार सरकार को करीब 250 करोड़ के राजस्व का नुकसान हुआ है।

अमित-दिलीप से तीन दिनों तक इडी करेगी पूछताछ

आर्मी लैंड स्केम

खबर मन्त्र व्यूरो

रांची। बरियातू रोड स्थित सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन की अवैध तरीके से खरीद बिक्री मामले में गिरफ्तार कोलकाता के व्यवसाई अमित अग्रवाल एवं जगत बंधु टी इस्टेट के मालिक दिलीप घोष से इडी 72 घंटे तक पूछताछ करेगी। शुक्रवार को इडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की कोर्ट ने दोनों से पूछताछ के लिए 72 घंटे के रिमांड की अनुमति दी। 72 घंटे की अवधि उस समय शुरू होगी जब इडी पूछताछ के लिये उन्हें अपनी कस्टडी में लेगी। इडी ने इन दोनों से पूछताछ के लिए 5 दिनों की रिमांड कोर्ट से मांगी थी। गुरुवार को एफ. टी. पेशी के बाद इन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया

मनी लाँड्रिंग में जगत बंधु टी स्टेट का किया था इस्तेमाल

था। इडी टीम ने इन दोनों की गिरफ्तारी 7 जून को देर रात कोलकाता से की थी। गिरफ्तारी से पहले पूछताछ में दोनों ने इडी को संतोषजनक जवाब नहीं दिया था। बताया जा रहा है कि दिलीप घोष ने ही बरियातू स्थित सेना के कब्जे वाली जमीन की खरीदारी की थी। इस मामले में इडी ने दिलीप घोष को 10 मई को पूछताछ के लिए समन जारी किया था। लेकिन वह इडी के समक्ष हाजिर नहीं हुआ था। इस मामले में रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन और बड़गाई के राजस्व कर्मचारी भानुप्रताप समेत सहित 18 लोगों के 22 ठिकानों पर 13 अप्रैल को इडी ने पहले छापेमारी की थी। (शेष पेज 11 पर)

आज से झारखंड में बालू खनन पर रोक

प्रभात सिंह

रांची। राज्य में शनिवार 10 जून से बालू खनन और नदी से बालू निकासी पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। खान एवं भूतत्व विभाग के सचिव अबु बकर सिद्दिकी पी ने एनजीटी (राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण) के आदेश के आलोक में यह रोक लगाने की बात कही। विभागीय सचिव अबु बकर ने खबर मन्त्र से बातचीत में बताया कि उन्होंने पिछले दिनों बुधवार को हुई बैठक में सभी जिलों के खनन पदाधिकारियों को निर्देश दे दिया है। साथ ही कहा है कि सभी अपने अपने जिले में सुनिश्चित करें कि मानसून अवधि में अर्थात् 10 जून से 15 अक्टूबर तक बालू के खनन



पर जो रोक लगी है, उसका सख्ती से पालन हो। उन्होंने बताया कि विभाग के स्तर से सभी उपयुक्तों को मैसेज चला गया है कि सरकारी योजनाओं के क्रियाचक्र में बालू की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए भंडारण से ही बालू का उठाव करना है। भंडारण का सत्यापन करें डीएमओ : उन्होंने यह भी कहा कि

केवल भंडारण से होगा उठाव, खान व भूतत्व सचिव ने सभी जिलों को भेजा निर्देश

सभी जिला खनन पदाधिकारी 10 जून के पूर्व के बालू के भंडारण का सत्यापन करें और उसी अनुसार परमिट एवं चालान निर्गत करने की अनुमति दें। यह भी सुनिश्चित हो कि भंडारण स्थल से बालू का परिवहन मात्र ट्रैक्टर से किया जाये। बड़े वाहनों जैसे हाइवा, डॉपर आदि का उपयोग नहीं हो। कार्य स्थल पर मजदूरों की मजदूरी का भुगतान सरकार द्वारा तय दर पर ही हो, यह सुनिश्चित करें। भंडारण स्थल से बालू के स्टॉक का निरीक्षण समय-समय पर किया जाये। (शेष पेज 11 पर)

इंतजार खत्म : 11 को पटना-रांची वंदे भारत का ट्रायल रन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रेल मंत्रालय ने बिहार और झारखंड के लोगों को बड़ी सौगात दी है। बहुत जल्द पटना और रांची तथा रांची व पटना के बीच आधुनिक सुविधाओं से लैस वंदे भारत ट्रेन दौड़ेगी। यह ट्रेन महज छह घंटे में पटना से रांची पहुंच जायेगी। इसके ट्रायल रन का शिड्यूल भी जारी हो गया है। पटना से 11 जून को सुबह 6.55 बजे ट्रायल रन शुरू होगा। छह घंटे में दोपहर 1 बजे यह ट्रेन रांची पहुंचेगी। पटना से खुल कर ट्रेन सुबह 8:20 बजे गया, 11:30 बरकाकाना पहुंचेगी। रास्ते में जहानाबाद, कोडरमा, हजारीबाग और मेसरा में भी रुकेगी। अभी तक की प्लानिंग के मुताबिक गया में 10 मिनट और बरकाकाना में 5 मिनट ट्रेन का ठहराव है। 11 जून को ही रांची रेलवे

सुबह 6:55 बजे पटना से चल कर छह घंटे में रांची पहुंचेगी



स्टेशन से 02:20 बजे वंदे भारत ट्रेन पटना के लिए रवाना होगी। 3:30 बजे बरकाकाना पहुंचेगी। शाम 7 बजे गया और शाम 8:25 बजे पटना पहुंचेगी। रास्ते में मेसरा, हजारीबाग, कोडरमा और जहानाबाद में प्रस्तावित स्टॉपज पर रोक जायेगा। पूर्व मध्य रेलवे के सीपीटीएम ने

दानापुर, मुगलसराय और धनबाद डिवीजन के सोनिबर डिविजनल ऑपरेशंस मैनेजर को पत्र जारी कर व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा है। दानापुर के एक ट्रैफिक इंस्पेक्टर को पटना से गया तक फुट प्लेटिंग और मिनट टू मिनट टाइम रिकॉर्डिंग करने को कहा गया है। वहीं धनबाद डिवीजन को गया से रांची जाने और लौटने के दौरान फुट प्लेटिंग और मिनट टू मिनट टाइम रिकॉर्डिंग करना है। फिलहाल वंदे भारत एक्सप्रेस का रैक पटना के राजेंद्र नगर में रखा गया है। आठ कोच वाले इस रैक को पटना में ट्रायल के लिए रखा गया है। राजेंद्र नगर कॉचिंग कार्पलेक्स में ही प्राइमरी मेंटेनेंस किया जायेगा। रेल पटरियों की जांच के बाद ट्रायल शुरू किया जायेगा। इधर, रांची में भी तैयारी चल रही है। हटिया स्टेशन के जिस प्लेटफार्म से रवाना होगी, उसका रंग-रोगन किया जा रहा है।

धनबाद में अवैध खनन के दौरान बड़ा हादसा चाल धंसने से तीन की मौत

मृतकों में एक नाबालिग, 6 घायल, कई के दबे होने की आशंका

खबर मन्त्र संवाददाता

धनबाद। भौरा ओपी क्षेत्र के भौरा 12 नंबर में अवैध खनन के दौरान चाल धंसने से तीन लोगों की मौत हो गयी। प्रशासन और बीसीपीएल ने मलबे में दबे 5 लोग बाहर निकाला, इनमें से तीन की मौत हो चुकी है। दो की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। कई लोग घायल हैं। वहीं इसमें कई लोगों के दबे होने की आशंका जतायी जा रही है। जानकारी के अनुसार ये हादसा शुक्रवार की सुबह उस समय हुआ जब, बड़ी संख्या में



लोग कोयले की खुदाई के लिए मुहाने में चुसे थे। एटीदेव प्रभा आउटसोर्सिंग में अवैध खनन का कार्य किया जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे में एक महिला, एक पुरुष और एक नाबालिग की जान गयी है। हादसे की खबर पूरे इलाके में आग की तरह फैल गयी। मौके पर प्रशासन, बीसीपीएल और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जुटी है। हालांकि इसकी

आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अवैध खनन करने वाले मृतकों की लाश को निकाल ले गये हैं। घायलों का कहीं गुपचुप ढंग से इलाज कराया जा रहा है। घटना की सूचना पाकर कांग्रेस नेता सुबोध सिंह, हरेंद्र यादव, पूर्व पार्षद चंदन महतो, शिव कुमार यादव, मोती लाल हेन्ड्रम, रंजी यादव सहित भारी संख्या में लोग घटना स्थल पहुंचे। (शेष पेज 11 पर)

A PIONEER GROUP OF NORTHERN INDIA, STREAMING IN JHARKHAND

SAI NATH UNIVERSITY

Established in 2012 | Established under Jharkhand Govt. Act No. 15 of 2012 & Recognized as per Section 2 (f) of UGC Act, 1956

CUET Preference

APPROVALS

- Established under Jharkhand Govt. Act No. 15 of 2012
- Recognized under section 2 (f) of UGC Act.
- Member of AIU
- App. by NCTE for Education Programme
- App. by PCI for D.Pharm
- App. by BCI for Law Programme
- Approved by AICTE for Diploma Engg.
- Approved by INC

Admission 2023-24

PHYSICAL EDUCATION

(Approved by NCTE)

SN.	Courses	Duration	Eligibility
1.	B.P.Ed.	2 Yrs.	Bachelor Degree
2.	D.P.Ed.	2 Yrs.	10+2

PHARMACY/ NURSING/ PARAMEDICAL

(Approved by INC)

SN.	Courses	Duration	Eligibility
1.	B.Sc Nursing	4 Yrs.	10+2 (PCB)
2.	B-Pharmacy	4 Yrs.	10+2 with Science.
3.	D-Pharmacy	2 Yrs.	10+2 with Science.
4.	B.Sc. MLT	3 Yrs.	10+2 (In Any Stream)
5.	ANM	2 Yrs.	10+2 (In Any Stream)
6.	GNM	3 Yrs.	10+2 (In Any Stream)

LAW PROGRAMME (Approved by BCI)

SN.	Courses	Duration	Eligibility
1.	LL.M.	2 Yrs.	LL.B
2.	LL.B. (Hons.)	3 Yrs.	Graduation
3.	B.A. - LL.B. (Hons.)	5 Yrs	10+2

Only Private University of Jharkhand MOU with Consortium of NLU & CLAT.

AGRICULTURE

SN.	Courses	Duration	Eligibility
1.	B.Sc. Agriculture (Hons.)	4 Yrs.	10+2 with Science

Ph.D PROGRAMME

1. Ph.D [Education/Management/Computer Science and Law]

Admission Through Entrance Exam

Excellent Placement Records

The only Private University of Jharkhand having NCC unit. In Campus Separate Boys & Girls Hostel

Campus : Jirawar, Chandway-Kuchu Road, Ormanjhi, Ranchi (Jharkhand)

7970408015, 6204313818, 7461073942, 7903145542, 9050565535

E-mail: sainathuniversity@gmail.com, Website: www.sainathuniversity.com

छात्र संघ के बंद को लेकर भाजपा के कार्यक्रम स्थगित

खबर मन्त्र व्यूटे

रांची। झारखंड छात्र संघ के दो दिवसीय झारखंड बंद के ऐलान के बाद भाजपा ने अपना कार्यक्रम स्थगित कर दिया है। इसको लेकर केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। 10 जून को खूटी के कुंजला मैदान में जनसभा का आयोजन पार्टी की ओर से किया गया था। खूटी में होने वाले भाजपा के कार्यक्रम स्थगित कर दिये गये हैं। दरअसल, नरेंद्र मोदी की नेतृत्व वाली सरकार के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के सफलता 9 वर्ष पूरे होने के अवसर पर 10 जून को खूटी संसदीय क्षेत्र के मुरहू स्थित कुंजला में एक विशाल जनसभा का आयोजन प्रस्तावित था। खूटी

लोकसभा क्षेत्र से बड़ी संख्या में विशिष्ट जनों समेत भाजपा के कार्यकर्ताओं को आने की अपील की गई थी। 10 जून को होने वाली विशाल जनसभा को केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा संबोधित करने वाले थे लेकिन शनिवार के कार्यक्रम को पार्टी की ओर से स्थगित कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि झारखंड के युवाओं की रोजगार नीति को लेकर राज्य सरकार की असमंजस नीति के कारण झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन द्वारा आहूत 10 और 11 जून को दो दिवसीय झारखंड बंद के कारण खूटी के कुंजला मैदान में होने वाली जनसभा फिलहाल स्थगित की जाती है। इसकी अगली तिथि की घोषणा जल्द की जायेगी।

सरयू राय ने सीएम हेमंत सोरेन को लिखा पत्र, कहा रिम्स के प्रभारी निदेशक की नियुक्ति नियमावली के विरुद्ध, निरस्त करें

खबर मन्त्र व्यूटे



रांची। विधायक सरयू राय ने रिम्स निदेशक के पद पर डॉ आरके गुप्ता की नियुक्ति को नियम विरुद्ध बताया है। इसे लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। उन्होंने डायरेक्टर की नियुक्ति निरस्त करने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि स्वास्थ्य मंत्री बना गुप्ता ने नियुक्ति में रिम्स की नियमावली को अवहेलना की है। राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान नियमावली-2002 का हवाला देते हुये उन्होंने कहा कि निदेशक पद के अचानक खाली हो जाने पर सबसे वरिष्ठ प्राध्यापक को नियुक्त किया जायेगा। यह अधिकार रिम्स के शासी निकाय के पदेन अध्यक्ष (स्वास्थ्य मंत्री) को है लेकिन मंत्री ने वरीयता में दूसरे नंबर के प्राध्यापक को निदेशक नियुक्त कर

दिया है। उन्होंने कहा कि मंत्री पद पर बैठे शख्स द्वारा नियमों का उल्लंघन करने से गलत परंपरा स्थापित होती है। स्वास्थ्य मंत्री के इस गलत फैसले से भविष्य के लिए एक गलत परंपरा स्थापित होगी। वैसे राज्य सरकार के एक मंत्री को कोई गलत काम करने के पहले सौ बार सोचना चाहिये। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के पास ऐसे गलत फैसलों को निरस्त करने का अधिकार है।

अब तक मिल चुके हैं 175 आइडडी प. सिंहभूम के जंगल में एक हजार से अधिक आइडडी गड़े हैं जमीन में

चाईबासा में पुलिस को फिर मिला सर्च ऑपरेशन में पांच किलो का आइडडी



खबर मन्त्र व्यूटे

रांची। नक्सलियों ने पश्चिमी सिंहभूम के इलाके के जंगलों में पुलिस दस्ते को नुकसान पहुंचाने के लिए एक हजार से भी अधिक आइडडी बिछाया है। शुक्रवार को सर्च ऑपरेशन के दौरान सीआरपीएफ को गोर्दलकेरा थाना क्षेत्र के गांव इचामोड़ा से गोवई जाने वाले रास्ते से पांच किलो का एक आइडडी मिला है। जिसे बीडीडीएस टीम ने उसी स्थान पर नष्ट कर दिया।

गौरतलब हो कि पुलिस को सूचना मिली थी कि, प्रतिबंधित भाकपा माओवादी नक्सली संगठन का शीर्ष नेता मिसिर बेसरा अपने दस्ता अन्य बड़े सदस्यों के साथ इलाके में घूम रहा है। पुलिस को यह भी सूचना मिली थी कि वो कोल्हान में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। इसी सूचना के आधार पर सीआरपीएफ की अलग-अलग बटालियन, झारखंड जगुआर, चाईबासा पुलिस की टीमों का साझा अभियान पिछले जनवरी महीने से चल रहा है। इसी क्रम में 27 मई 2023 से

एक अभियान टोटो थानातर्गत ग्राम तुम्बाहाका और अजंदबेड़ा के सीमावर्ती क्षेत्र एवं गोर्दलकेरा थानातर्गत ग्राम कुईड़ा एवं मारादिरि के सीमावर्ती क्षेत्र में प्रारंभ किया गया है। अभियान के दौरान गुरवार को गोर्दलकेरा थानातर्गत ग्राम इचामोड़ा से गोवई जाने वाले रास्ते के आस-पास जंगली / पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बलों को लक्षित करने के उद्देश्य से नक्सलियों द्वारा पूर्व में लगाये गये एक आइडडी बम बरामद कर सुरक्षा के दृष्टिकोण से उसी स्थान पर बम निरोधक दस्ता के सहायता से विनिष्ट किया गया है।

उल्लेखनीय है कि एक नवंबर 2022 से 8 जून 2023 तक चाईबासा जिलातर्गत नक्सलियों द्वारा सुरक्षा बलों को लक्षित करने के लिए विभिन्न स्थलों पर लगाये गये कुल 175 आइडडी और 26 स्पाइक होल को सुरक्षा बलों के द्वारा अभियान संचालन के दौरान बरामद किया गया है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से इन्हें विनिष्ट किया गया है।

अंडमान निकोबार में रह रहे झारखंड के आदिवासियों के प्रतिनिधिमंडल ने सीएम से की मुलाकात

मुख्यमंत्री बोले- प्रवासी श्रमिकों के हित और कल्याण के लिए सरकार चला रही योजनाएं

प्रतिनिधिमंडल ने कोरोना काल में लॉकडाउन के दौरान झारखंड के श्रमिकों की सकुशल वापसी के लिए मुख्यमंत्री का जताया आभार

खबर मन्त्र व्यूटे

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के अंडमान निकोबार प्रवास के दौरान उनसे शुक्रवार को वहां रह रहे झारखंड के आदिवासियों-मूलावासियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को अंडमान निकोबार द्वीप समूह में रोजगार और अन्य विषयों से संबंधित अनुभवों को साझा किया। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि कई



दशकों से झारखंड के अलग-अलग क्षेत्रों से श्रमिक यहां मजदूरी करते आते रहे हैं। इनमें से कई अंडमान और निकोबार प्रशासन की पुनर्वास योजनाओं के तहत यहां बस चुके हैं। इनमें से अधिकांश श्रमिक निर्माण कार्य से जुड़े हैं। प्रतिनिधिमंडल ने अंडमान-

निकोबार के मुख्यमंत्री के साथ सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और शैक्षिक विकास, लोगों के लिए पारगमन आवास, हवाई किराये में वृद्धि आदि से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने अपनी कुछ मांगों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल

ने कोरोना काल में लॉकडाउन के दौरान अंडमान- निकोबार में फंसे झारखंड के 180 प्रवासी श्रमिकों को एयर लिफ्ट करा कर उनके सकुशल घर वापसी कराने के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। मुख्यमंत्री ने बताया कि श्रम रोजगार प्रशिक्षण एवं कौशल

प्रवासी श्रमिकों के कल्याण के लिए कई योजनाएं

मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि प्रवासी मजदूरों के लिए मुख्यमंत्री झारखंड प्रवासी श्रमिक दुर्घटना कोष बनाया गया है। यहां से जो भी श्रमिक व्यक्ति काम करने दूसरे देशों में जाते हैं। उनके लिए भी मुख्यमंत्री अंतरराष्ट्रीय प्रवासी श्रमिक अनुदान योजना चलायी जा रही है। झारखंड से बाहर प्रवास करने वाले लोगों की मदद के लिए भी राज्य सरकार द्वारा सेफ एंड रिस्पॉसिबल माइग्रेशन इनीशिएटिव की शुरुआत की गयी है। इसके तहत प्रवासी श्रमिकों के व्यवस्थित पंजीकरण को सक्षम करने, डेटाबेस की निगरानी और विश्लेषण की भी व्यवस्था की गई है।

विकास विभाग द्वारा राज्य प्रवासी मजदूर नियंत्रण कक्ष की शुरुआत की गई है। वर्तमान में यह कंट्रोल रूम प्रवासी मजदूरों के लिए 24 घंटे 7 दिन हेल्पलाइन की तरह काम कर रहा है। सीएम हेमंत सोरेन के अंडमान निकोबार प्रवास के दौरान

उनसे मुलाकात करने वाले रांची एसोसिएशन, पोर्ट ब्लेयर के प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष फेयानुस टोपो, उपाध्यक्ष सुमन लकड़ा, प्रकाश मिंज, सेबेस्टियन तिर्की, फूल कुमार, सुनील मिंज, अनिल टोपो एवं अन्य मौजूद थे।

कांग्रेसियों ने भगवान बिरसा मुंडा को याद किया

खबर मन्त्र व्यूटे

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा की पुण्यतिथि शहादत दिवस के रूप में शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मनायी गयी। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कार्यकारी अध्यक्ष बन्धु तिर्की, मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव तथा कांग्रेसजनों ने भगवान बिरसा मुण्डा की चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इसके पूर्व में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर के नेतृत्व में कोकर बिरसा मुण्डा समाधि स्थल पर पुष्पमाला एवं श्रद्धासुमन अर्पित किया गया।



प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि आज पूरे राज्य भर में धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा की पुण्यतिथि वृहत रूप से मनाई जा रही है। अंग्रेजों के शोषणकारी प्रवृत्ति की वजह से मुण्डाओं की सामूहिक खूंटकटी व्यवस्था नष्ट होने के कगार पर

पहुंच गयी थी। बिरसा मुण्डा का क्रांतिकारी मन इनके खिलाफ बगावत से भर उठा। उन्होंने अपने अनुचरों के साथ इनके खिलाफ 1897 में उलगुलान (क्रांति) की शुरुआत की और अंग्रेजों के खिलाफ लड़ते-लड़ते कारावास में उनकी मृत्यु हो गयी। वक्ताओं ने

कहा कि वीर बिरसा मुण्डा के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में केशव महतो कमलेश, अमूल्य नीरज खलखो, राकेश सिन्हा, राजीव रंजन प्रसाद, विनय सिन्हा दीपू, शमशेर आलम, ईश्वर आनंद, डॉ राकेश किरण महतो, धर्मराज राम, कमल ठाकुर, मनोज सहाय पिंकू, निरंजन पासवान, जगदीश साहू, नीतू देवी, इन्दिरा तुरी, कुमारी अनिता, शहनाज खानू, अवधेश प्रजापति, अमरेन्द्र सिंह, राखी कौर, जगन्नाथ साहू, अजय कुमार, रामानंद केशरी सहित अन्य कांग्रेसजन शामिल थे।

एमजीएम को 4 करोड़ व शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज को ढाई करोड़ आवंटित

खबर मन्त्र व्यूटे

रांची। स्वास्थ्य विभाग ने जमशेदपुर स्थित एमजीएम मेडिकल कॉलेज के लिए 4.27 करोड़ और हजारीबाग स्थित शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज के लिए 2.49 करोड़ रुपये का आवंटन किया है। एमजीएम मेडिकल कॉलेज जमशेदपुर में निर्माणाधीन 500 बेड के अस्पताल में फेजल आपूर्ति के लिए 4 करोड़ 2760680 रुपए दिये गये हैं। राशि के निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी एमजीएम के प्राचार्य होंगे, जबकि राशि के निर्वर्ती पदाधिकारी अपर

मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह होंगे। राशि की निकासी जमशेदपुर कोषागार से की जाएगी। 2 करोड़ 49 लाख रुपए से होगी बिजली आपूर्ति की व्यवस्था : शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज हजारीबाग में निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था के लिए 24938610 रुपए आवंटन किया गया है। इस राशि के निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य होंगे, निर्वर्ती पदाधिकारी अपर मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह होंगे। निकासी हजारीबाग कोषागार से की जाएगी।

गोड़ा का तापमान 44.6 डिग्री सेल्सियस, लोग बेहाल

आने वाले चार दिनों तक लोगों को गर्मी से राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं



खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। तेज धूप और लू से लोगों का जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। शुक्रवार को राजधानी रांची समेत अन्य जिलों में भीषण गर्मी का एहसास किया गया। जहां लोगों को तेज धूप तो परेशान कर ही रही है वहीं, गर्म हवाओं से लोग बेहाल हैं। मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो आने वाले चार दिनों तक लोगों को गर्मी से कोई राहत नहीं मिलने वाली है।

इस दौरान राज्य के अधिकतम जिलों का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया जायेगा। साथ ही लू का असर भी देखा जायेगा। शुक्रवार को गोड्डा जिले का तापमान सबसे अधिक 44.1 दर्ज किया गया। इसके बाद देवघर का तापमान 42.3 डिग्री

11 जून तक साफ रहेगा मौसम

12 जून के पहले बारिश की कोई संभावना नहीं है। 11 जून तक राज्य का मौसम साफ रहेगा। हालांकि इस दौरान कुछ जिलों में आंशिक बदल छये रहेंगे लेकिन लोगों को गर्मी उमस से राहत नहीं मिलने वाली। विभाग की मानें तो 11 जून तक राज्य के पूर्वी और मध्य क्षेत्र में लू का असर देखा जायेगा। वहीं मौसम केंद्र रांची ने भूप जारी कर लू की चेतावनी जारी की है। लू से दुमका, पाकुड़, गिरिडीह, धनबाद, जामताड़ा, बोकारो, रांची, गुमला, हजारीबाग, खूटी आदि जिले प्रभावित रहेंगे। मौसम विभाग के मुताबिक 11 जून तक दुमका, पाकुड़ और साहिबगंज जिले को छोड़कर पूरे राज्य में लू चलेगी, उनमें भी गिरिडीह, गोड्डा और देवघर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। बाकी जिलों के लिए विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

सेल्सियस रहा। पलामू 42.6 डिग्री सेल्सियस, पश्चिमी सिंहभूम, गिरिडीह, साहेबगंज में तापमान 41

डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रांची का तापमान इस दौरान 39.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने गर्मी छुट्टी बढ़ाने की मांग रखी

खबर मन्त्र व्यूटे

रांची। झारखंड में बढ़ती गर्मी को देखते हुए झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने स्कूलों में छुट्टी बढ़ाने की मांग की है। आयोग के सदस्य उज्ज्वल तिवारी ने स्कूली शिक्षा व साक्षरता विभाग के सचिव को पत्र लिखकर कहा है कि मौसम विभाग के अनुसार झारखंड के सभी जिलों में अत्यधिक गर्मी होने के साथ लू भी चल रहा है। इस बीच राज्य में गर्मी छुट्टी का समय खत्म हो गया है। विद्यालय खुलने लगे हैं, जिससे



बच्चों के स्वास्थ्य पर असर पड़ने का खतरा है। ऐसे में सरकार को सभी सरकारी और निजी स्कूलों में कुछ दिनों के लिए गर्मी की छुट्टी बढ़ाने की घोषणा करने की मांग की है।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में दीपक प्रकाश ने कहा सभी कार्यकर्ता केंद्रीय योजनाओं को घर-घर पहुंचाएं

भाजपा परिवार का सबसे महत्वपूर्ण अंग है महिला मोर्चा

खबर मन्त्र व्यूटे

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने कहा है कि महिला मोर्चा एक बहुत ही महत्वपूर्ण अंग है। श्री प्रकाश शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित महिला मोर्चा के प्रदेश कार्य समिति को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा परिवार पूरे विश्व सबसे बड़ी पार्टी है। इसमें महिला मोर्चा का बहुत



बड़ा योगदान रहा है। राज्य में महिलाओं के साथ आपराधिक शोषण का विरोध आवश्यक है। इसी प्रकार देश को आगे बढ़ाने के लिये महाजनसंपर्क अभियान शुरू कर मोदी जी की 9 साल की उपलब्धियां बताना जरूरी है। प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर



सिंह ने कहा कि महिला मोर्चा को जन-जन तक उपलब्धियां पहुंचानी होगी। उन्होंने कहा कि भारत को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनाने का भाजपा का लक्ष्य है और यह अपने अच्छे विचार और कर्तव्य से होगा। कार्यसमिति की अध्यक्षता आरती कुजूर ने किया। इसमें मुख्य रूप प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, महिला मोर्चा राष्ट्रीय मंत्री आरती सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष गंगोत्री कुजूर मौजूद रहीं। मंच संचालन रथु तिर्की एवं सीमा सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। बैठक में काजल प्रधान,

सरिता पांडे, रूपा सिंह, मंजुलता दुबे, विनीता कुमारी, रमा सिन्हा, कुमकुम देवी, बबिता वर्मा, रेखा महतो, सोनी हेम्ब्रम, लक्ष्मी कुमारी, प्रिया सिंह पटेल, रागिनी सिन्हा, रोशनी खलखो, अनिता वर्मा एवं कार्यसमिति सदस्य और सभी जिला अध्यक्ष मौजूद थीं।

मजदूरों से कमीशन मांगना घोर अपराध न्याय करे राज्य सरकार : संतोष सोनी

खबर मन्त्र व्यूटे

रांची। इंटक के राष्ट्रीय सचिव सह प्रवक्ता एवं एसएफसी मोटीया मजदूर संघ के केंद्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार सोनी ने प्रेस विज्ञापित जारी कर कोडरमा जिले के जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रमोद राम द्वारा सभी प्रखंड के एसएफसी गोदाम में कार्यरत मजदूरों से प्रत्येक बोरा की ढुलाई पर एक रुपये कमीशन मांगे जाने का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि मजदूरों से कमीशन की मांग करना अपराध की श्रेणी में आता है। उन्होंने कहा है कि जिला आपूर्ति पदाधिकारी अपनी दबंगई और मजदूरों को हटाने की घमकी देकर कमीशन की मांग कर रहे हैं। उनके इस कृत्य से गोदामों में



कार्यरत मजदूर दहशत में है। इतना ही नहीं कुछ मजदूरों पर मुकादमा दर्ज कराकर डराने का भी काम कर रहे है। इस संबंध में मजदूरों का स्पष्ट कहना है कि जिला आपूर्ति पदाधिकारी को एक रुपया कमीशन देगे तो उनके पास बचेगा क्या। इस संबंध में संघ के अध्यक्ष संतोष कुमार सोनी ने राज्य के खाद्य आपूर्ति मंत्री एवं जेएसएफसी के

प्रबंध निदेशक वेंतेंद्र प्रसाद एवं श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता को पत्र लिखकर मजदूर हित में न्याय की गुहार लगाया है। उन्होंने कहा है कि यदि प्रमोद राम अपनी ओछी हरकतों से बाज नहीं आए तो आने वाला समय में झारखंड के सभी गोदाम को एक दिन के लिए सामूहिक बंद कर दिया जाएगा। इसके बावजूद भी जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रमोद राम के ऊपर एक्शन नहीं लिया गया तो झारखंड के सभी एसएफसी मजदूर काला पत्ता बांध कर एक सलाह काम करेंगे। इसके पश्चात संघ का एक प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर न्याय की गुहार लगाया और अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे।

शादी का रिश्ता टूटने पर युवती ने लगायी फांसी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पुंदाग ओपी क्षेत्र में श्वेता कुमारी नामक 22 वर्षीय युवती ने देर रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बिहार की रहने वाली श्वेता अपनी बड़ी बहन शिल्पा के यहां आई हुई थी। श्वेता बड़ी बहन शिल्पा के साथ रांची के पुंदाग ओपी क्षेत्र के दशरथ एनक्लेव फ्लैट नंबर 603 में रहती थी, जबकि श्वेता के माता पिता बिहार के अरवल में रहते हैं। पुंदाग ओपी के प्रभारी को परिजनों ने बताया कि शादी का रिश्ता बार बार टूट जाने के कारण श्वेता परेशान थी। पुलिस सारे पहलुओं को देखते हुए जांच में जुट गई है।

कम लंबाई को लेकर परेशान थी श्वेता : पुलिस को पूछताछ में मृतक श्वेता की बहन शिल्पा ने बताया कि अपनी कम लंबाई को लेकर श्वेता बेहद परेशान रहा करती थी। परिवार वालों ने इसे लेकर श्वेता को कई



बार समझाया भी था कि हाइट को लेकर वह ज्यादा परेशान ना हो। लाख समझाने के बाद जो श्वेता के मन में अपनी कम लंबाई को लेकर हीन भावना भर गई थी। वह डिप्रेशन में चली गई थी। श्वेता की बहन शिल्पा ने बताया कि गुरुवार की रात वह कुछ काम से बाहर गई हुई थी, देर रात जब वह घर लौटी तो उसने देखा कि श्वेता ने अपने ही कमरे आत्महत्या कर ली है। जिसके बाद उसने पड़ोसियों को सूचना दी, पड़ोसियों के द्वारा ही पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजा।

₹5 लाख लूट का आरोपी ओड़िशा से हुआ गिरफ्तार

रांची। रांची के नामकुम थाना क्षेत्र में नौ जनवरी, 2023 को नामकुम बाजार स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से पैसा लेकर जा रही महिला से 5 लाख रुपये लूट मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने पांच माह बाद ओड़िशा के गंजाम से ए अनिल पिता ए रामू को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से ढाई लाख रुपये नकद भी बरामद किये हैं। जानकारी के अनुसार, नौ जनवरी को बैंक से पैसे लेकर भूतपूर्व सैनिक प्रभात शंकर की पत्नी गीता देवी बाहर निकली। उसी दौरान बाइक सवार दो युवकों ने पैसे की थैली लूटकर फरार हो गए थे। एसएसपी के निर्देश पर ग्रामीण एसपी के निर्देश पर टीम गठित की गई थी। अनुसंधान के क्रम में तकनीकी शाखा के सहयोग से मिले इनपुट के आधार पर ओड़िशा से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार ए अनिल ने लूट में शामिल ओड़िशा निवासी साथी की भी जानकारी दी जिसे पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयासरत है।

विस्थापन से पहले प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की व्यवस्था स्मार्ट सिटी रांची : 22 विस्थापित परिवारों को मिला 10-10 डिसमिल जमीन का पर्चा

तीन प्रभावित नहीं आये, उनके घर जाकर भूमि का पट्टा देंगे सीओ

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राज्य सरकार विस्थापन से पहले पुनर्वास की नीति को लेकर दृढ़ संकल्पित है। इसी क्रम में शुक्रवार को रांची स्मार्ट सिटी निर्माण में विस्थापित हुए 25 में से 22 परिवारों को पुनर्वास के लिए नगर विकास एवं आवास विभाग की ओर से 10-10 डिगमिल जमीन का भूमि बंदोबस्ती पर्चा दिया गया। समाहरणालय ब्लॉक 'ए' स्थित उपायुक्त सभागार में सचिव, नगर विकास विभाग एवं आवास



विभाग विनय चौबे की उपस्थिति में पर्चा वितरण किया गया। इस दौरान सूडा निदेशक अमित कुमार, रांची उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता राजेश बरवार, अंचल अधिकारी नामकुम, महाप्रबंधक स्मार्ट सिटी राकेश कुमार नंद कियोलवर, पीआरओ स्मार्ट सिटी अमित कुमार, प्रबंधक स्मार्ट सिटी रविशंकर पांडे उपस्थित थे।

विस्थापित परिवारों ने सीएम को दिया धन्यवाद : मकान पट्टा पाकर प्रभावित/ विस्थापित परिवार खुश नजर आये। सभी ने राज्य सरकार को धन्यवाद दिया। घर टूटने के बाद डेविड आईन्द की शादी रुक गयी थी और आज पट्टा मिलने के बाद उनकी शादी पक्की हो गयी। डेविड और उनकी होनेवाली पत्नी ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।

किसान नयी तकनीक से ऊपज बढ़ायें : डीसी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रामकृष्ण मिशन आश्रम मोरहाबादी रांची ऑडिटोरियम में आयोजित जिला स्तरीय खरीफ सह मिलेट-2023 कार्यशाला में उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने किसानों को आधुनिक तकनीक से कृषि कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने सरकार द्वारा किसानों के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए जिला प्रशासन की ओर से हर संभव मदद देने का वादा कही।

उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को उन्नत बीज मुहैया करा रही है। वैज्ञानिक लगातार खेती के नये तकनीक बता रहे हैं। बैंक ऋण मुहैया करा रही है। किसान अपनी पैदावार बढ़ाकर अच्छी कमाई कर सकते हैं। खेती-किसानी में आत्मनिर्भर बनना है। सरकार किसानों की उपज को समुचित बाजार भाव दिलाने के लिए कृतसंकल्पित है।



किसान योजनाओं का लाभ उठायें : विकास कुमार रांची जिला कृषि पदाधिकारी विकास कुमार ने कहा कि सरकार की कई योजनाएं चल रही हैं। किसानों को आगे बढ़ाने, आत्मनिर्भर बनाने के लिए ही सरकार की योजना है। योजनाओं को जाने और उसका लाभ उठायें। उन्होंने कहा कि जिले में 78 हजार किसानों का केवाईसी पूरा नहीं हुआ है। 20 हजार तो ऐसे केवाईसी हैं, जिनको कंप्लीट नहीं किया गया तो उन्हें प्रधानमंत्री किसान योजना का 14वां किस्त नहीं मिल पायेगा। मंच का संचालन रिशु भारद्वाज ने की।

स्वामी भावेशानंद जी महाराज ने कहा कि ऑर्गेनिक फार्मिंग को बढ़ावा दें, केमिकल का प्रयोग कम करें। उन्होंने कहा कि केवीके में ऐसे प्रयोग हो रहे हैं जिसमें जैविक पद्धति से बने जीवा अमृत का प्रयोग करके अच्छी फसल की उपज की जा

सकती है। उन्होंने सभी से श्रमदान का आग्रह किया और पूरे राज्य को स्वस्थ बनाने में सहयोग करने की बात कही। कार्यशाला में तकनीकी सत्र के दौरान किसानों को पीएम किसान मोबाइल ऐप में ई-केवाईसी संबंधित तकनीकी जानकारी दी गई।

खेतों से खलिहानों तक और जनमानस की भावनाओं में रचे-बसे हैं धरती आबा: सुदेश

कोकर, रांची स्थित समाधि स्थल पर आजसू पार्टी रांची जिला इकाई के पदाधिकारियों ने दी श्रद्धांजलि

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने बिरसा मुंडा की शहादत दिवस पर धरती आबा को श्रद्धांजलि देने के बाद कहा कि हर झारखंडी के अरमानों में, खेतों और खलिहानों में, जनमानस की भावनाओं में धरती आबा रचे-बसे हैं। आज संकल्प दोहराने की घड़ी है। धरती आबा के सपने साकार हों, झारखंड का नवनिर्माण हो। यही हमारा संकल्प, हमारी प्रतिबद्धता है। सशक्त, शिक्षित एवं संगठित समाज के निर्माण तथा अस्मिता, पहचान और अस्तित्व की लड़ाई के लिए नए उलुगुलान का समय आ चुका है। युवा पीढ़ी को आगे आकर इसका नेतृत्व करना होगा।

कोकर, रांची स्थित समाधि स्थल पर रांची जिला इकाई के



पदाधिकारियों के साथ धरती आबा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आजसू पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत ने कहा कि हमें अपनी माटी, भाषा और संस्कृति को बचाने के लिए एकजुट होना होगा। धरती आबा बिरसा मुंडा के विचारों को, उनके साहस, संघर्ष को आत्मसात करना होगा, यही उनके प्रति नेक और अटूट श्रद्धांजलि होगी।

मौके पर आजसू पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष सहचन अंसारी, केंद्रीय कार्यालय सचिव बनमाली मंडल, केंद्रीय कार्यालय मीडिया प्रभारी परवाज खान, रांची जिलाध्यक्ष संजय महतो, रांची जिला कार्यकारी

अध्यक्ष भरत काशी साहू, रांची महानगर अध्यक्ष ज्ञान सिंहा, महानगर उपाध्यक्ष दयाशंकर झा, अखिल झारखंड महिला संघ की रांची जिला अध्यक्ष वीणा देवी, कार्यकारी महिला जिला अध्यक्ष प्रभा महतो, रांची जिला सचिव सरस्वती देवी, सविता देवी, नामकुम प्रखंड कोषाध्यक्ष वीणा देवी, मोनिया देवी, अखिल झारखंड छात्र संघ के प्रदेश सचिव ओम वर्मा, रांची विश्वविद्यालय उपाध्यक्ष अभिषेक शुक्ला, अखिल झारखंड छात्र संघ रांची जिलाध्यक्ष राजकिशोर महतो, विक्रम यादव, मदन कुमार आदि मुख्य रूप से मौजूद थे।

मजदूर निकला साइबर अपराधी, पहुंचा जेल

रांची। दो वर्षों में साइबर ठगी के पांच से 10 फीसदी मामलों में साइबर अपराधियों द्वारा बिहार और झारखंड के मजदूरों के आधार कार्ड का इस्तेमाल सिम खरीदने और अपने केवाईसी विवरण जमा करके ऑनलाइन बैंक खाते बनाने के लिए कर रहे हैं। इनका इस्तेमाल लोगों को ठगने के लिए किया गया। जब मजदूरों को इस बात का पता चला तो साइबर अपराधियों ने उन्हें जेल का डर दिखाया। मजदूरों में मजदूर नहीं साइबर अपराधियों के सूचक बन गए। जामताड़ा पुलिस ने एक ऐसे ही अपराधी को गिरफ्तार किया है, जो ईट भट्टे पर मजदूरी करता था, लेकिन वह अन्य मजदूरों, मालिकों का बैंक एकाउंट की जानकारी साइबर अपराधी को देता था। पकड़े गए मजदूर मो इश्टियाक ने स्वीकार किया कि पैसे के लालच और दबाव के कारण ही वह साइबर अपराधियों का सूचक बन गया था। सीआइडी एसपी एस कार्तिक ने बताया कि जैसे ही पीड़ित लिंक पर क्लिक करता है, बदमाशों को डिटेल्स प्राप्त हो जाते हैं और उनके खातों से पैसा ट्रॉसफर कर दिया जाता है।

समन्वय की भावना से जुड़ा है हिंदू संस्कृति : मिलिंद परांडे



विश्व हिंदू परिषद की महिला इकाई दुर्गा वाहिनी एवं मातृशक्ति के सात दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग आयोजित

खबर मन्त्र व्यूरो

रांची। विहप के मिलिंद परांडे ने कहा कि कुतज्ञता एवं समन्वय की भावना हिंदू संस्कृति का विशेष महत्व है। श्री परांडे शुक्रवार को दुर्गा वाहिनी एवं मातृ शक्ति के सात दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा हिंदू संस्कृति में ही संसार जगत के समस्त जीवों में देवत्व का भाव रखते हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू संस्कृति से ही पर्यावरण संतुलन रहता था। परंतु विगत 300-400

वर्ष से पश्चिमी संस्कृति के आगमन से पर्यावरण असंतुलित हो रहा है। उन्होंने कहा पर्यावरण ठीक रखने के लिए तीन बातों पर अवश्य ध्यान रखना चाहिये। पानी, पेड़ एवं प्लास्टिक। पानी का उपयोग हम सोच समझकर नहीं करेंगे तो आने वाले समय में पानी की कमी निश्चित है। भारतीय परंपरा में फलदार एवं छायादार पेड़ लगाये जाने की परंपरा रही है।

कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्र संगठन मंत्री आनंद पांडेय, डॉ वीरेंद्र साहू, देवी सिंह, मनोज पोद्दार, रंगनाथ महतो, मिथिलेश्वर मिश्रा, दीपारानी कुंज, अनुराधा कश्यप, चंदा सिंह, सुनील पांडेय, युगल किशोर प्रसाद, कैलाश केसरी, चंद्रदीप दुबे उपस्थित थे।

2 माह से बंद कार्गो सेवा की क्यों हुई ऐसी हालत...

संजीव मिश्रा

रांची। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर 2 माह से कार्गो सेवा बंद है जो हमेशा गुड्स से भरा रहता था लेकिन अब यहां पर वीरानी छा गई है, क्योंकि कि गो फर्स्ट की फ्लाइट्स की सेवा बीते 3 मई से बंद है। कार्गो सेवा का संचालन करने के लिए जिम्मेदारी गो फर्स्ट एयरलाइंस को मिली थी। गो फर्स्ट एयरलाइंस के बंद होने के बाद बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से कार्गो सेवा 2 माह से पूरी तरह से बंद है। आपको बता दें कि गो फर्स्ट एयरलाइंस ही नागरिक उड्डयन सुरक्षा निदेशक व्यूरो (बिसीएसएस) द्वारा अनुमोदित है। अन्य एयरलाइनों को अभी

तया कहते हैं एयरपोर्ट डायरेक्टर

बिरसा मुंडा एयरपोर्ट के डायरेक्टर के एल अग्रवाल का कहना है कि 2 माह से कार्गो सेवा बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से बंद है, क्योंकि गो फर्स्ट एयरवेज को संचालन का जिम्मा मिला था, लेकिन फिलहाल गो

तया कहते हैं झारखंड चैंबर के अध्यक्ष

झारखंड चैंबर के अध्यक्ष किशोर मंत्री का कहना है कि दो माह से पुरी तरह से कार्गो सेवा बंद है। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट राज्य का एक मात्र एयरपोर्ट है, जो कार्गो सेवा प्रदान करता है। इसके बंद एयरलाइंस निदेशक व्यूरो (बिसीएसएस) द्वारा अनुमोदित है। अन्य एयरलाइनों को अभी

फर्स्ट बंद है। जिसके चलते यह दिक्कत आई है जल्द ही अन्य कंपनी को संचालन का जिम्मा मिल जाएगा इसका हम लोग प्रयास कर रहे हैं और स्थिति पूरी तरह सामान्य हो जाएगी।

हो जाने राज्य को आर्थिक नुकसान हो रहा है। साथ ही यहां के व्यापारियों को भी काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। व्यापारी अपना समान अन्य एयरपोर्ट से बाहर भेजने को विवश हैं।

गो फर्स्ट एयरलाइंस को दी गई थी। गो फर्स्ट एयरलाइंस के बंद होने



के बाद कार्गो सेवा पूरी तरह ठप हो गई।

रोज 20 से 25 लाख का नुकसान : कार्गो सेवा बंद होने से हर रोज लगभग 20 से 25 लाख का नुकसान हो रहा है। कार्गो सेवा बंद होने से मेडिकल सामान, ब्लड सैपल , मोटर पार्टस ,सब्जी सहित अन्य जरूरी सामग्री बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से बाहर नहीं भेजा जा रहा है।

डीजीसीए ने रिवाइवल प्लान 30 दिन के अंदर जमा करने को कहा एविएशन रेगुलेटर नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने गो फर्स्ट को अपना रिवाइवल प्लान 30 दिन के अंदर जमा करने को कहा है। इसके साथ डीजीसीए ने एयरलाइन से उससे उड़ान भर सकने योग्य विमानों, पायलट और अन्य कर्मचारियों, मेंटीनेंस और फंड सहित अन्य चीजों की जानकारी देने को भी कहा है। डीजीसीए ने यह आदेश उसके 8 मई को जारी कारण बताओ नोटिस पर एयरलाइन की ओर से आगे जवाब के बाद जारी किया है।

पिछले 29 साल में हर साल बंद हो रही एक विमानन कंपनी : देश में सबसे पहले 1994 में निजी एयरलाइन को उड़ान भरने की अनुमति मिली थी। इसके बाद से 29 वर्षों में अब तक कुल 27 एयरलाइंस को या तो अपना परिचालन बंद करना पड़ा, या किसी अन्य विमानन कंपनी ने उनका अधिग्रहण कर लिया। गो फर्स्ट एयरलाइन पर संकट के बादल मंडराने के साथ ही भारतीय विमानन कंपनियों की चुनौतीपूर्ण स्थितियां भी उजागर हो गई हैं। करीब तीन दशक पहले निजी एयरलाइंस को परिचालन के लिए मंजूरी मिली थी। इसके बाद से अब तक हर वर्ष औसतन एक एयरलाइन बंद हो रही है।

सीएम के निर्देश पर पुनर्वास की व्यवस्था

विनय चौबे ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर सभी को विस्थापित करने से पहले पुनर्वास की व्यवस्था की गयी है। 25 प्रभावितों को मकान बनाने के लिए 10-10 डिगमिल जमीन का पसा दिया गया है। उन्होंने बताया कि सभी प्रभावितों को अडेडकर योजना की तर्ज पर जुड़को लिमिटेड के सीएसआर फंड से आवास का निर्माण कराया जाएगा। इस पर प्रति आवास 130000 रुपये खर्च होंगे।

25 प्रभावित परिवारों में 22 को मिला पर्चा

1. संतोष मिश्रा, 2. गिन्नी कच्छप, 3. पुनीत किशोपा, 4. अजय कच्छप, 5. संजय कच्छप, 6. मंजु मिंज, 7. अरविंद टोपो, 8. सुनील मिंज, 9. राजेश लिण्डा, 10. फिलिप मिंज, 11. रुतेश मिंज, 12. चंदा मिंज, 13. जयंत आईन्द, 14. नंदिता मिंज 15. पिरी कच्छप, 16. धनई कुजुर, 17. मधु एक्का, 18. राम जतन साहू, 19. संघ्या आईन्द, 20. सरोज आईन्द, 21. प्रभात एक्का, 22. सुशील मिंज। इसके अलावा तीन प्रभावित बुधु अहीर, अमित कच्छप एवं सोमा संगा के उपस्थित नहीं होने के कारण उनसे मिलकर पर्चा उपलब्ध कराने का निदेश अंचल अधिकारी को दिया गया है।

राजधानी की सीवरेज योजना का डीपीआर जल्द बनवाने का निर्देश

रांची पेयजलापूर्ति योजनाओं के कार्य में तेजी लायें : सचिव

अलबर्ट एक्का चौक से चडरी होते हुए कचहरी चौक और राजकीय पुस्तकालय की सड़क के चौड़ीकरण और सुंदरीकरण का काम समसय करने का निर्देश



खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में लगभग नये 2.20 लाख नये वाटर कनेक्शन से आवासों तक पानी पहुंचाने के काम को लेकर नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव विनय कुमार चौबे ने गंभीरता से लिया है। जुड़को के अधिकारियों को शहर के सीवरेज ड्रेनेज का डीपीआर शीघ्र बनवा कर काम शुरू करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित कार्यालय में शुक्रवार को लंबित

कार्यों की समीक्षा के क्रम में विनय कुमार चौबे ने यह निर्देश दिया।

श्री चौबे ने कहा कि पाइप लाइन बिछाने में किसी भी साईट पर अड़चन आ रही हो तो अन्य विभागों से समन्वय स्थापित कर हरहाल में पेय जलापूर्ति की योजनाएं पूरी कर आम लोगों को राहत पहुंचाएं। सचिव ने निर्देश दिया कि शहर के सीवरेज ड्रेनेज का काम शुरू करने के लिए विस्तृत कार्य प्रतिवेदन (डीपीआर) शीघ्र बनवा कर कार्य आरंभ कराया जाये। इसके लिए

संस्था एनजेएस को डीपीआर बनाने के लिए परामर्शी नियुक्त किया गया है। इस कार्य को चार जोन में बांटा गया है। जोन एक का काम रांची नगर निगम द्वारा कराया जा रहा है जबकि शेष तीन जोन का काम जुड़को द्वारा किया जा रहा है।

श्री चौबे ने अलबर्ट एक्का चौक से चडरी होते हुए कचहरी चौक और राजकीय पुस्तकालय वाले सड़क को शामिल करते हुए चौड़ीकरण और सुंदरीकरण का काम समसय शुरू करने का निर्देश दिया। वहीं न्यू मार्केट एवं सुंदरीकरण का कार्य जल्द आरंभ कराने के लिए कहा। सचिव ने जोर दिया कि अगले रामनवमी तक हरहाल में निवारणपूर स्थित तपोवन मंदिर और सुकरे आसपास के विकास के कार्य को अवश्य पूरा कर लिया जाये।

खबर एक नजर में

भगवान बिरसा मुंडा को स्पीकर ने किया नमन

रांची। स्पीकर रवीन्द्र नाथ महतो ने विधानसभा परिसर में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर मालांपित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि



अपने युवावस्था में अंग्रेजों के दमनकारी नीति के खिलाफ उल्लुलान का स्वर देने वाले देश के महान युवा क्रांतिकारी भगवान बिरसा मुंडा को आज उनके शहादत दिवस पर उन्हें स्मरण करते हुए मैं उन्हें कोटि-कोटि नमन करता हूँ।

एलपीटी ट्रक चुसने वाले पटना से गिरफ्तार

रांची। सदर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कोकर परिया के शिवशक्ति नगर से एलपीटी ट्रक चोरी करने के मामले में पटना में छापेमारी कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में सूरज कुमार, रहीस कुमार व मुकेश कुमार शामिल हैं। तीनों पटना जिला के रहनेवाले हैं। सदर इस्पेक्टर श्यामकिशोर महतो ने बताया कि कोकर थाना क्षेत्र के शिवशक्ति नगर के रहने वाले संतोष कुमार ने पुलिस में अपनी एलपीटी 6 चक्का ट्रक चोरी होने का लिखित आवेदन दिया। चोरी की प्राथमिकी दर्ज करने के बाद नगर पुलिस अधीक्षक के आदेश पर एक टीम गठित की गई। गठित टीम पटना पहुंची और वहां से चोरी किए गए ट्रक को बरामद कर लिया। छापेमारी टीम में सदर थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो, पुलिस अवर निरीक्षक प्रकाश कुमार सिंह, पुलिस केंद्र रांची के संजय कुमार व संजय उराव शामिल थे।

बाजार टांड का स्थायी समाधान जरूरी: चैंबर



रांची। झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स का एक प्रतिनिधि मंडल शुक्रवार को नगर आयुक्त से मुलाकात की। इस दौरान बाजार टांड स्थित निगम द्वारा आवंटित दुकानों के किराया विवाद के स्थायी समाधान पर चर्चा की गयी। प्रतिनिधियों ने बताया कि रांची नगर निगम द्वारा बाजार टांड (अपर बाजार) में आवंटित दुकानों में अतिरिक्त संरचना निर्माण के कारण किराया, ब्याज और उस पर जुमाना की राशि जुड़ते-जुड़ते वर्तमान में काफी अत्यधिक हो गयी है। जिससे यह विषय और भी जटिल हो गया है। लाइसेंसधारी के निघन के बाद या परिवार के सदस्य के अलग होने की स्थिति में दुकान के नाम हस्तांतरण के साथ ही दुकानदारों की अन्य कठिनाइयां भी हैं। जिसकी समीक्षा आवश्यक है।

चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने कहा कि वर्षों से चले आ रहे इस विवादित मामले के स्थाई समाधान जरूरी है। निगम द्वारा किराया समाधान के रूप में लोकप्रिय योजना लमाकर दुकानों का किराया रेगुलराइज कर दिया जाये। निगम के इस प्रयास से एक ओर जहां निगम को अधिकाधिक राजस्व की प्राप्ति होगी। वहीं दुकानदारों को भी मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी। चैंबर अध्यक्ष के आग्रह पर नगर आयुक्त शशि रंजन ने इसी माह इस मुद्दे पर सकारात्मक निर्णय लेने के लिए आश्चर्य किया। यह कहा कि दुकानदारों के हित में विधिसम्मत निर्णय लिया जायेगा। प्रतिनिधिमण्डल में चैंबर अध्यक्ष के अलावा उपाध्यक्ष आदित्य महतो, अमित शर्मा, सह सचिव रोहित पोद्दार और शैलेष अग्रवाल शामिल थे।

झारखंड बचाओ मोर्चा ने धरती आबा को दी श्रद्धांजलि

खबर मन्त्र व्यूरे

रांची। झारखंड बचाओ मोर्चा एवं झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में भगवान बिरसा मुंडा के समाधि स्थल में श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुये श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुये झारखंड बचाओ मोर्चा के मुख्य संयोजक विधायक लोबिन हेंड्रम ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष का परिणाम है कि आज सीएनटी कानून बना है और इससे हमारी जल, जंगल, जमीन का सुरक्षा कवच मिला है।

उन्होंने कहा कि आज भगवान बिरसा मुंडा के सपनों को जिला जल दे कर जल, जंगल, जमीन की लूट जारी है। पूर्व की सरकारों की भाँति वर्तमान सरकार भी इस लूट खसोट में शामिल है। बिरसा के बताये रास्ते में चलकर एक उलगुलान की आवश्यकता



है। जिसमें आदिवासी मूलवासी जनता अपनी भूमिका अदा करेगी। राजू महतो ने कहा कि भगवान

बिरसा मुंडा के सपनों का झारखंड बनाने के लिए हम सभी कृत संकल्प है। कार्यक्रम में सुशांतो

मुखर्जी, सुबोध दांगी, विनीता खलखो, एरन कश्यप, डॉक्टर मुजफ्फर हुसैन, विजय शंकर

नायक, नवीन कश्यप, संजय राणा, गोपाल महतो, प्रवीण सहाय, गणेश दास समेत अन्य उपस्थित थे।

कोर्ट में लंबित 33 वाद मध्यस्थता के लिए भेजे गये

डालसा कार्यालय में 'मन का मिलन' अभियान का 12वां दिन संपन्न

लगभग एक वर्ष से दूर रह रहे पति-पत्नी समझौते से हुए एक

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। न्यायमूर्ति एस चंद्रशेखर न्यायाधीश झारखंड उच्च न्यायालय रांची सह कार्यकारी अध्यक्ष झालसा रांची के निर्देश पर झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) के तत्त्वधान में 29 मई से 14 जून आयोजन मन का मिलन पखवाड़ा विशेष अभियान का शुक्रवार को बारहवां दिन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में आज न्यायालय में लंबित 33 वाद को मध्यस्थता हेतु भेजा गया जिसमें 7 वाद सफल हुआ।

इसमें आज एक वाद जो मुकदमा पूर्व मध्यस्थता हेतु पति के द्वारा आवेदन दिया गया था कि शादी के कुछ दिन के बाद ही पति पत्नी में मनमुटाव होने के कारण पत्नी



अपने मायके चली गई। लगभग एक वर्ष एक दूसरे से दूर रहे। आज समझौता कराकर साथ रहने के लिए हुए तैयार।

पति के आवेदन पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार रांची में मुकदमा पूर्व वाद प्री लिटिगेशन केस 162/2023 दायर कर पत्नी के पते पर नोटिस निर्गत किया गया जिसमें पत्नी और पत्नी के परिजन उपस्थित हुए और दोनों पक्ष के बीच

समझौता कराया गया जिसमें पत्नी अपने पति के साथ रहने को तैयार हो गयी। ओक अपने पति के साथ पति के घर चले गए। दोनों पक्ष आपस में प्यार से अपना घर संसार चलाएंगे और एक दूसरे का मान सम्मान का ख्याल रखेंगे। इस प्रकार मुकदमा दायर होने से पूर्व ही समझौता होने से दोनों पक्ष के मान सम्मान की रक्षा हुई साथ ही समय और धन की भी बचत हुई। किसी

प्रकार के कानूनी जानकारी और परामर्श देने के लिए मध्यस्थ, पुलिस पदाधिकारी कार्यालय में प्रातः 7बजे से 12 बजे तक उपस्थित रहे। इसी कड़ी में शुक्रवार को प्रखंड क्षेत्र में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजित कर लोगों को मध्यस्थता के बारे में जानकारी दी गई। लीगल एड डिफेंस कार्डसिल सिस्टम के अधिवक्ता राजेश कुमार सिन्हा और स्वीकृत विनया ने

लोगों को मध्यस्थता के बारे में जानकारी दी व बताया कि मध्यस्थता से वाद का निपटारा होने पर दोनों पक्षों का समय, पैसा के साथ संबंध की भी रक्षा होती है। जिसकी पहल माननीय झालसा के निर्देश से जिला विधिक सेवा प्राधिकार रांची में 29 मई 2023 से 14 जून तक मन का मिलन पखवाड़ा कार्यक्रम के माध्यम से किया गया है। साथ ही उन्होंने लोक अदालत के बारे में पूरी जानकारी दी।

पीएलबी पुषपलता देवी, सुनीता देवी, नीतू देवी एवम राजा वर्मा ने मुकदमा से पूर्व भी मध्यस्थता के माध्यम को प्री लिटिगेशन स्तर पर भी वाद को सुलझाया जाता है जिसके प्रक्रिया के बारे में विस्तृत रूप में बताया और संबोधित पंपलेट का वितरण उपस्थित जनमानस के बीच किया और समस्या का समाधान हेतु आवेदन लिखने में लोगों की सहायता किया। और आवेदन भी लिया गया।

मदरसा दारुल-कुरआन के जलसे में 21 हाफिजों की हुई दस्तारबंदी



खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मदरसा मजहब इस्लाम की बुनियाद है। दुनिया में चारों ओर नजर दौड़ाए और कुरआन की बरकत देखिए कि कोई हाफिज, कारी, मुफ्ती, आलिम भूखा नहीं सोता। मैं मदरसा दारुल-कुरान के शिक्षकों को बधाई देता हूँ, उनकी कड़ी मेहनत के कारण, इक्कीस बच्चों ने आज कुरआन को याद कर हाफिज बने। जब तक ये मदरसे रहेंगे, इस्लाम धर्म रहेगा। बच्चों जैसे तुम हाफिज बने हो, वैसे ही तुम आलिम बने। हाफिज बनना आसान है, उस पर बने रहना कठिन है। उक्त बातें दारुल उलूम देवबंद के मौलाना मुफ्ती राशिद ने कही। गुरुवार रात को ये मदरसा

दारुल-कुरआन हिंदपीढ़ी रांची के बारहवें एक दिवसीय जलसा-ए-दस्तारबंदी में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आलिम का गौरव कुरआन की बरकत से पहले भी था। अब भी है और कयामत तक रहेगा।

वहीं दर्जनों संस्थाओं के संरक्षक फखर झारखंड शेखउल-हदीस जामिया राशिद उलूम चतरा के प्रिंसिपल हजरत मौलाना मुफ्ती नजर तौहीद अल-मजहरी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कुरआन की महानता, कुरआन की अहमियत व कुरआन की उपयोगिता पर रोशनी डाली। कहा कि पवित्र कुरआन को सिर्फ घर पे रखना जरूरी नहीं, बल्कि उसको पढ़ना, उसके अर्थ और पाठ को समझना जरूरी है।

वनबंधु परिषद रांची चैप्टर का 'भारत के रंग एकल के संग' 11 को

रांची। वनबंधु परिषद रांची चैप्टर द्वारा आगामी 11 जून को एकल सूर ताल के ख्याति प्राप्त एकल कलाकारों द्वारा भारत के रंग-एकल के संग का आयोजन रांची के गुरुनानक स्कूल के सभागृह में शाम 4 बजे से किया जायेगा। वनबंधु परिषद रांची चैप्टर के अध्यक्ष रमेश धरनीधरका ने यह जानकारी देते हुए बताया कि एकल सूरताल एक ऐसा कार्यक्रम है जिसके अन्तर्गत वर्तमान वनवासी कथाकारों में से कुछ कार्यकताओं को चयन करके गहन प्रशिक्षण के द्वारा इन्हें मंचीय कलाकार के रूप में तैयार किया गया है। इन एकल कलाकारों के द्वारा अभी तक अमेरिका के 60 स्थानों से अधिक स्थानों पर एवं भारत के सभी प्रमुख शहरों में सफल प्रस्तुतियां दी जा चुकी है। अपनी प्रस्तुति के द्वारा ये कलाकार दर्शकों का मन मोह लेते हैं। देश भक्ति गीतों की रोचक श्रृंखला में श्री कृष्ण भगवान का जन्मोत्सव, कंस की मृत्यु, कृष्ण-सुदामा मित्रता के सर्वश्रेष्ठ प्रसंग आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम के मुख्य हिस्सा होंगे।

शिक्षा के क्षेत्र में हो रहा है सकारात्मक बदलाव

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और प्रोत्साहन से देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) पर जिस तेजी से अमल आरंभ हुआ है, उससे निकट भविष्य में शिक्षा क्षेत्र में बड़ी क्रांति देखी जा सकती है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हर संभव सहयोग दे रहे हैं।

झारखंड राज्य खुला विश्वविद्यालय रांची के कुलसचिव डॉ घनश्याम कुमार सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का सबसे बड़ा लाभ युवाओं को मल्टी डिप्लिमेंटरी एजुकेशन और अपनी सुविधा से एंटी व एंफ्रिंजट मिलना है। अभी तक उन्हें एक ही स्ट्रीम में बंधकर पढ़ाई करनी पड़ती थी, लेकिन एनईपी ने उन्हें समय की मांग और अपनी पसंद के अनुसार दूसरे विषय चुनने की सुविधा प्रदान कर दी है। उन्होंने कहा कि चार वर्ष के स्नातक कोर्स के दौरान विद्यार्थी अपनी आवश्यकता और सुविधा के अनुसार पहले दूसरे या तीसरे साल में भी कोर्स से बाहर निकल सकते हैं। उन्हें इसके

झारखंड राज्य खुला विश्वविद्यालय रांची के कुलसचिव ने कहा, एनईपी पर तेजी से शुरू हुआ है अमल

अनुसार ही सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और चार साल की पढ़ाई पर डिग्री कोर्स का प्रमाण पत्र मिलेगा। बीच में बाहर निकालने वाले छात्र बाद में कभी भी कोर्स को फिर से ज्वाइन कर उसे पूरा कर सकते हैं।

डॉ घनश्याम कुमार सिंह ने कहा कि फैकल्टी अपग्रेडेशन शिक्षण संस्थान को आगे बढ़ाने की एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। चूंकि आज के समय में तकनीक तेजी से बदल रही है और छात्रों को उसके मुताबिक गुणवत्तायुक्त शिक्षा देना बड़ी चुनौती है, इसलिए शिक्षकों को भी लगातार अपडेट रहने की जरूरत होती है। तभी ये बदलती तकनीकों को समझकर उसके अनुरूप छात्रों को निपुणता के साथ शिक्षित प्रशिक्षित कर सकते हैं। इसके लिए शिक्षण संस्थान दुनिया के ख्याति

राष्ट्रीय युवा शक्ति ने दीप प्रज्वलित कर भगवान बिरसा मुंडा को किया याद

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय युवा शक्ति ने जननायक महान स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा जी की 123वीं पुण्यतिथि पर दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राष्ट्रीय युवा शक्ति की ओर से कोकर स्थित समाधि स्थल पर भगवान बिरसा मुंडा की समाधि पर पुष्प चढ़ाकर उनकी शहादत को याद किया गया।

मौके पर उपस्थित राष्ट्रीय युवा शक्ति के केंद्रीय अध्यक्ष उत्तम यादव ने कहा कि वीर पुरुषों की शहादत और कुर्बानियों की पहचान है जिसे हम जन्मो जन्म तक अमर रखने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। साथ ही उन्होंने उपस्थित तमाम लोगों से

युवा शक्ति के केंद्रीय अध्यक्ष उत्तम यादव ने सभी लोगों से शहादत दिवस पर संकल्प लेने का किया आह्वान

भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर संकल्प लेने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि आज के नशे के आदि होकर अपने जीवन को बर्बाद कर रहे हैं। महिलाओं के साथ चैन रहनेतई, घर में घुसकर चोरी करना, मोबाइल छीने की घटनाएं आम हो गयी हैं, युवाओं को उससे बचना है।

आज के रक्तदान शिविर एवं

दीप प्रज्वलन कर श्रद्धांजलि अर्पित करने के कार्यक्रम में राष्ट्रीय युवा शक्ति के सम्मानित सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों सहित राजकीय निर्माण व्यक्ति भी पहुंचे। इसमें मुख्य रूप से आजसू प्रमुख सुदेश महतो, मंत्री जोबा मांझी, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, आलोक दुबे, विनय सिन्हा दीप, कुमार राजा, देवशरण भगत, रतन तिकी, किशोर शहदेव आदि शामिल थे। संस्था में श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उपस्थित लोगों में राष्ट्रीय युवा शक्ति केंद्रीय अध्यक्ष उत्तम यादव, उमेश साहू, मिथिलेश सिंह, नितिन घोष, राहुल गुप्ता, किरण बादो, निखिल गुप्ता, सुनील साहू, रोहित यादव, राजू साहू, सचिन चौधरी आदि शामिल थे।

संयुक्त बिहार में बनी नियोजन नीति को ही लागू करे सरकार : राजेंद्र प्रसाद

मूलवासी सदान मोर्चा ने दो दिनी झारखंड बंद का किया समर्थन

खबर मन्त्र व्यूरे

रांची। झारखंड आंदोलनकारी सह मूलवासी सदान मोर्चा खतियान आधारित नियोजन नीति बनाने व 60-40 की नीति को रद्द करने की मांग को लेकर 10-11 जून को स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन के झारखंड बंद का नैतिक समर्थन देने की घोषणा की है। मोर्चा के राजेंद्र प्रसाद ने कहा है कि सरकार 60-40 नियोजन नीति को तुरंत वापस ले।

उन्होंने कहा है कि खतियान आधारित नियोजन नीति व स्थानीय नीति को लेकर मूलवासी सदान मोर्चा लंबे समय से आंदोलन करते आ रहा है। अब छात्र भी खुलकर सामने आ गए हैं, यह अच्छी बात है। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार जब तक अपनी स्थानीय नीति और नियोजन नीति नहीं बना



लेती है, तब-तक झारखंड में होने वाली नियुक्ति का आधार संयुक्त बिहार में बनी नियोजन नीति (3 मार्च 1982) को ही लागू करें, जो खतियान आधारित है। राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि संयुक्त बिहार में बने नियम-कानून से झारखंड में बहुत सारे काम हो रहे हैं। लेकिन दुर्भाग्य से नियोजन नीति के मामले में ऐसा नहीं हुआ। हमारे राजनेताओं की इच्छाशक्ति की कमी के कारण आज झारखंड की विरोधी मानसिकता के लोग हावी हो रहे हैं। जो लोग अपने मूल राज्य छोड़कर सिर्फ झारखंड के होकर रह गए हैं, उन्हें स्थानीय नीति का लाभ कैसे मिले,

इस पर सरकार को जरूर देखा चाहिए। लेकिन स्थानीय नीति का लाभ कुछ लोग अपने मूल राज्य में भी लेना चाहते हैं और झारखंड में भी लेना चाहते हैं।

राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि सरकार की नियोजन नीति से सबसे ज्यादा नुकसान मूलवासी सदान वर्ग से आने वाले ओबीसी, एससी और सामान्य वर्ग को हो रहा है। अभी सरकार द्वारा पीजीटी शिक्षकों की बहाली की गई है, जिसमें सामान्य वर्ग में बाहरी राज्य बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश के अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। वहीं बाल विकास और सामाजिक सुरक्षा विभाग में परियोजना पदाधिकारियों की नियुक्ति के लिए लोकसेवा आयोग ने विज्ञापन निकाला है। इसमें अनारक्षित वर्ग के लिए 34 पद है, जबकि एससी के लिए 2, एसटी के लिए 21, बीसी-1 के लिए 1, बीसी-2 के लिए 0 है। इंडब्ल्यूएस के लिए 6 है। इससे झारखंड में सदान वर्ग के सामान्य वर्ग, ओबीसी और एससी को भारी नुकसान हो रहा है।

भगवान बिरसा की संघर्ष गाथा पाठ्यक्रम में लाया जाना चाहिए : अजय राय



रांची। महान स्वतंत्रता सेनानी एवं अंग्रेजों के खिलाफ उलगुलान का बिगुल फूंकने वाले भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर आज कोकर स्थित समाधि स्थल पर झारखंड परेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राय ने माल्यार्पण कर एवं पुष्पांजलि दे कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर अजय राय ने कहा कि भगवान बिरसा की संघर्ष गाथा एवं उनकी जीवनी युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है जिसे हर युवा को जानना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा की संघर्ष गाथा देश व राज्य बॉर्ड पाठ्यक्रम चाहे वह जैक बोर्ड हो, सीबीएसई या आईसीएसई में लाया जाना चाहिए ताकि आनेवाले भावी पीढ़ी उनके संबंध में विस्तृत रूप से जान सके।

रांची विवि मास कॉम के त्रिवर्षीय बीए ऑनर्स में नामांकन प्रारंभ

रांची। रांची विश्वविद्यालय (आरयू) के स्कूल आफ मास कम्युनिकेशन में जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन में तीन वर्षीय बीए ऑनर्स कोर्स में नामांकन प्रारंभ हो गया है। सत्र 2023-26 में नामांकन के लिए योग्यता किसी भी विषय से 45 प्रतिशत अंकों के साथ इंटर या 12वीं पास है। छात्र एडमिशन फॉर्म मोरहाबादी के स्टूडेंट्स क्रियेटिविटी सेंटर परिसर स्थित विभाग कार्यालय से पांच सौ रुपये देकर प्राप्त कर सकते हैं या विभागीय वेबसाइट से डाउनलोड भी कर सकते हैं। नामांकन की आखिरी तारीख 16 जून 2023 है।

मरीजों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल सिविल सर्जन से मिला

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल मरीजों की समस्याओं को लेकर शुक्रवार को रांची सिविल सर्जन डॉ विनोद कुमार से मुलाकात किया। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जगदीश साहू, निरंजन पासवान, नरेंद्र लाल गोपी, दामोदर प्रसाद शामिल हैं। इस दौरान नेताओं ने सिविल सर्जन से सदर अस्पताल में मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं से अवगत हुए। इसके उपरांत नेताओं ने अस्पताल में व्याप्त कमियों के बारे में बताया और बेहतर सुविधा हेतु सुझाव भी दिया। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल से सिविल सर्जन ने कहा कि मरीजों को टीका बढ़ने के कारण सदर अस्पताल में अत्यधिक है। धीरे-धीरे हम चीजों को संतुलित करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि आज मौतिया बिंदू ऑपरेशन करने का मशीन बंद गया है जल्द मरीजों को लाभ मिलेगा। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि सदर अस्पताल में इन दिनों मरीजों के इलाज हेतु काफी सुविधाएं बढ़ी हैं लेकिन आज भी सीटी स्कैन मशीन, उच्च तकनीक के अल्ट्रासाउंड की जांच की कमी है, जिससे मरीजों को काफी परेशानी हो रही है। कांग्रेस नेताओं ने स्वास्थ्य मंत्री एवं झारखंड सरकार से मांग किया है मरीजों के बेहतर इलाज हेतु सीटी स्कैन मशीन, उच्च तकनीक के अल्ट्रासाउंड मशीन लगाया जाए तथा निरंतर दवाइयों की उपलब्धता पर भी ध्यान दिया जाए।

खबर मन्त्र व्यूरे

रांची। झारखंड पैरेंट्स एसोसिएशन ने झारखंड सरकार के शिक्षा सचिव के रवि कुमार से स्कूल की छुट्टी बढ़ाने की मांग की है। झारखंड पैरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि पूरे राज्य के अंदर गर्मी चरम पर है चाहे राजधानी रांची हो या लोहरदगा, धरनाड, बोकारो, जमशेदपुर, गिरिडीह, देवघर सहित अन्य जिला।

उन्होंने कहा कि सभी जगह पारा इतना बढ़ा हुआ है कि घर से निकल पाना आम लोगों के लिए मुश्किल हो रहा है। इन परिस्थितियों में छोटे बच्चों के ऊपर हीट वेव का क्या असर होगा



इसका सहज अनुमान लगाया जा सकता है। राज्य सरकार को चाहिए कि जब तक मानसून ब्रेक नहीं हो जाता तब तक स्कूल की छुट्टियां बढ़ा दी जाए ताकि बच्चों को हीट वेव से बचाया जा सके। पासवा ने मुख्यमंत्री को लिखी चिट्ठी : पासवा ने राज्य में पड़

रही प्रचंड गर्मी को देखते हुए स्कूलों की गर्मी छुट्टियां बढ़ाने की मांग मुख्यमंत्री से की है। प्रदेश अध्यक्ष आलोक दुबे ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर छुट्टी बढ़ाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा है कि 10 जून को सरकारी व निजी विद्यालय में गर्मी

छुट्टी समाप्त हो रहे हैं। लेकिन गर्मी की जो स्थिति है वह किसी से छुपी हुई नहीं है। उन्होंने कहा कि तापमान में वृद्धि और गर्म हवाओं के कारण जनजीवन अस्त व्यस्त है। राज्य में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के करीब है कहीं कहीं तो पारा 42 से ऊपर है। ऐसे में स्कूल खोलने के पहले सरकार को हर स्थितियों का मूल्यांकन एवं समीक्षा करनी चाहिए। छोटे छोटे बच्चों की सुरक्षा पहले जरूरी है, दस दिनों के बाद भी अगर स्कूल खुलेंगे तो बहुत कुछ नहीं हो जाएगा। जब तक मानसून नहीं आता है और मौसम विभाग गर्मी को लेकर गाइडलाइंस जारी नहीं करता है तब तक स्कूलों को बंद ही रखना चाहिए।

योग का बहुत छोटा हिस्सा है आसन व प्राणायाम: स्वामी गोरखनाथ

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची योगोत्सव के पांचवें दिवस पर शुक्रवार को बीएसएनएल मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय में स्वामी गोरखनाथ राज्य के बीएसएनएल कर्मियों को बिहार योग का टिप्पणियां दी। स्वामी जी ने बताया कि योगमय जीवन को अपनायें। इसके बिना स्वास्थ्य का प्रबंधन कर पाना बहुत मुश्किल है। सिर्फ शरीर का हिस्ट-युट होना अच्छे स्वास्थ्य की निशानी नहीं है। स्वास्थ्य आप की स्थिरता को, आप के व्यवहार को दर्शाता है, आप की चिन्मत्ता, आपकी कर्तव्यनिष्ठ, आप की निमलता, आप के विवेक की परिभाषित करता है। जब ये सभी गुण समस्त मानवता के लिये काम आने

लग जाये तब इसका मतलब है कि आप योग कर रहे हैं। सिर्फ आसन और प्राणायाम के कर लेने से योग नहीं हो जाता है, ये तो योग के छोटे से अंग हैं। ध्यान,कीर्तन,मन्त्र-जप,विचारों का द्रष्ट बनना, ये सारे अभ्यास से मन पर बहुत अच्छा प्रभाव पड़ता है। हर आदमी का सबसे बड़ा बाधक है अहंकार। सबसे बड़ी बात है कि व्यक्ति हमेशा अपनी ही बातों को मनवाना चाहते हैं। अपनी बातों को दूसरे पर थोपते रहते हैं, अपने भीतर कभी झाँकते ही नहीं हैं। आप अपने ऑफिस के तनाव को लेकर घर जाते हैं और वहां अपने बच्चों पर, पत्नी पर, परिवार के अन्य सदस्यों पर जाकर बरसते हैं। आप ऑफिस के बातों को ऑफिस में ही छोड़ कर जायें।



शहादत दिवस पर याद किये गये बिरसा मुंडा

दाकुरगांव। कांके प्रखंड आजसू कमेटी के तत्वाधान में शुक्रवार को धरती आबा बिरसा मुंडा की 123वीं पुण्यतिथि मनाई गई। प्रखंड अध्यक्ष लाल अमन शाहदेव के नेतृत्व में बीएच स्थित भगवान बिरसा मुंडा के मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि पार्टी के जिला कोषाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी/जिला उपाध्यक्ष एतवार उरांव मौजूद थे। इस अवसर पर वीरेंद्र तिवारी ने कहा कि धरतीआबा के बताए मामों पर चलकर ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मौके पर सूरज मिश्रा/एमनोज महतो/एललिन महतो/एबबलू कुमार समेत अन्य मौजूद थे।

राहे : स्टूडेंट यूनिजन ने निकाला मशाल जुलूस



राहे। 60-40 नीति के विरोध में झारखंड स्टेट स्टूडेंट यूनिजन के बैनर शुक्रवार शाम को राहे में मशाल जुलूस निकालकर 10 और 11 जून को झारखंड बंद के आह्वान किया गया। झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स यूनिजन के सदस्यों ने राहे भगत सिंह चौक से सुभाष चौक तक मशाल जुलूस निकालकर लोगों से 10 और 11 जून को 60/40 नीति के विरोध में झारखंड बंद रखने का अपील किया। मशाल जुलूस में सुधीर महतो/ए कामेश्वर महतो/निरंजन महतो/एमनोज महतो/संजय महतो/अशोक महतो आदि मौजूद थे।

इटकी में लगा स्वास्थ्य जांच शिविर

इटकी। प्रखंड मुख्यालय स्थित विधायक कक्ष में शुक्रवार को युनिजन बैंक इटकी शाखा के तत्वाधान में नि-शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में हार्थि हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर रातू के डॉ प्रियंका श्रीवास्तव/डॉ शगुप्ता रानी/डॉ शैलेश राज/डॉ हिमांशु ने तीन सौ पचीस लोगों की स्वास्थ्य की जांच की व जरूरतमंदों को मुफ्त दवा उपलब्ध कराई। शिविर का उद्घाटन बैंक के क्षेत्रीय वाणिज्य प्रबंधक रोबिन लकड़ा/सीओ रश्मि लकड़ा व शाखा प्रबंधक रोबाब नगमा ने संयुक्त रूप से किया।

बुढ़ू में कवका गांव में मंडा पूजा

बुढ़ू। शुक्रवार को कवका गांव में मंडा पूजा के आयोजन को लेकर ग्रामीणों की बैठक मुखिया देवलाल मुंडा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मंडा पूजा का आयोजन 16 एवं 17 जून को आयोजित करने का निर्णय लिया गया। 16 को फुलखुंदी व 17 को झूलन सह मेले का आयोजन किया गया है। मंडा पूजा को लेकर कमेटी गठीत किया गया जिसमें अध्यक्ष अमरेश साहू/उपाध्यक्ष नंदलाल पाहन/कोषाध्यक्ष धनंजय साहू/सचिव सुलेन्द्र साहू तथा कुपूर यादव को संरक्षक बनाया गया।

बुढ़ू : धरती आबा की मनी पुण्यतिथि

बुढ़ू। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनायी गयी। मौके पर आजसू द्वारा बिरसा मुंडा स्टेडियम में कार्यक्रम आयोजित कर भगवान बिरसा मुंडा की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया।

शहादत दिवस पर याद किये गये अमर शहीद भगवान बिरसा मुंडा शोषण के खिलाफ विद्यार्थियों ने संघर्ष का लिया संकल्प

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। प्रखंड के विभिन्न भागों में शुक्रवार को 123 वें शहादत दिवस पर अमर शहीद भगवान बिरसा मुंडा बड़े ही श्रद्धा के साथ याद किये गये। मुख्य समारोह झखराटांड स्थित मुंडाटोली में आयोजित किया गया। आदिवासी छात्र संघ ने धरती आबा की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान छात्रों ने बिरसा मुंडा के आदर्शों को अपनाकर शोषण व अत्याचार के खिलाफ उलंगुलान का संकल्प लिया। वहीं एकजुटता की भी शपथ ली गयी। मौके पर रमेश मुंडा/मनीष मुंडा/रोशन उरांव/शनि उरांव/राजू उरांव/दीपाशु बाड़ा/मंगल उरांव व संजय उरांव आदि मौजूद थे। इधर कांग्रेस जनों ने भी कुशल उरांव के नेतृत्व में भगवान बिरसा मुंडा का शहादत दिवस मनाया और उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण किया।



झामुमो ने दी श्रद्धांजलि

झामुमो ने भी धरती आबा को याद किया। प्रखंड अध्यक्ष बेलाल अंसारी की अगुआई में मुंडाटोली पहुंच मोर्चा जनों ने भगवान बिरसा मुंडा की मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उनके पदचिह्नों पर चल समाज को नयी दिशा देने तथा लोगों को बिरसा की मुख्य धारा में जोड़ने पर जोर दिया गया। मौके पर शमीम मंसुरी, महावीर विश्वकर्मा, जाबिर अंसारी, आशिफ मंसुरी, रवि कुमार, मो इरिथाक, मो आशिफ, बबलू मिज, अजय साहू, अमन साहू, राहुल साहू व संजय मुंडा आदि मौजूद थे।

झारखंड को लुटेरों के चंगुल में छुड़ाने को उलंगुलान जरूरी

रातू। झारखंड नवनिर्माण दल प्रखंड कमेटी की ओर धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा का 123 वां शहादत दिवस मनाया गया। किसान नेता सुकरा मुंडा की अगुआई में महानायक वीर बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दी गयी। केंद्रीय संयोजक सह रांची जिला प्रभारी विजय सिंह बतौर मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि झारखंड को लुटेरों की चंगुल से छुड़ाने के लिये एक और उलंगुलान की जरूरत है। इसके बगैर शहीदों और पूर्वजों के सपनों का खुशहाल झारखंड की कल्पना नहीं की जा सकती है। श्री सिंह ने कार्य कताओं से राज्य में जागो अभियान को जिले के गांव-गांव में सफल बनाने का आह्वान किया। इससे पूर्व उड़ीसा के बालासोर रेल दुर्घटना में मारे गये यात्रियों के प्रति शोक प्रकट करते हुये मीन रख उनकी आत्मा की शांति के लिये ईश्वर से प्रार्थना की गयी। प्रस्ताव पारित कर 6 जुलाई को जिला स्तरीय कैडर कन्वेंशन और 10 अक्टूबर को शहीदों के सम्मान में समारोह आयोजित करने, समस्याओं को लेकर क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया।

बुढ़ू : बिरसा मुंडा के बलिदान दिवस पर उलंगुलान मार्च



खबर मन्त्र संवाददाता

बुढ़ू। भाकपा माले और आदिवासी संघर्ष मोर्चा के तत्वाधान में उलंगुलान के महानायक बिरसा मुंडा के 124वीं बलिदान दिवस पर बुढ़ू में उलंगुलान मार्च निकाला। मार्च में शामिल लोग बिरसा मुंडा अमर रहे/रायसा जलाशय परियोजना रद्द करो। वन संरक्षण नियम, 2022 वापस लो। फासीवाद हटाओ। लोकतंत्र बचाओ/बिरसा मुंडा के सपनों का भारत बनाओ आदि जोरदार नारे लगा रहे थे। इस अवसर पर धुवां मोड़ स्थित बिरसा मुंडा के

प्रतिमा पर माल्यार्पण व एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। आदिवासी संघर्ष मोर्चा नेता सुखदेव मुण्डा ने कहा, हेमन्त कैबिनेट से प्रस्तावित रायसा जलाशय दूब क्षेत्र विभिन्न पेड़-पौधे जीव-जंतु से विकसित हुए पारिस्थितिकी, तंत्र आदिवासीयों के सामाजिक, सांस्कृतिक/आजीविका का केन्द्र है। ग्रामसभा व किसानों के सहमति के बिना खूंटखूंट्टी का उल्लंघन कर डैम बनना बिरसा के सपनों हत्या है। जिला सचिव जगमोहन महतो ने कहा, वन संरक्षण नियम, 2022 को लागू करना जरूरी है।

डिवाइडर से भिड़ी कार, एक की मौत, चार घायल

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांडी। एनएच-20 रांची-रामगढ़ पथ पर तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। जिससे कार में सवार कोकर रांची निवासी मोनू पासवान की मौत हो गई। वहीं चार लोग घायल हो गए। शुक्रवार सुबह पांच बजे के करीब हुई दुर्घटना के संबंध में बताया गया कि रामगढ़ से रांची की ओर जा रही रही सफेद रंग की स्वीट डिजायवर कार जेएच01एचए-9405 जैसे ही सरस्वती पिसु विद्या मंदिर ओरमांडी पर की अस्तित्वित हो डिवाइडर से टकरा गई। कार की गति इतनी तेज थी की डिवाइडर से टकराते ही कई फिट दूर जा कर कार पलटते गई। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों द्वारा 108 एंजुलस की मदद सभी को उपचार के लिए रिम्स भेज दिया गया। जहां उपचार के दौरान मोनू की मौत हो गई। बताया गया



घायल की मदद करते ग्रामीण

कि सभी घायल कोकर के ही हैं। ओरमांडी थाना पुलिस द्वारा दुर्घटना प्रस्त कार को जन्त कर लिया गया है।

रातू में जानलेवा हमले में मिक्सर मशीन मालिक घायल

रातू। थाना क्षेत्र के सुडील में बीती रात 8 बजे हीरो होंडा कंपनी की स्लेडर मोटर साइकिल पर सवार तीन अज्ञात युवकों ने मिक्सर मशीन मालिक 40 वर्षीय संतोष कुमार चौरसिया पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में उसके सिर और सौने में गंभीर वोट आघात है। उसे रिम्स के न्यूरो वर्ड में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत नाजुक बतायी जा रही है। संतोष के बयान पर रातू थाने में तीन अज्ञात के खिलाफ कांड संख्या 229-23 दर्ज की गयी है। पुलिस घटना की जांच कर रही है। थानेदार सपन कुमार महथा ने बताया कि घटनास्थल का कॉल डप भी कराया जायेगा। इससे अपराधियों तक पहुंचने में मदद मिलेगी। संतोष छत दलाई में प्रकू मिक्सर मशीन भाड़े में लगाता है। कभी कभार खुद भी चलाता है। गुरुवार की शाम काम कर घर लौटा। खाना खाकर सो गया। कुछ देर बाद किसी ने आवाज देकर उठाया। देखा कि तीन युवक मोटर साइकिल में खड़े थे।

नगड़ी में मना भगवान बिरसा मुंडा का शहादत दिवस

पिस्कानगड़ी। दलाईली धरती आबा चौक में जनजाति सुरक्षा मंच के तत्वधान भगवान बिरसा मुंडा जी का 130 वीं शहादत दिवस मनाया गया पूजा पाठ के साथ पाहन मुना मुंडा की अगुवाई में कार्यक्रम संपन्न हुई। जनजाति सुरक्षा मंच के प्रांत संयोजक मेधा उरांव सहित मंच के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सन्नी उरांव ने संयुक्त पर समूह को अपने धर्म संस्कृति जमीन की सुरक्षा के लिए आंदोलन के लिए आगे आने का आह्वान किया। मौके पर जनजाति



सुरक्षा मंच के जिला के प्रचार प्रसार मीडिया प्रभारी हिन्दुवा उरांव ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जी आदर्शों पर चल कर ही जनजाति

समाज को बचाया जा सकता है। मौके पर नगड़ी प्रखंड के लिए जनजाति सुरक्षा मंच प्रखंड प्रांत टोली का गठन किया गया।

एसीसी उवि के विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। एसीसी उच्च विद्यालय खलारी में झारखंड एकेडमिक काउंसिल द्वारा आयोजित वार्षिक परीक्षा 2023 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालय के टॉप 10 विद्यार्थियों में शाहिद आलम/नेहा कुमारी ए/अनुष्का कुमारी/गौतम कुमार प्रजापति/श्रीनाथ गंजू ए/वर्धेशी कुमारी वेदांत सिंह चंद्रवंशी अनीस इब्राहिम/आराध्या कुमारी एवं तरनुम प्रवीण को सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में खलारी अंचलाधिकारी शिशुपाल आर्या मौजूद थे। सम्मान समारोह कार्यक्रम 10 टॉपर्स विद्यार्थियों के



सभी अभिभावक भी मौजूद थे। समारोह का शरुआत मुख्य अतिथि व विद्यालय प्रशासक जामवंत सिंह एवं प्रधानाध्यापक एस एन तिवारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित एवं मां सरस्वती के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शुभारंभ किया। प्रधानाध्यापक ने

प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर खलारी सीओ के द्वारा सम्मानित किया। वही खलारी सीओ के तरफ से 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले दो विद्यार्थियों शाहिद आलम एवं नेहा कुमारी को एक-एक हजार का नगद प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीओ ने कहा कि सफलता का श्रेय शिक्षक गण/माता पिता एवं विद्यार्थी तीनों को जाता है। सीओ पर ने बच्चों से भविष्य में और अधिक मेहनत करने एवं जीवन में अच्छी मुकाम हासिल करने की सलाह दी। प्रशासक व प्रधानाध्यापक ने शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सिल्ली के बंता के युवक का शव नामकुम के लाली से बरामद

खबर मन्त्र संवाददाता

नामकुम। थाना क्षेत्र के लाली जंगल से पुलिस ने बंता हजाम के रहने वाले बलराम लोहार 47 वर्ष का शव बरामद किया है। थानेदार सुनील कुमार तिवारी ने बताया कि गुरुवार को जंगल में आम खाने गए ग्रामीणों ने जंगल में शव देख पुलिस को मामले की जानकारी पुलिस को दी। जिसके बाद देर मौके पर पहुंच पुलिस ने शव को जन्त कर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भिजवाया। शुक्रवार सुबह जंगल

में शव मिलने की सूचना पर बलराम के परिजन नामकुम थाना पहुंचे और उसकी शिनाख्त की। बलराम की पत्नी आलथी देवी ने बताया कि बलराम मानिसक रूप से कमजोर था वह असर घर से बिना बताए निकल जाता था और कई दिनों के बाद वासन लौटता था, इधर लगभग एक सप्ताह से बलराम घर से बिना बताए गायब था, पुलिस ने आलथी के बयान पर यूडी केश दर्ज कर लिया है। इधर इस मामले क लेकर पुलिस छानबीन कर रही है।

ओरमांडी : प्रचंड गर्मी में स्कूली बच्चे कक्षा में कर रहे प्रार्थना



ओरमांडी। मानसून आने से पूर्व गर्मी काफी बढ़ गई है। सुबह सात बजते ही तेज धूप तपीस महसूस होने लगी है। इससे सबसे ज्यादा परेशानी स्कूल जाने वाले छोटे बच्चों को हो रही है। ओरमांडी प्रखंड के राजकीयकृत प्रथमिक विद्यालय उलाता में सुबह-सुबह की तेज धूप से बच्चों बचाने के लिए स्कूल भवन के अंदर की प्रार्थना किया जा रहा था। विद्यालय के प्राचार्य

देवेंद्र लाल ने बताया कि बच्चों को धूप से बचाने के लिए स्कूल भवन में प्रार्थना करा जाते हैं। विभाग द्वारा भी धूप से बचाने के लिए स्कूल भवन के अंदर या पेड़ की छांव में प्रार्थना कराने का निर्देश जारी किया गया है।

पुण्यतिथि पर भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांडी। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न समिति व संगठन द्वारा शुक्रवार को 123 वीं पुण्यतिथि पर भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दी गई। भगवान बिरसा मुंडा स्मारक समिति ओरमांडी के अध्यक्ष बीना देवी के नेतृत्व में बिरसा जैविक उद्यान परिसर में एक कार्यक्रम आयोजित कर भगवान बिरसा मुंडा के तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके विचारों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक ले जाने का संकल्प लिया गया। साथ ही भगवान बिरसा जैविक उद्यान के परिसर में जल्द आदम



सदमा चौक पर श्रद्धांजलि अर्पित करते लोग

कद प्रतिमा स्थापित करने का मांग की गई। श्रद्धांजलि देने वालों में बीना देवी मुंडा के साथ सचिव

अशोक कुमार मुंडा, संरक्षक काशीनाथ पाहन, सुरेंद्र उरांव, संजय तिकी, करमू पाहन, दीपक

कार्यक्रम में थे शामिल

जिला परिषद कमिश्नर मुंडा, चंद्रा मुखिया सीमा तिकी, 22 पड़हा कार्यकारिणी अध्यक्ष बाबुलाल महली, हरिलाल मुंडा, रमेशचंद्र उरांव, झिरगा पाहन, खुदुन मुंडा, वरुण कुमार, रामकुमार मुंडा, लक्ष्मण मुंडा, राजकुमार उरांव लोकन मुंडा, बुद्धेश्वर मुंडा, सुलेन्द्र महतो, प्रेमलाल बेदीया सहित कई लोगों द्वारा श्रद्धांजलि दी गई।

मुंडा, सुरेंद्र मुंडा, मुख्य पाहन दिलरंजन पाहन, जगमोहन मुंडा शामिल हैं। दूसरी ओर प्रखंड के सुदूरवर्ती पंचायत सदमा व चंद्रा में भी कार्यक्रम आयोजित कर भगवान बिरसा मुंडा का याद किया गया। क्षेत्र के जनप्रतिनिधी व बुद्धिजीवी गण सदमा चैक पर स्थापित बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर

श्रद्धांजलि दी गई। मुखिया सुनील उरांव ने कहा धरती आबा बिरसा मुंडा आदिवासी संस्कृति व अस्मिता की रक्षा और समाज सुधार करने वाले के रूप में जाना जाता है। जोर-जुल्म के खिलाफ हक व अधिकार की आवाज उठाने के लिए बलिदान देने वाले को बिरसा मुंडा को भुलाया नहीं जा सकता।

झारखंड सरकार कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, राँची पूर्व, राँची।

अति अल्पकालिन निविदा सूचना -05/2023-24

- विभाग का नाम : पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड, राँची।
विभागन दाता का नाम : कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, राँची पूर्व, राँची।
- परिमाण विषय की विधि की अंतिम तिथि एवं समय : 15.06.2023 अपराह्न 5 बजे तक।
- निविदा प्रारित की अंतिम तिथि एवं समय : 16.06.2023 अपराह्न 3:30 बजे तक।
- निविदा कॉलन की तिथि एवं समय : 16.06.2023 अपराह्न 4 बजे।
- परिमाण विषय की विधि का स्थान : 1) कार्यपालक अभियंता, का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, राँची पूर्व, राँची।
2) अधीक्षण अभियंता, का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, राँची अंचल, राँची।
- निविदा प्रारित का स्थान : 1) विभाग का नाम : कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड, राँची।
विभागन दाता का नाम : कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, राँची पूर्व, राँची।
- कार्य विवरणी : 1) विभाग का नाम : कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, राँची पूर्व, राँची।
2) परिमाण विषय की विधि की अंतिम तिथि एवं समय : 15.06.2023 अपराह्न 5 बजे तक।
- निविदा प्रारित की अंतिम तिथि एवं समय : 16.06.2023 अपराह्न 3:30 बजे तक।
- निविदा कॉलन की तिथि एवं समय : 16.06.2023 अपराह्न 4 बजे।
- परिमाण विषय की विधि का स्थान : 1) कार्यपालक अभियंता, का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, राँची पूर्व, राँची।
2) अधीक्षण अभियंता, का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, राँची अंचल, राँची।
- निविदा प्रारित का स्थान : 1) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, राँची पूर्व, राँची।
कार्य विवरणी :

क्र. सं.	कार्य का नाम	क्र. सं. सी. (ला. सं.)	आवक की सी. (ला. सं.)	विभाग का अनु. सं.	कार्य की अवधि की अवधि
1.	Improvement of water supply and replacement of damaged sanitary fitting , construction of septic tank , repairing of Drain and covering with RCC slab at Qtr no 18/28 Nepal House, 3/4 SSR and other misc. work at Qtr No C-10, C-12 BIP, 26/28, 15/28 officers flat, A-42, B-36, A-17- SSR, 385/86, 375/76 LIG, 21/28, B-6-30 set NHB-34 SSR, Consumer court . B-2 Rajendra Chowk and other High court pool under D.W.&S. Division, Ranchi East, Ranchi.	12.04816	24100.00	2500.00	15 Days
2.	Renovation of bathroom and toilet, improvement of water supply with replacement of sanitary fittings and sewerage work at B-8 & B-28 near Rajendra Chowk, C/4 behind Indra Palace, Hinoo and A-7, A/8 Block-A, Pool 30 Set near Nepal house Doranda, Ranchi and other High Court Pool Quarters under D.W.&S. Division, Ranchi East, Ranchi.	5.13782	10300.00	1250.00	15 Days
3.	Seepage repair and renovation of toilet cum bathroom with improvement of W/S, S/I and sanitary fittings and other misc. works at Qtr. No. A/11-12, A-2, A-46, A/32 (Near Seth Sotaram School), C/2/18 (Sachiwalaya Colony), B/26 (Near Rajendra Chowk) and Staff Qtr. No-8 of Jharkhand State Bar Council of High Court Pool Quarters under D.W. and S. Division, Ranchi East, Ranchi.	13.45233	27000.00	2500.00	30 Days
4.	Construction of Septic Tank, Soak pit, Its allied Works for (3 Nos), Prashiksu Barrack at Jangal Warfare School, Netarhar Under D.W & S. Division, Ranchi East Ranchi Part-A	19.08323	38200.00	5000.00	30 Days
5.	Seepage repair & Renovation of Toilet and bath room, Improvement of W/S and sanitary fittings & Sewerage Work at Quarter No AN-178/III & B-203/1 & B-1184/II and others Government pool quarters HEC Campus , Dhurwa, Ranchi.	7.53121	15100.00	1250.00	30 Days
6.	Seepage repair and renovation of bathroom and toilet and improvement of W/S and sewerage work at Qtr No. C/188 Hinoo & other vidhan sabha pool quarter under D.W.&S. Division Ranchi East, Ranchi.	4.94682	9900.00	750.00	15Days
7.	Provision of water supply by construction of I.No. 125/115mm dia D/T & I.No. HYDT with Installation of 2.00/1.5 H.P. Submersible Pump Motor & Its allied works at Forest Banglun No-01 Doranda, Ranchi Under D.W. & S. Division, Ranchi East Ranchi	10.60996	21400.00	2500.00	15 Days
8.	Renovation& Re-Construction of Sewerage and drainage at North Side of Pared Ground, Jungal Warfare School, Netarhar Government of Jharkhand Ranchi/Under D.W.&S. Division Ranchi East Ranchi.	24.00934	48100.00	5000.00	30 Days
9.	Seepage repair and renovation of toilet cum Bath room, improvement of W/S,S/I & sewerage work at MLA Flat RoomNo48,54 and others Jharkhand Vidhan Sabha JHEC Campus Dhurwa, Ranchi.	7.08690	14200.00	1250.00	15 Days
10.	Renovation& Re-Construction of Sewerage and drainage at North & West side of Pared Ground, Jungal Warfare School, Netarhar Government of Jharkhand Ranchi/Under D.W.&S. Division Ranchi East Ranchi. Part-B	24.00934	48100.00	5000.00	30 Days
11.	Seepage repair and renovation of toilet cum Bath room, improvement of W/S,S/I & sewerage work at MLA Flat Room No 111, 112,113,116 and others Jharkhand Vidhan Sabha pool, HEC Campus Dhurwa, Ranchi.	11.82359	23700.00	2500.00	30 Days

आवश्यक शर्तों के लिए देखें www.jharkhand.gov.in
Email ID- cedwsd.ranchieast@gmail.com
PR 299631 Drinking Water and Sanitation(23-24)D

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, राँची पूर्व, राँची।



अनोखी मलेरिया जो परजीवी है

मलेरिया के वैश्विक मामलों का अनुमानित 79% दक्षिण पूर्व एशियाई देशों से आता है। दवा प्रतिरोधी संक्रमण मलेरिया के नियंत्रण और उन्मूलन के लिए एक बड़ी बाधा है। यह समझने के लिए कि मलेरिया परजीवी दवाओं के प्रति प्रतिरोधी कैसे विकसित करते हैं, भारतीय शोधकर्ताओं को एक टीम ने मलेरिया से संक्रमित रोगी के नमूनों के 53 पूरे जीनोम का अनुक्रम किया है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) वर्तमान में मलेरिया के इलाज के लिए आर्टिमिसिनिन संयोजन चिकित्सा (एसोटी) के उपयोग की सिफारिश करता है, जिसने कई वर्षों तक सोने के मानक के रूप में काम किया है। दुर्भाग्य से, दक्षिण पूर्व एशिया और अफ्रीका के कई देशों में, मलेरिया के उच्च प्रसार से बोझिल, दवा प्रतिरोधी संक्रमण के मामलों की सूचना मिली है।

दवा प्रतिरोधी की स्थिति की निगरानी के वैश्विक प्रयासों ने दुनिया भर में 20,000 से अधिक प्लास्मोडियम जीनोम का अनुक्रम किया है। हालांकि, अब तक भारतीय शोधकर्ताओं द्वारा केवल पांच जीनोम प्रकाशित किए गए थे, प्रमुख शोधकर्ता डॉ. कृष्णपाल करमोदिया ने बताया।

2018 में, भारत ने पश्चिम बंगाल के कोलकाता क्षेत्र के रोगियों में आर्टिमिसिनिन-प्रतिरोधी परजीवियों के उद्भव पर अपने पहले अध्ययन की सूचना दी। जैसा कि भारत का लक्ष्य 2030 तक मलेरिया को खत्म करना है, परजीवियों में दवा प्रतिरोधी के पीछे के तंत्र को समझना महत्वपूर्ण हो जाता है।

यह भारत का पहला बड़े पैमाने का अध्ययन है जो परजीवियों के 53 पूरे जीनोम अनुक्रम की रिपोर्ट करता है और दिखाता है कि भारतीय क्षेत्र में अद्वितीय परजीवी आबादी है। डॉ. सोमाथ राय और डॉ. अमिया हाटी के सहयोग से कोलकाता से नमूने एकत्र किए गए थे। संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण ककरएफ पुणे में किया गया था।

शोधकर्ताओं ने परजीवियों के जीनोम में उपन्यास उत्पत्ति दर्ज पाया जो दवा प्रतिरोधी में योगदान कर सकते हैं। ये उत्पत्ति दर्ज दक्षिण पूर्व एशिया और अफ्रीका के परजीवियों में पाए जाने वाले परजीवियों से भिन्न हैं।

मामले पर सुनवाई करनी थी। शीर्ष न्यायालय को स्पष्ट करना चाहिए कि देश में आरक्षण के अलग-अलग स्तर नहीं हो सकते और आरक्षण के रोजगार वहां के निवासियों के लिए आरक्षित होंगे। समाचार पत्रों में 19 मार्च, 2021 को प्रकाशित खबरों के मुताबिक महाराष्ट्र में राज्य के विशिष्ट आरक्षण से संबंधित याचिका पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने चुटौती अंदाज में यह तर्क पृष्ठ डाला कि क्या आजादी के बाद से कोई सामाजिक-आर्थिक प्रगति हासिल नहीं हुई?

यह बात शायद सबसे जानकार भारतीयों पर भी लागू होती है। केन्द्र सरकार को संसद में श्वेत पत्र पेश करना चाहिए ताकि आरक्षण के क्रियान्वयन को लेकर स्पष्टता आ सके। हालांकि ऐसा होने की संभावना बहुत कम है क्योंकि आरक्षण मतदाताओं और ज्यादातर राजनीतिक दलों के लिए बहुत संवेदनशील मसला है।

आरक्षण में इजाफे के खिलाफ या मौजूदा स्तर का आरक्षण जारी रखने के विरोध में कुछ कहा जाए तो यह भावनात्मक दलील दी जाती है कि अनुसूचित जाति-जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के साथ हजारों साल के भेदभाव को कुछ दशकों में पूरा नहीं किया जा सकता। हालांकि अतीत का एक उदाहरण है करीब दो सौ वर्ष के ब्रिटिश शासन के कारण भारतीय उपमहाद्वीप की गरीबी। लब्धोत्पादक यह कि अतिरिक्त आरक्षण शासन मानकों को स्थिर रखेगा तथा केन्द्र, राज्यों और नगर निकाय स्तर के प्रदर्शन पर असर पड़ेगा।

शैक्षणिक संस्थान भी अप्रभावित नहीं रह सकेगे। मिसाल के तौर पर नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विस कंपनीज ने संकेत दिया है कि उससे संबद्ध कंपनियों में से 80 प्रतिशत को लगता है कि हरियाणा के नागरिकों की पक्षधर आरक्षण नीतियां उनके कारोबार और भविष्य की निवेश योजनाओं को प्रभावित करेंगी। देश की राष्ट्रीय और राज्य सरकारों ने केवल आरक्षण को मदद करती हैं बल्कि अतिरिक्त आरक्षण की मांग को प्रोत्साहन देती हैं। देश में हर प्रकार के आरक्षण को खत्म करने की जरूरत है और इस दौरान उन लोगों को उचित वित्तीय सहायता मुहैया कराई जानी चाहिए जो सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े हुए हैं।



महंगाई पर नकेल

शा यद यह लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूरी है कि उसकी प्राथमिकता महंगाई पर काबू पाने की होती है। महंगाई से त्रस्त जनमानस राजनीतिक बदलाव से भी गुरेज नहीं करता है। जिसकी झलक देश के केंद्रीय बैंक के वीरवार को सामने आए फैसले में नजर आई। केंद्रीय बैंक ने विकास के बजाय महंगाई नियंत्रण को अपनी प्राथमिकता बताया है। यही वजह है कि रिजर्व बैंक ने अपनी मुख्य दरों में कोई बदलाव नहीं किया। बैंक की लगातार दूसरी बैठक में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया गया ताकि उपभोक्ताओं की इंग्लैंड पर कोई असर न पड़े। उल्लेखनीय है कि अप्रैल में हुई बैठक में भी नीतिगत दरें स्थिर रखी गई थी। इस बार भी रिजर्व बैंक को मौद्रिक नीति समिति की दो दिनों तक चली बैठक के बाद गुरुवार को गवर्नर शक्तिशाली दस ने स्वीकारा की चालू वित्त वर्ष में महंगाई दर निर्धारित लक्ष्य चार प्रतिशत से ऊपर रह सकती है। वहीं उन्होंने आगामी वित्तीय वर्ष में विकास दर 6.5 फीसदी रहने का भरोसा जताया। साथ ही कहा कि शहरी व ग्रामीण मांग का मजबूत बना होना अर्थव्यवस्था के लिये अच्छा संकेत है। फिर भी अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति के पांच फीसदी से अधिक रहने का अनुमान है। इस आकलन की एक वजह यह भी है कि मौसम संबंधी अनिश्चितता ऐसे पूर्वानुमानों को प्रभावित कर सकती है। बैंक का मानना है कि यदि मानसून सामान्य रहता है तो महंगाई रिजर्व बैंक के अनुमानों के अनुसार निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप ही रह सकती है। आकलन है कि वैश्विक आर्थिक स्थितियों तथा मानसून के सामान्य रहने पर केंद्रीय बैंक नीतिगत दर में कटौती कर सकता है। मौजूदा वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के बीच यदि भारत का आर्थिक व वित्तीय क्षेत्र लचीला बना हुआ है तो यह मजबूत आर्थिक ढांचे को ही दर्शाता है।

कितने अपराधी?

च चिंत चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने बिहार के उप मुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव पर जोरदार निशाना साधते हुए कहा कि तेजस्वी यादव ने जीवन में न कुछ पढ़ा, न समझा, सिर्फ बकवास करते हैं। किशोर ने कहा कि तेजस्वी यादव को किसी विषय का ज्ञान है नहीं है। उन्हें कभी जाति पर बोलना है तो कभी धर्म के नाम पर बोलना है। जनसुराज के संस्थापक किशोर ने सवाल पूछा कि देश में राजद से ज्यादा क्रिमिनल लोग किस पार्टी में हैं। प्रशांत किशोर ने तेजस्वी यादव पर राज्य की जनता के मुद्दों की अलदेखी करने की बात कहते हुए कहा कि बिहार की जनता पूछ रही है रोजगार नहीं है, तो तेजस्वी यादव बोलते हैं कि भाजपा को रोको। बिहार की जनता पूछती है कि बालू और शराब माफिया क्यों हैं तो वो जातीय जनगणना की बात करके बिहार के लोगों को बेवकूफ बनाते हैं। वैसे उनके आरोप और सच्चाई के बीच का अंतर काफी कम है। अभी बिहार में हजार करोड़ से अधिक का बालू और खनिज का अवैध व्यापार हो रहा है। वह किसके संरक्षण में हो रहा है यह इस बात से पता चलता है कि विगत सरकार से नीतीश भागे थे तब कहा था कि कफन में जेब नहीं होता। राजनीतिक विश्लेषक का मानना है कि भ्रष्टाचार बिहार में फल-फूल रहा है। आज सभी लोग जानते हैं कि राज्य स्तर पर बालू माफिया कौन है। आज बिहार में एक दल के लोग हैं जो बालू माफिया का काम कर रहे हैं। पूरे राज्य को इन्होंने बालू के खनन का केंद्र बना दिया है। प्रशांत का सवाल एक अहम सवाल है। पलायन, गरीबी और अशिक्षा के साथ अपराध झेलता बिहार उद्योग के मामले में देश में फिसड्डी है। बिहार राजनीति के साथ भ्रष्टाचार का प्रयोगशाला बन गया है पशुपालन घोटाला से लेकर बालू घोटाना तक वहां फल फूल रहा है।

जीवन मूल्य

धर्म-प्रताह

अनुराग तत्व

कटोपनिषद में इसे श्रेय और प्रेय कहा गया है। श्रेय की खोज का नतीजा स्थायी होता है। यह खोज ही नचिकेता की है। प्रेय केवल कुछ वक्त तक रहकर नष्ट हो जाता है। हममें से ज्यादातर लोग हालांकि इसी तुरंत या दिखावटी संसार को गढ़ने में लगे रहते हैं। कटोपनिषद हमें चिरस्थायी समाधानों के लिए उकसाता है।

स्थायी समाधान हमारी सोच से पैदा होते हैं। जब नचिकेता को श्राप देने के बाद वाजश्रवा दुख से उठ नहीं पा रहे थे, तब बालक नचिकेता ने जो उनसे कहा, वह गौर करने लायक है। नचिकेता कहता है, मेरे पहले अनेक गए हैं। मेरे बाद भी बहुत-से लोग जाएंगे। मैं अकेला नहीं यमराज के पास जा

अमर-घुट्टी है सदा के लिए
क्या है वह दृष्टिकोण? इसका जवाब भी कटोपनिषद में है। लेकिन पहले हम इस सच को स्वीकार करना सीखें कि हम सब जन्म के बाद से ही अपनी काया में अपनी मृत्यु भी लिए-लिए फिरते हैं। कइयों को एक उम्र के बाद मृत्यु भय घेर लेता है।

कॉटन वर्ल्ड

पर्यावरण बचाओ, पृथ्वी ...



लेटर टू एडीटर

रोके भ्रमजात

चुनाव का बिगुल बजते ही लुभावने वादों के साथ जन प्रतिनिधि जनता के दरबार में सेवक की भांति पेश होते दिखाई देते हैं। गरीबी उन्मूलन, बेरोजगारी दूर करना, मुक्त बिजली-पानी, मकान, मुक्त शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाएं, किसानों का कर्ज माफ व उनकी आय दोगुनी करना ये ऐसे कुछ वादे हैं जिन्हें अपने चुनाव घोषणा-पत्र में शामिल कर रही हैं।

- रविकांत सिंह, रांची

महंगाई और विकास

बाजार के जानकार मान रहे हैं कि वर्तमान में कम होती महंगाई और विकास की स्थिर दर के चलते आगामी वित्तीय वर्ष में नीतिगत दरों में कमी की जा सकती है। लेकिन कच्चे तेल के दाम आदि वैश्विक कारकों से जुड़ी चिंताएं इसे प्रभावित भी कर सकती हैं। खासकर रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते प्रभावित आपूर्ति श्रृंखला का वाधित होना भी इसका एक घटक है।

- प्रियंका, हजारीबाग

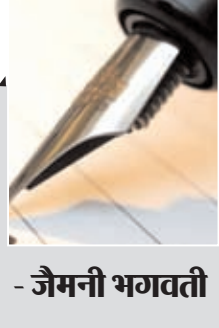
अभिव्यक्ति

देश के आर्थिक विकास को रोकती आरक्षण नीति

आजादी के बाद भारतीय संविधान के अनुच्छेद 15(4) के तहत सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े तबकों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई है। आरंभ में आरक्षण की व्यवस्था 10 वर्ष के लिए होनी थी लेकिन हर 10 वर्ष के बाद उसे आगे बढ़ाने का सिलसिला चलता रहा। फिलहाल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग को सरकारी रोजगार, सरकारी कंपनियों और शैक्षणिक संस्थानों में नौकरी तथा सीटों के मामले में 49.5 फीसदी आरक्षण प्राप्त है। जनवरी 2019 में यानी अप्रैल-मई 2019 के लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले संसद ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 10 फीसदी अतिरिक्त आरक्षण को मंजूरी दे दी। इसके अलावा राज्य विधानसभाओं और लोकसभा में भी अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लिए सीटें आरक्षित हैं।

यह संभव है कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए घोषित 10 फीसदी का आरक्षण शायद कुल आरक्षण को बढ़ाकर 59.5 फीसदी नहीं करे क्योंकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग और अनुसूचित जाति-जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग का आरक्षण उसका अतिव्यापन कर सकता है। बहरहाल यदि आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षण लागू होता है तो संभव है कि वह सन 1993 में सर्वोच्च न्यायालय के नौ न्यायाधीशों वाले पीठ के उस निर्णय का उल्लंघन कर दे जिसमें उन्होंने सभी प्रकार के आरक्षण के लिए कुल मिलाकर 50 फीसदी की सीमा तय की थी। फिलहाल 10 फीसदी अतिरिक्त आरक्षण के खिलाफ कई याचिकाएं लंबित हैं। आर्थिक आधार पर 10 फीसदी आरक्षण के पहले भी तमिलनाडु विधानसभा ने कुल मिलाकर 69 फीसदी आरक्षण को मंजूरी दे दी थी। अप्रैल 2021 में होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले तमिलनाडु की द्रविड़ मुन्नेत्र कणम (द्रमुक) ने राज्य के निवासियों के लिए 75 फीसदी आरक्षण का वादा किया है। मध्य प्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र और हरियाणा पहले ही रोजगार में स्थानीय लोगों के आरक्षण की नीतियां बना चुके हैं।

देश भर में कई याचिकाएं दायर कर 50 फीसदी के ऊपर के आरक्षण को समाप्त करने की मांग की गई है। खासतौर पर 8 फरवरी को खबर आई कि सर्वोच्च न्यायालय एक ऐसी याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो



- जैमनी भगवती

यदि आरक्षण कोटा विश्वविद्यालय स्तर पर होता है तो व्यक्तिगत विभागों में यह 50 फीसदी का स्तर पार कर सकता है। एक अन्य मुद्दा यह है कि किसे क्रीमी लेयर का हिस्सा होने के कारण अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण के लायक नहीं माना जाए। फिलहाल क्रीमी लेयर में वे लोग आते हैं जिनकी सालाना पारिवारिक आय 8 लाख रुपये से अधिक है। गैर पिछड़ा वर्ग के लोगों को लगता है कि यदि पिछड़ा वर्ग के लोग स्वरोजगार में हैं तो उनकी आय का आकलन आसान नहीं है। उत्तर प्रदेश और बिहार के प्रवासी श्रमिक दशकों से मुंबई, दिल्ली या बेंगलूरु में किराये के मकानों में रहते हैं। उनके लिए खूद को वहां का निवासी साबित करना मुश्किल है। परिणामस्वरूप राज्यस्तरीय आरक्षण भारतीय श्रम बाजार को आर्थिक रूप से अक्षम बना सकता है। 15 वर्षों के मुताबिक सर्वोच्च न्यायालय की खबरों के मुताबिक 2021 से 50 फीसदी सीमा के

गया है जो तमिलनाडु में 50 फीसदी से अधिक आरक्षण को चुनौती देती है। परिणामस्वरूप अब तक राज्यों में मौजूदा आरक्षण के अतिरिक्त स्थानीय लोगों के लिए आरक्षण के क्रियान्वयन का कानूनी दर्जा अस्पष्ट है। ऐसे आरक्षण के स्तर के पक्ष में दलील यह है कि देश में अभी भी सामाजिक और शैक्षणिक दृष्टि से वंचितों की तादाद बहुत अधिक है।

शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण का पारदर्शी और निष्पक्ष क्रियान्वयन जटिल है जिसके चलते कई कानूनी विवाद पैदा हुए। यदि आरक्षण कोटा विश्वविद्यालय स्तर पर होता है तो व्यक्तिगत विभागों में यह 50 फीसदी का स्तर पार कर सकता है। एक अन्य मुद्दा यह है कि किसे क्रीमी लेयर का

हिस्सा होने के कारण अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण के लायक नहीं माना जाए। फिलहाल क्रीमी लेयर में वे लोग आते हैं जिनकी सालाना पारिवारिक आय 8 लाख रुपये से अधिक है। गैर पिछड़ा वर्ग के लोगों को लगता है कि यदि पिछड़ा वर्ग के लोग स्वरोजगार में हैं तो उनकी आय का आकलन आसान नहीं है। उत्तर प्रदेश और बिहार के प्रवासी श्रमिक दशकों से मुंबई, दिल्ली या बेंगलूरु में किराये के मकानों में रहते हैं। उनके लिए खूद को वहां का निवासी साबित करना मुश्किल है। परिणामस्वरूप राज्यस्तरीय आरक्षण भारतीय श्रम बाजार को आर्थिक रूप से अक्षम बना सकता है। 15 वर्षों के मुताबिक सर्वोच्च न्यायालय की खबरों के मुताबिक 2021 से 50 फीसदी सीमा के

धनबाद में अवैध खनन

के दरम्यान चाल धंसने से तीन मजदूरों की मौत तथा कई लोगों के देवे होने की अत्यंत दुःखद सूचना मिली। ईश्वर से सभी के सकुशल होने की कामना करता हूँ। सरकार की ओर से अवैध खनन को रोकने हेतु सार्थक एवं ईमानदार पहल की जाती, तो बार-बार ऐसी घटनाएं नहीं होती।

-सुदेश महतो,आजसू सुप्रियो

अंडमान-निकोबार

में यहाँ रह रहे झारखंड के आदिवासी-मूलवासी समाज के प्रतिनिधिमंडल के साथ मुलाकात हुई। मुलाकात के दौरान कोविड काल में राज्य सरकार द्वारा दी गयी मदद के साथ-साथ अन्य कई विषयों पर चर्चा हुई।

- हेमंत सोरेन

आपके

ट्वीट



भगवान बिरसा मुंडा जी की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। उन्होंने विदेशी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। आदिवासी समुदाय के उत्थान के लिए उनके समर्पण और सेवाभाव को राष्ट्र सदैव याद रखेगा।

- नरेन्द्र मोदी

सरकारी अंकुश नहीं निजी स्कूलों को मिले निजता का अधिकार

न्यायमूर्ति एस.एस. सोदी (अ.प्रा.)

क्या चंडीगढ़ के गैर सहायता प्राप्त निजी स्कूलों को अपनी निजता बनाए रखने का हक है या नहीं? यह विषय इस केंद्र शासित प्रदेश द्वारा दिए गए आदेश के संदर्भ में उठ रहा है, जिसमें प्रशासन ने निजी स्कूलों को अपना वित्तीय विवरण (फाइनेंशियल स्टेटमेंट) वेबसाइट पर डालने को कहा है, ताकि छात्र और अभिभावक देख सकें, दूसरे शब्दों में, यह सार्वजनिक हो। यह सब उसके बावजूद है जब स्कूल प्रबंधन हर साल संबंधित विभागों को आय-व्यय और बजट संबंधी लेखा-जोखा मुहैया करवाता है।

इस उर के साथ कि वित्तीय लेखा-जोखा वेबसाइट पर अपलोड करने पर कहीं निजी शिक्षण संस्थान को बेवजह

नुकाचीनी का सामना न करना पड़े और संभवतः अभिभावक और दीगर तत्व बेजा अडुंगा न डालने लगे, जिससे कि विद्यालय के सुचारु प्रबंधन में अड़चनें पैदा हो जाएं, निजी स्कूल उक्त मामले को उच्च न्यायालय ले गए।

खंडपीठ ने केस नं. सीडब्ल्यू 7706 (2020), जो ईडिपेंडेंट स्कूल्स एसोसिएशन, चंडीगढ़ बनाम भारत सरकार के बीच चला, उसमें 28 मई को दिए फैसले में चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा निजी स्कूलों को अपनी वित्तीय जानकारी वेबसाइट पर डालने संबंधी दिए आदेश को सही ठहराया है। इसमें कहा गया अभिभावकों से स्कूलों द्वारा बेजा मुनाफा कमाने वाली शिकायतों के बाद प्रशासन को आय-व्यय का ब्योरा अपलोड करने का आदेश देना पड़ा था। इसमें आगे यह

शिक्षा

कहा ह्यन तो राज्य सरकारों और न ही संबंधित विभाग के अफसर स्कूलों की व्यावसायिक चार्टर्ड अकाउंटेंट्स द्वारा बनाई लेखा रिपोर्ट पर गहराई से विचार करते हैं, अतः यदि निजी शिक्षण संस्थान अपनी वेबसाइट पर यह जानकारी उपलब्ध करवाएंगे तो इससे पारदर्शिता बनेगी और यह इस ध्येय की पूर्ति सुनिश्चित करने में सहायक होगी कि कोई संस्थान बेजा मुनाफाखोरी और दाखिला फीसें इत्यादि नहीं वसूल रहा। इसमें कोई शक नहीं कि अनेक निजी स्कूल हर साल दाखिला फीस लेने और अनावश्यक मुनाफा बनाने में लिप्त हैं। चूंकि संस्थानों द्वारा पेश किए वित्तीय विवरण

व्यावसायिक माहिरों द्वारा बनाए गए होते हैं, इसलिए संबंधित सरकारी अधिकारी से उम्मीद नहीं की जा सकती कि वह इनमें चतुराई से छिपाए सत्य को खोज निकालें।

आगे यह आदेश कहता है यदि संस्थानों का वित्तीय विवरण वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा तो छात्रों के अभिभावक भी इनको देख पाएंगे। संभवतः कई ऐसे माता-पिता जरूर होंगे, जिनकी अकाउंटिंग के क्षेत्र में महारत हो, और वे पड़ताल कर प्रशासन की यह सुनिश्चित करने में मदद कर सकते हैं कि कोई शिक्षा संस्थान या स्कूल बेजान मुनाफा अथवा दाखिला फीसों न लेने पाए।

गौरतलब है कि अखिर न्यायालय ने यह कैसे मान लिया कि निजी स्कूलों के व्यावसायिक माहिरों द्वारा बनाए वित्तीय

विवरणों की गहराई से पड़ताल कर वास्तविकता खोज पाने में सरकारी विभाग के अधिकारी सक्षम नहीं हैं। आदर् सहित कहना चाहेंगा कि यह तर्क सराहना योग्य नहीं कहा जा सकता। यह पहले से कैसे माना जा सकता है कि वे इतने काबिल नहीं हैं। अवश्य ही विभाग ऐसे विवरण केवल अपने दफ्तरों को भरने के लिए नहीं मांगते। यदि कोई स्कूल ज्यादा दाखिला फीस या अन्य अनाधिकारिक पैसा मांग रहा होगा तो संबंधित विभाग से उम्मीद है वे इतने काबिल तो हैं ही कि छिपे पेंच को पकड़ पाएँ और यथेष्ट कार्रवाई करें।

लगता है वेबसाइट पर वित्तीय विवरण डलवाने को अदालत ने प्रभावित किया है, वह यह है कि शायद कुछेक स्कूल पहले ऐसा कर चुके हैं।

बिरसा मुंडा : समाज हित के लिए समर्पित जीवन

डॉ. वंदना सेन

सामाजिक, विशेषकर जनजातीय समाज के हितों के लिए संघर्ष करने वाले बिरसा मुंडा ने भारत पर राज करने वाली ब्रिटिश सत्ता के विरोध में ऐसा जन आंदोलन खड़ा किया, जिसने जनजातीय समाज को एकत्रित कर जागरूक कर दिया और अंग्रेजों को भारत की भूमि छोड़कर जाना पड़ा। हालांकि इतिहास में ऐसे अनेक देश भक्त साहसी वीर हुए हैं, जिनका वर्णन आज के इतिहास में दिखाई नहीं देता।

लेकिन अब इतिहास के पन्ने कुरेदे जा रहे हैं। भारत का असली इतिहास खंगालने के प्रयास भी होने लगे हैं। देश के प्रेरणा देने वाले

नायक भी सामने आने लगे हैं। बिरसा मुंडा का सम्पूर्ण जीवन ऐसा ही आदर्श है, जिससे राष्ट्रीय भाव का प्रस्फुटन होता है। जहाँ से समाज का नायक बनने का आदर्श दिशाबोध है। बिरसा मुंडा भारतीय समाज के ऐसे आदर्श रहे हैं, जिसे हम सर ऊंचा करके गौरव के साथ याद करते हैं। देश के लिए उनके द्वारा किए गए अप्रतिम योगदान के कारण ही उनका चित्र भारतीय स्कूलों में प्रदर्शित है। बिरसा मुंडा को ही मिल सका है। बिरसा मुंडा का जन्म झारखंड के खुंटी जिले में हुआ था। उनके मन में

बचपन से ही राष्ट्र भाव की उमंग दिखाई देती थी। उनके मन में अंग्रेजी सत्ता के प्रति नफरत हो गई थी। इसके पीछे का कारण भारतीय समाज, विशेषकर जनजातीय समाज के प्रति अपनेपन की पराकाष्ठा ही थी। अंग्रेज प्रारंभ से ही भारतीय समाज और उसकी संस्कृति की आलोचना करते थे, यह बात देश से प्रेम करने वाले बिरसा मुंडा को अंदर तक चुभती थी। यही वजह थी कि मिशनरी स्कूल में पढ़ने के बाद भी वे अपने आदिवासी तौर तरीकों की ओर लौट आए, लेकिन इन सबके बीच के उनके जीवन में एक अहम मोड़ आया जब 1894 में आदिवासियों की जमीन और वन संबंधी अधिकारों की मांग को लेकर वे

सरदार आंदोलन में शामिल हुए। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भारतभूमि पर ऐसे कई नायक पैदा हुए जिन्होंने इतिहास में अपना नाम स्वर्णाक्षरों से लिखवाया। एक छोटी सी आवाज को नारा बनने में देर नहीं लगती, बस दम उस आवाज को उठाने वाले में होना चाहिए और इसकी जीती जागती मिसाल थे बिरसा मुंडा। बिरसा मुंडा ने बिहार और झारखंड के विकास और भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में अहम रोल निभाया। उन्होंने ब्रिटिश सत्ता के अस्तित्व को अस्वीकारते हुए अपने अनुयायियों को सरकार को लाना न देने का आदेश दिया था।

बचपन का अधिकतर समय उन्होंने अखाड़े में बिताया। बिरसा

संस्थापक

स्व. डॉ. अभय कुमार सिंह

वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स
प्राइवेट लिमिटेड के लिए

मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह

द्वारा चिरौंदा, बोडैया रोड, रांची
(झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

संपादक

अविनाश ठाकुर*

फोन : 94313-55233

पिन: -834006

e-mail

Khabarmantra.city@gmail.com

R.N.J. No.

JHAHM/2013/51797

*पीआरवी एक्ट के अंतर्गत खबरों

के चयन के लिए उत्तरदायी।

प्रकाशित खबरों से संबंधित

किसी भी विवाद का निपटारा

रांची न्यायालय में ही होगा।

स्पीड न्यूज

बिरसा मुंडा को डीसी ने किया नमन

रामगढ़। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि के अवसर पर शुक्रवार को छत्तरमांडू स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर उपायुक्त माधवी मिश्रा, पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडे, वन प्रमंडल पदाधिकारी नीतीश कुमार, अपर समाहर्ता नेल्सम एयोन बागे एवं एसडीओ मोहम्मद जावेद हुसैन सहित जिला स्तरीय वरीय अधिकारियों ने पुष्प एवं श्रद्धा सुमन अर्पित किया। अधिकारियों ने लोगों से भगवान बिरसा के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया।



धरती आबा को भाजपा ने दी श्रद्धांजलि

भुरकुंडा (रामगढ़)। भाजपा भुरकुंडा मंडल एसटी मोर्चा ने शुक्रवार को भगवान बिरसा मुंडा की 123वीं पुण्यतिथि मनाई। भाजपा एसटी मोर्चा के जिला अध्यक्ष कुमेल उरांव ने भगवान बिरसा के प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। कुमेल उरांव ने भगवान बिरसा के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भुरकुंडा मंडल अध्यक्ष सतीश मोहन मिश्रा, सांसद प्रतिनिधि जगतार सिंह, दक्षिण प्रमंडलीय सह प्रभारी योगेश दांगी, बुद्धि प्रकाश के प्रदेश सहसंयोजक सत्येंद्र नारायण सिंह, अमरेश सिंह, शंकर प्रसाद, अशोक सोनी, महेंद्र सिंह, ज्योति सिंह, सुभाष दास, मुखिया अजय पासवान, प्रदीप मांडवी, एसटी मोर्चा के जिला महामंत्री राजेंद्र मुंडा, एससी मोर्चा के मंडल अध्यक्ष बाबूलाल नायक, किसान मोर्चा के अध्यक्ष संतन सिंह, ओबीसी मोर्चा के मंडल अध्यक्ष देव कुमार सिंह, जनार्दन सिंह, आजाद राम, संदीप ठाकुर, सनी ठाकुर, नरेश जयसवाल, रघुवीर जयसवाल सहित कई भाजपाई मौजूद थे।



बासल में बिरसा मुंडा की मनी पुण्यतिथि

भुरकुंडा (रामगढ़)। जिल्द ए गेट स्थित तुमल टोंगरी में शुक्रवार को भगवान वीर बिरसा मुंडा की सहादत दिवस मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान बिरसा मुंडा के तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर की गई। साथ ही भगवान बिरसा मुंडा के बलिदान, त्याग को याद करते हुए उनके बहादुर मार्ग पर चलने का आह्वान किया गया। मौके पर बलकुंदरा मुखिया विजय मुंडा ने वीर बिरसा की तरह जल, जंगल, जमीन की रक्षा करने का संकल्प दिलाया। साथ ही अपने हक-अधिकार के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने की बात कही। मुखिया श्री मुंडा ने कहा कि बिरसा मुंडा के अधूरे सपनों को पूरा करना हमसब का दायित्व है। मौके पर पूर्व पार्षद झरी मुंडा, पूर्व मुखिया विजय मुंडा, कुदरसे मुखिया संदीप उरांव पूर्व मुखिया रामदास बेदिया, पंसस राजू मुंडा, जिला सचिव नन्दलाल मुंडा, संतोष यादव, रंजीत उरांव, पवन मुंडा, सुनील करमाली, प्रिंस बेदिया, देवनारायण मुंडा सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

गोला में अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद

गोला। रामगढ़-मुंरी रेलखंड के गोला रायपुरा गांव के समीप रेलवे ट्रैक से मध्यरात्रि को गोला पुलिस ने एक अज्ञात व्यक्ति का शव को बरामद किया। इसकी सूचना मध्यरात्रि को स्थानीय लोगों द्वारा गोला पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में कर रात को ही थाने ले आई। सुबह को पुलिस ने कागजी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल रामगढ़ भेज दिया। इस संबंध में गोला पुलिस ने बताया कि व्यक्ति का बायां पैर ट्रेन से कटा हुआ है। हालांकि पहले से ही उसका बायां पैर का तीन अंगुली कटा हुआ था। इसके अलावा सर पर और कई अन्य जगहों पर चोट के गंभीर निशान हैं। समाचार भेजे जाने तक स्थानीय लोगों द्वारा मृतक व्यक्ति के शव को कोई खोजबीन नहीं की गई। संदेह जताया जाता है कि मृतक व्यक्ति विक्षिप्त था। मृतक व्यक्ति की उम्र लगभग 55 वर्ष बतायी जाती है।

पुल से टकराई बाइक, युवक घायल

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा ओपी क्षेत्र के सोदा डी मुख्य मार्ग स्थित हॉस्पिटल कलानी के निकट शुक्रवार को सड़क दुर्घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को भुरकुंडा सीसीएल अस्पताल ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार साकुल बस्ती निवासी 18 वर्षीय रोहित कुमार पिता आनंद साव अपने बाईक नंबर जेएच 24 एच 7416 पर सवार होकर भुरकुंडा से सोदा डी की तरफ जा रहा था। इस दौरान बाइक अनियंत्रित होकर नीचे धोड़ा पहुंच मार्ग पर बनी पुलिया से जा टकराकर गिर गया। दुर्घटना में युवक के सिर में चोट लगी है। साथ ही शरीर के कई हिस्सों में अंतरुनी चोट लगी है। बताया जाता है कि टक्कर इतनी तेज हुई थी कि पुलिया भी क्षतिग्रस्त हो गया।

रोटेरियन आरपी राणा का निधन

भुरकुंडा (रामगढ़)। रोटरी भुरकुंडा के सक्रिय सदस्य आरपी राणा का हृदय गति रुक जाने से गुरुवार को देहांत हो गया। उनके निधन से पूरा रोटरी क्लब परिवार शोकाकुल है। रोटरी क्लब ऑफ भुरकुंडा ने दिवंगत आरपी राणा के आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण कर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया। रोटेरियन प्रवीण शर्मा ने बताया कि दिवंगत आरपी राणा की तबियत अचानक खराब हो गई। जिन्हें रांची मेदांता में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान गुरुवार शाम उनकी मौत हो गई। उनके पतुक्त आवास बड़कागांव स्थित पत्र आखुर्द गांव में शुक्रवार को अंतिम संस्कार किया गया। उनके निधन पर प्रदीप शर्मा, परमजीत सिंह धामी, राम अवतार प्रसाद, रवि सचदेवा, अजय गोयल, श्रीकांत गुला, विजय कुमार, भूपिंदर सिंह, देवेन्द्र सिंह, धनंजय अग्रवाल, सुष्मा शर्मा, अशोक शर्मा, मुखार सिंह, श्रीकांत गुला, रंजीत गुला, सुनील कुमार, उमेश रजक, समरेंद्र शाह, अशोक अग्रवाल, नरेंद्र सिन्हा, अशोक लाल, एस्ट्रो शर्मा, रिंकी अग्रवाल, नरेन्द्र कौर, नीतू सचदेवा, चन्दर शेखर अग्रवाल, राजेंद्र चाला आदि ने शोक संवेदना प्रकट की।



बड़ा बाजार मीट पट्टी में गंदगी का अंबार

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। शहर के नगर निगम स्थित डेली मार्केट में सालो से मीट की दुकान बंद पड़ी हुई है। तीन चार दुकान मार्केट में स्थित शौचालय के समीप चलाई जाती है। यहाँ पर बंद मीट दुकानों का फायदा उठाकर मार्केट के कई दुकानदार गंदगी यहाँ फेंक देते हैं। कुछ खरसी बेचने वाले दुकानदार भी जानवर की साफ की हुई अंश भी वहीं फेंक देते हैं जिससे सड़न और दुर्गंध चारों ओर फैल जाता है। यहां एक बड़ा सा कचरे का अंबार लगा हुआ है। इस रस्ते जाने वाले लोगों का और वहां बाजार लगाने वाले सब्जी विक्रेताओं का जीना दुर्लभ हो गया है। महिलाएं यदि उधर से गुजरती हैं तो

दुकानदारों की गुहार, बरसात से पहले सफाई कराये नगर निगम



नाक पर रुमाल देकर गुजरती हैं। अब कुछ दिनों के बाद मानसून का आगमन होगा। अमर अभी नगर निगम यहाँ साफ सफाई नहीं करवाती है तो बारिश के दिनों में यहाँ के हालत बद से बदतर हो जायेंगे। उस समय सफाई करना

काफी मुश्किल होगा क्योंकि गीले कचड़े को उठाने में बेहद परेशानी होती है। दुकानदारों का कहना है की यहाँ जल्द से जल्द गंदगी की सफाई करवाई जाए साथ ही सड़क निर्माण व लाइटिंग की व्यवस्था की जाये जिससे लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े। ज्ञात हो पूर्व टेकेदार आफताब आलम ने भी इसकी शिकायत नगर निगम से की थी मगर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा था। वहीं नए टेकेदार विनोद सिंह का कहना है कि इस मामले में मैं निगम को लिखित आवेदन दूंगा। साफ-सफाई, रोड और लाइट की व्यवस्था इस रोड में की जाएगी।

सदर विधायक मीडिया प्रतिनिधि के ट्वीट पर डीसी ने लिया संज्ञान

मुर्दा घर के डीप फ्रीजर को ठीक कराने का दिया निर्देश

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। सदर विधायक मनीष जायसवाल के निर्देश पर जन- जरूरतों की सेवा में सक्रिय रहने वाले विधायक मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी का एक ओर पहल रंग लाया। हजारीबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल के मुर्दा घर में भीषण गर्मी में शवों को रखने के लिए यहाँ गहज गहज डीप फ्रीजर खराब होने से यहां लगातार शव विकृत हो रहे थे और महज कुछ घंटों में ही शव यहचानने योग्य नहीं रहते थे और बदबू भी आने लगती थी। गुरुवार को सदर विधायक मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने इस मामले को गंभीरता से उठाया और उन्होंने हजारीबाग की उपायुक्त नैसी सहाय को ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। विधायक मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने डीसी को ट्वीट करते हुए लिखा कि एचएमसीएच के पोस्टमार्टम रूम में रखा गया मोर्चरी का डीप फ्रिजर काम नहीं कर रहा है। जिससे प्रचंड गर्मी में शव को उचित सम्मान नहीं मिल पा



रहा है। महज 13 घंटे रखे एक शव से बदबू आने लगी। शवों के सम्मान में मोर्चरी के फ्रीजर को चालू कराकर तत्काल इसे सुचारू करने की मांग उन्होंने की। रंजन चौधरी के ट्वीट को हजारीबाग उपायुक्त नैसी सहाय ने लागू किया और उन्हें जवाब देते हुए लिखा कि विधिगत मामलों को संज्ञान में लेकर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए एचएमसीएच प्रशासन भी हरकत में आया और अपने तकनीकी टीम को तत्काल इसे ठीक कराने के लिए लगाया। इससे पहले कुछ दिन पूर्व ही ऑक्सीजन नहीं मिलने से तड़पती एक महिला के दर्द को विधायक मीडिया प्रतिनिधि रंजन

चौधरी ने सामने लाया था और इससे भी हजारीबाग उपायुक्त को ट्वीट के माध्यम से अवगत कराया था। तब भी उपायुक्त के द्वारा इसे गंभीरता से लिया गया था और तत्काल बाधित ऑक्सीजन सप्लाई को सुचारू कराकर हर वार्ड में 5 ऑक्सीजन सिलेंडर धरा हुआ और दो ऑक्सीजन कंसट्रटर रखा सुनिश्चित किया गया। विधायक मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने एक बार फिर एचएमसीएच के मामले को गंभीरता से लेते हुए संज्ञान लेने हेतु उपायुक्त नैसी सहाय के प्रति आभार जताया और उन्हें धन्यवाद दिया। रंजन चौधरी ने बताया कि मेडिकल कॉलेज अस्पताल में साधन- संसाधन की कोई कमी नहीं है लेकिन प्रबंधकीय लापरवाही के कारण मरीजों को इसका संपूर्ण लाभ नहीं मिल पाता है। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन से मानवता के हित में संवेदनशील होकर जहजित में कार्य करने का आग्रह किया साथ ही इन मामलों के दोषियों को चिन्हित कर उनपर कड़ी कार्रवाई करने की भी मांग की।

बिष्णुगढ़ में डीलर बांट रहा सड़ा हुआ चावल



बिष्णुगढ़। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के तहत मिल रहे खाद्यान्न कि क्वालिटी बेहद खराब है। कई महिनों से हरा राशन कार्ड धारकों को चावल नहीं दिया जा रहा था, जिसको अब मिनरल, कार्बोहाइड्रेट, वसा, प्रोटीन युक्त चावल बता कर सड़े चावल बांटे जा रहें हैं। वहीं लोगों को मिलने वाला गेहूं भी मिलावट के दिए जाते हैं। गेहूं में टूटे चावल, डस्ट, अन्य कई तरह के पदार्थ मिला होता है। लाभुकों को इस्तेमाल में लाने तक तकरीबन एक से आधा किलो वूं ही बेकार हो रहा है। डीलर का कहना है कि प्रखंड से ही इसी तरह का माल मिलता है तो हम क्या करें। यहां तक मेरा ही नुकसान है। लोगों द्वारा बेवजह हल्ला किया जाता है।

जल्द आग पर काबू पा लिया जायेगा : सांसद

भुरकुंडा रेलवे साइडिंग के कोयला स्टॉक में लगी आग का जयंत सिन्हा ने किया निरीक्षण, दिया आशवासन

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा रेलवे साइडिंग के कोयला स्टॉक में लगी आग का युक्वार की देर शाम हजारीबाग सांसद जयंत सिन्हा ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सांसद ने ग्रामीणों की समस्या भी सुनी। ग्रामीणों ने सांसद के कहा कि कोयला में आग लगने से आस पास के ग्रामीण धूल-गर्दा के प्रदूषण से काफी परेशान हैं। मोके पर सांसद जयंत सिन्हा ने कहा कि आग और धूल-धुंए पर काबू पाने के लिए रेल प्रशासन और



जिला प्रशासन से मिलकर जल्द इसका समाधान करायेंगे। सांसद ने डीआरएम से फोन पर वार्ता की। डीआरएम ने सांसद से कहा कि एक दिन में आग पर काबू पा लिया जाएगा। इधर सांसद ने लोगों से कहा कि मामला गंभीर है। डीआरएम से बात हो गई है। जल्द ही आग पर काबू पा लिया जायेगा। इधर कोयला में लगी आग को बुझाने में चार दमकल की गाड़ियां लगी है। साथ ही साइडिंग के लोग कोयला को युद्ध स्तर पर दूसरे

जगह पर शिफ्ट करने में लगे हैं। इससे पूर्व भाजपा भदानीनगर मंडल उपाध्यक्ष अनूप ठाकुर के नेतृत्व में हनुमान मंदिर के समीप सांसद जयंत सिन्हा का जोरदार स्वागत किया गया। मौके सांसद प्रतिनिधि सुमन सिंह व जगतार सिंह, भुरकुंडा मंडल अध्यक्ष सतीश मोहन मिश्रा, भदानीनगर मंडल उपाध्यक्ष अनूप ठाकुर, महामंत्री सागर दांगी, नितेश ओझा, रियाज, मुन्ना ओझा, प्रदीप बेदिया, श्याम महतो सहित दर्जनों भाजपाई मौजूद थे।

मजदूरों के हित से समझौता नहीं : नरेश मंडल

41 मुदों को लेकर एटक ने की बैठक

भुरकुंडा (रामगढ़)। यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन (एटक) भुरकुंडा कोलियरी शाखा के साथ शुक्रवार को भुरकुंडा कोलियरी प्रबंधन के साथ 41 मुद्दों को ले एजेंडा बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता भुरकुंडा पीओ मनोज पाठक ने की। बैठक में मुख्य रूप से कोल फेडरेशन एवं झारखण्ड राज्य एटक के केंद्रीय सचिव सह जेसीएससी सदस्य नरेश मंडल, सीसीएल सेप्टी बीई सदस्य विकास कुमार, शाखा सचिव लखेन्द्र राय, केंद्रीय कार्यकारणी सदस्य अनुज कुमार उपस्थित थे। मौके पर केंद्रीय सचिव नरेश मंडल ने कहा कि कर्मचारियों और मजदूरों का हित सर्वोपरि है। इससे कोई समझौता नहीं किया जा सकता। बैठक में 41 मुद्दे भुरकुंडा कोलियरी को विधिवत चालू करने, सेवानिवृत्त कर्मचारियों को समय पर ग्रेज्युटी, सीएमपीएफ एवं पेंशन भुगतान करने, कोलियरी स्तर की पीसीसी वेलफेयर



हाउसिंग आदि समितियों की बैठक नियमित रूप से कर उसे सक्रिय कर उसका लाभ आमजन तक पहुंचाने, कर्मचारियों के आवासों की पेयजल व्यवस्था, आवास मरम्मत कराने, कर्मचारियों को समय पर पवोनित देने, श्रमिक क्लब निर्माण करने, मयूर स्टैडियम का सुंदरीकरण व लाइट की समुचित व्यवस्था करने, भुरकुंडा कोलियरी के सभी कलोनियों की सड़को की मरम्मत, नाली और छाई सफाई,

अतिक्रमण करने वाले नौ लोगों को नोटिस

चर्ही के उंटमरवा कस्तुरबा गांधी आवासीय विद्यालय की सरकारी भूमि जिसका खाता संख्या 48 प्लॉट नंबर 603 रकबा 6.28 एकड़ को कई लोगों ने अतिक्रमण कर मकान बना लिए हैं। विद्यालय को अतिक्रमण करने वाले लोगों को पहचान किया गया। इसके बाद एक रिपोर्ट तैयार कर 9 लोगों में से चरही निवासी कारा ठाकुर, महेश ठाकुर, बैजू ठाकुर नरेश ठाकुर, राजू ठाकुर, राजू ठाकुर पिता स्व.मुंशी ठाकुर, विक्रम ठाकुर पिता स्व.धूप नारायण ठाकुर, राजू करमाली पिता स्व.फूली करमाली और महेश ठाकुर के विरुद्ध नोटिस जारी किया गया। अंचल कार्यालय के द्वारा जमिन से संबंधित अतिक्रमणकारियों से कागजातों की मांग की गई है।

एक नजर में

बरही में कांग्रेस ने बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि

बरही। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने प्रखण्ड कांग्रेस कार्यालय में भगवान बिरसा मुंडा के पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता व संचालन पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल मनान वारसी ने किया। विधायक उमाशंकर अकेला ने कहा कि बिरसा मुंडा को आदिवासियों का भगवान माना जाता है। झारखंड, बिहार, छत्तिसगढ़, पश्चिम बंगाल राज्य के आदिवासी इलाकों में इनकी पूजा भी जाती है। भारत के लिए आजादी के लड़ाई हो या आपने जनजातीय भाइयों के लिए अंग्रजों के खिलाफ बिरसा मुंडा का महत्पूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने अपने लोगों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाया ताकि वे अपने अधिकार के लिए लड़ सकें। कहा कि भगवान बिरसा को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब झारखंड एवं संस्कृति को बचाए रखने में हमलोग योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा यहां के आदिवासी योद्धा थे। मौके पर कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष डॉ निजामुद्दीन अंसारी, 20 सूत्री अध्यक्ष इकबाल रजा, विस विधायक प्रतिनिधि छद्दू गोप, प्रखण्ड प्रतिनिधि सुनील साहू, कांग्रेस ओबीसी विभाग जिलाध्यक्ष दीपक गुसा, मो तौकीर रजा, पंसस मो तैयब अंसारी, रंजीत निषाद, मुकेश निषाद, छोटी ठाकुर, असरफ अली, मो बख्तियार, महामंत्री मिथिलेश उपाध्यय, रोहित ठाकुर सहित अन्य कांग्रेसी मौजूद थे।



आजसू ने धरती आबा को किया नमन

हजारीबाग। आजसू के हजारीबाग जिला अध्यक्ष विकास राणा के नेतृत्व में स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुण्डा के शहादत दिवस पर बिरसा चौक, पुराना बस स्टैंड, हजारीबाग स्थित उनकी प्रतिमा पर फूलमाला चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित किया। शहादत दिवस के कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि आजसू पार्टी के हजारीबाग जिला अध्यक्ष विकास राणा उपस्थित हुए। विकास राणा ने कहा बिरसा मुण्डा ने साहस की रसाही से पुरुषार्थ के पुष्पों पर शौर्य की शब्दावली लिखी। बिरसा मुण्डा सही मायने में पराक्रम और सामाजिक जागरण के धरातल पर तत्कालीन युग के एकलव्य और स्वामी विवेकानन्द थे। केन्द्रीय सदस्य विजय वर्मा ने कहा कि झारखण्ड की जनता आज भी टगा हुआ सा महसूस कर रही है आज भी झारखण्ड के लोगों को उनके हक और अधिकार से वंचित रखा गया है। कहा कि बिरसा मुण्डा ने सामाजिक और आर्थिक स्तर पर आदिवासियों में चेतना की चिंगारी सुलगा दी। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में केन्द्रीय सदस्य विजय वर्मा, केन्द्रीय सदस्य आनन्द सिंह, जिला कोषाध्यक्ष अजय कुमार, जिला सचिव विवेक कुमार राणा, नगर अध्यक्ष आफताब आलम, कटकमदाग प्रखण्ड अध्यक्ष अवध किशोर साव, सूरज कुमार सहित अन्य आजसू कार्यकर्ता शामिल थे।



उपायुक्त ने बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि

हजारीबाग। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के 122वीं शहादत दिवस पर उपायुक्त नैसी सहाय ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उपायुक्त ने जल, जीवन, जमीन तथा संस्कृति की रक्षा के लिए उनके बलिदानों को याद करते उन्हें नमन किया।



उप श्रमायुक्त का कार्यालय, हजारीबाग
आवश्यक सूचना
दिनांक 2 जून, 2023 को उड़ीसा राज्य के बालासोर में हुए भीषण रेल दुर्घटना में हजारीबाग जिले के यात्रियों के हताहत होने की आशंका है।
ऐसे में यदि कोई हजारीबाग जिले के प्रवासी मजदूर/व्यक्ति बालासोर, उड़ीसा रेल दुर्घटना में हुए घायल अथवा मृतकों के परिजन प्राक्धानानुसार सुलभ सहायता के निमित्त संचालित राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष दुरभाष सं0 9470132591, 9431336427, 9431336398, 9431336472, 9431336432 अथवा श्रम आयुक्त का कार्यालय, हजारीबाग (7292800971) पर सम्पर्क कर सकते हैं।
श्रम अधीक्षक, हजारीबाग
PR 299662 Labour Employment and Training(23-24)-D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, सिमडेगा।
प्रपत्रक: Email Id- rdsd.simdega@rediffmail.com /सिमडेगा, दिनांक /
शुद्धि पत्र
इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित अल्पकालीन ई० निविदा आमंत्रण सूचना संख्या RDD/SD/SIMDEGA/01/2023-24 (2nd Call) Pr. No. 2885558 Rural Development (23-24):D द्वारा प्राकाशित निविदा जिसका Pr. No. 299481 Rural Development(23-24):D है, के क्रमांक 4 एवं 6 में निम्नांकित आंशिक संशोधन की जाती है:-
क्रमांक-4. ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, सिमडेगा में निविदा शुल्क, अग्रघन की राशि Affidavit एवं Bank Certificate जमा करने की तिथि एवं समय - 22.06.2023 अपराह्न 5:00 बजे तक के स्थान पर जमा करने हेतु जिला नियंत्रण कक्ष रांची एवं जिला नियंत्रण कक्ष, सिमडेगा में दिनांक 22.06.2023 के अपराह्न 5:00 बजे तक पड़ा जाय।
क्रमांक-6. निविदा खोलने की तिथि एवं समय 24.06.2023 अपराह्न 2:00 बजे के स्थान पर 24.06.2023 अपराह्न 2:00 पड़ा जाय।
कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, सिमडेगा।
PR 299601 Rural Development(23-24)D

कार्यालय, जिला भी०बी०डी० पदाधिकारी, रांची
ज्ञापांक...../ रांची, दिनांक...../
अति अल्पकालीन निविदा
रांची शहरी क्षेत्रों में डेगू/विकनगुनिया डोर-टू-डोर सर्विलेस कार्य हेतु स्थानीय स्वयं सेवी संस्थान (NGO) से निविदा दिनांक 15.06.2023 तक जिला भी०बी०डी० कार्यालय, सिविल सर्जन कार्यालय परिसर (जिला यशना कार्यालय), पुरुलिया रोड, रांची में वित्तीय भाग एवं तकनीकी भाग अलग-अलग निबंधित करके से आमंत्रित किया जाता है। यह निविदा दिनांक 16.06.2023 को 03:00 बजे अपराह्न को खोला जाएगा।
शर्तें-
1. स्वयंसेवी संस्थान (NGO) का रजिस्ट्रेशन, बायोलॉजिक का कागजात जमा करेंगे।
2. स्वयंसेवी संस्थान अपना वित्तीय वर्ष 2020-21 एवं 2021-22 का ऑडिट रिपोर्ट संलग्न करेंगे।
3. स्वयंसेवी संस्थान का रजिस्ट्रेशन तीन साल पुराना होना चाहिए।
4. Surveillance Worker का प्रति व्यक्ति/प्रतिदिन कार्य अवधि के अनुसार मजदूरी दर देंगे।
5. 14 Surveillance Worker का नाम, पता, मोबाईल नं० तथा आधार नं० के साथ जमा करेंगे।
6. स्वास्थ्य विभाग में कार्य का Work Experience जमा करेंगे।
7. किसी भी विवाद का निवारण रांची न्यायालय होगा।
जिला भी०बी०डी० पदाधिकारी, रांची
PR.NO.299613 Health Med Edu and Family Welfare(23-24):D

स्पीड न्यूज

वाहन के धके से महिला घायल

गुमला। कामडारा थाना क्षेत्र के लोयंगा के समीप रोड क्रॉस करने के दौरान 70 वर्षीय सीबाती देवी को वाहन ने धक्का मार दिया। जिसे महिला के सर सहित कई अन्य जगहों पर गंभीर चोट लगी है। वही महिला को बेहोशी की हालत में सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां चिकित्सकों की देखरेख में घायल महिला का उपचार जारी है। वही डॉक्टर ने बताया कि घटना में महिला के सर पर गंभीर चोट लगी है और वह बेहोशी की हालत में हैं जिसे देखते हुए रांची रिस्स रेफर किया जा रहा है।

पेड़ से गिरकर ग्रामीण घायल

गुमला। घाघरा थाना क्षेत्र के गोया गांव निवासी 35 वर्षीय जलील खान पेड़ से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना में उसके सीने की कई हड्डियां टूट गई हैं और सर में गंभीर चोट लगी है। घटना के उपरांत तत्काल परिजन नजदीकी उप स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए गुमला सदर अस्पताल रेफर कर दिया। जहां चिकित्सकों की देखरेख में घायल का उपचार कर देर शाम डॉक्टर ने उसकी गंभीर स्थिति में रांची रिस्स रेफर कर दिया। घटना की जानकारी देते हुए परिजन ने बताया कि जलील पैसे से मजदूरी का कार्य करता है और ताड़ के पेड़ में चढ़कर फल तोड़ रहा था। तभी अनियंत्रित होकर लगभग 40 फीट ऊंचाई से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

फांसी लगाकर किया आत्महत्या

गुमला। गुमला थाना क्षेत्र के शास्त्री नगर निवासी 45 वर्षीय सुशील कुमार गुप्ता ने देर रात अपने कमरे में पंखे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना तब हुई जब सुबह परिजन दरवाजा खटखटाने लगे तो अंदर से कोई भी आवाज नहीं आयी। तब जाकर आसपास के लोगों के द्वारा दरवाजा को तोड़कर अंदर देखा तो पंखे में रस्सी के सहारे सुशील फांसी लगा लिया है। जिसके बाद आनन-फानन में परिजन सदर अस्पताल गुमला लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वही घटना की सूचना पर पहुंचे पुलिसकर्मी के द्वारा परिजन से पूछताछ की जा रही है।

नाबालिक ने दुपट्टे के सहारे घर में

फांसी लगाकर की आत्महत्या

गुमला। गुमला थाना क्षेत्र के आजाद बस्ती स्थित चांदनी चौक निवासी जयराम पासवान की 13 वर्षीय नाबालिक पुत्री सनपरी ने दुपट्टा के सहारे शुक्रवार को अपराह्न में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मुदका राजकीय मध्य विद्यालय टंगरा में सातवीं कक्षा की छात्रा थी। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि अपराह्न में भोजन करने के बाद वह अपने कक्ष में चली गई। शाम करीब चार बजे के आस-पास जब दरवाजा खोलने के लिए आवाज लगाया गया तो उसने दरवाजा नहीं खोला। तब देखा गया कि वह कमरे में अपने दुपट्टे के सहारे फांसी लगा ली है। घटना की सूचना गुमला थाना को दी गई। पुलिस घटनास्थल पहुंचकर शव को अपने कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया और मामले को छानबीन में जुट गई है।

विश्व महासागर दिवस पर मात्स्यकी विज्ञान महाविद्यालय में बेबीनार का आयोजन

गुमला। विश्व महासागर दिवस के अवसर पर मात्स्यकी विज्ञान महाविद्यालय गुमला में शुक्रवार को ऑनलाइन बेबीनार का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत महासागर की स्थिति पर कुछ दिन पहले तैयारी की गयी एक डॉक्यूमेंट्री वीडियो द्वारा की गयी। इसके बाद तृतीय वर्षीय छात्रा, शांभवी कुमारी मिश्रा की संक्षिप्त प्रस्तुति हुई। डॉ. स्टेनज़िन गावा ने पूरे कार्यक्रम को संबोधित किया और कार्यक्रम के अतिथि केरल के स्टेम रिस्टर्नस में मत्स्य पोशेवर, उद्यमी और सीईओ श्री अरुण दास थे। श्री अरुण दास ने विश्व महासागर दिवस के विषय पर एक उल्लेखनीय प्रस्तुति दी। उनकी उद्यमशीलता की यात्रा ने सभी प्रतिभागियों को प्रेरित किया है। यह एक अखिल भारतीय प्रयास का एक बड़ा संयोजन था जहां एक आम मुद्दे को हल करने और प्रकाश डालने के लिए उत्तर और दिशाएं भारत के लोग एक ही मंच पर जुड़े थे। अंत में एक बड़ी सामूहिक चर्चा भी हुई। जिसमें तृतीय वर्षीय छात्र शुभा पल्लव भट्ट ने अरल सागर और चिल्का झील के क्षरण का मुद्दा उठाया। सहायक प्राध्यापक डॉ. हफीफ रोशन केटी ने केरल में अष्टमुंडी झील के क्षरण पर भी अपनी बात रखी।

शांति नगर नॉक आउट क्रिकेट प्रतियोगिता में लोहरदगा की टीम ने जमाया कब्जा

गुमला। शहर के शांति नगर में आयोजित शांति नगर नॉक आउट क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैच गुरुवार की रात राहुल फाइटर लोहरदगा व रांची चैलेंजर टीम के बीच खेली गई। जिसमें लोहरदगा की टीम ने रांची को 8 रन से हराकर प्रतियोगिता में अपना कब्जा जमा लिया। विजेता टीम को आयोजन समिति के द्वारा नगद पुरस्कार व शील्ड देकर सम्मानित किया गया। इससे पूर्व जिला प्रशासन व पत्रकार एकादश की टीम के बीच एक प्रदर्शनी मैच खेला गया। जिसमें जिला प्रशासन की टीम ने पत्रकार एकादश की टीम को पराजित कर दिया। इस अवसर पर डीडीसी हेमंत सती ने कहा कि गुमला के युवाओं ने क्रिकेट को जीवित रखा है। यह एक अच्छा प्रयास है। इससे युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिला है। आयोजन समिति के कमल पटान ने कहा कि प्रतियोगिता का आयोजन का उद्देश्य युवाओं को क्रिकेट के प्रति जागरूक करना और उनमें सिखने की ललक पैदा करना है। कार्यक्रम में पूर्व विधायक कमलेश उरांव, भाजपा जिलाध्यक्ष अनूप चंद्र अधिकारी, संजीव कुमार गुप्ता, शिव लाल गंडू, रोहन उरांव, शेखर सिंह, अभिषेक, परमेश्वर साहु, ज्ञान साहु, सोरभ कुमार आदि उपस्थित थे।

30 तक निविदा प्रक्रिया का बहिष्कार करेगा गुमला जिला संवेदक संघ

गुमला। जिला संवेदक संघ गुमला की बैठक शुक्रवार को रौनियार भवन के सभागार में हुई। बैठक में मुख्य रूप से संवेदकों को हो रही भुगतान संबंधी परेशानी एवं विभिन्न बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया। संवेदक संघ ने सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए आगामी होने वाले सभी टेंडर का 30 तक तक बहिष्कार करने का निर्णय लिया। दो जुलाई को पुनः संवेदक संघ का आमसभा बुलाया गया है। जिसमें आगे की रणनीति पर विचार विमर्श किया जाएगा। बैठक में कहा गया कि किसी भी योजनाओं का जांच प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों के द्वारा ना करा कर जिला के विभागीय अभियंताओं से कराये जाने हेतु ज्ञापन दिया जाएगा। इस पर संबंधित विभाग के कार्यालयिक अभियंताओं को लिखित ज्ञापन दिया जाएगा।

भगवान बिरसा मुण्डा की पुण्य तिथि पर जिला प्रशासन ने किया नमन

बिरसा मुंडा ने गुलामी के विरूद्ध राष्ट्र भक्ति की भावना को जागृत की: डीसी

खबर मन्त्र संवाददाता

गुमला। जिला प्रशासन गुमला के द्वारा बिरसा मुण्डा एग्री पार्क गुमला में भगवान बिरसा मुण्डा की आदमकद प्रतिमा के समक्ष श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। उपायुक्त गुमला सुशांत गौरव, उप विकास आयुक्त हेमंत सती, अपर समाहर्ता सुधीर कुमार गुप्ता, सदर अनुमण्डल पदाधिकारी रवि जैन, सहायक समाहर्ता आशीष गंगवार, जिला परिवहन पदाधिकारी विजय सिंह बिरूवा, जिला नगरात उप समाहर्ता सिद्धार्थ शंकर चौधरी, सहित शहर के गणमान्य व्यक्तियों ने भगवान बिरसा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया।



बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि देते अधिकारी

इस अवसर पर उपायुक्त गुमला सुशांत गौरव ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा झारखण्ड सहित पूरे देश

के लिए महान प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने महाजनी प्रथा के विरूद्ध जबरदस्त उलगुलान किया और झारखण्ड वासियों

हाथियों ने तीनों घरों को किया क्षतिग्रस्त

खबर मन्त्र संवाददाता

चैनपुर। चैनपुर मुख्यालय के बेन्दोरा लकड़ा टोली में बीती रात जंगली हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया और तीन लोगों के घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया। हाथियों ने अगुस्तीन मिंज, अजित कुजूर तथा सुधु झोरा के घर को ध्वस्त किया। किसानों ने बताया कि हाथी श्री नगर की ओर से 12:30 बजे आया तथा सर्व प्रथम अगुस्तीन मिंज के घर पर धावा बोल दिया। जहाँ से अगुस्तीन मिंज अपनी जान बचा कर भागा। वहीं से कुछ दूर पर अजित कुजूर के घर की ओर हाथी बढ़ तो ग्रामीणों ने हल्ला कर अजित कुजूर को सतर्क किया तो वो वह परिवार के साथ घर छोड़ कर बाहर निकल गया। घर पर हमला कर अनाज के साथ हाथी ने घर में रखे सारे समान को भी तोड़ फोड़ दिया। जिसके बाद



क्षतिग्रस्त मकान के साथ पीड़ित परिवार व जिप सदस्य

नितिन एकका के घर के पास उनके एक हाथी के भी उठा कर पटक दिया। तत्पश्चात वो सुधु झोरा के घर की ओर गया और उनके घर को भी ध्वस्त कर दिया। ग्रामीण बताते हैं कि जब हाथियों ने धावा बोला उस समय पूरा परिवार घर के लोग अंदर सो रहा था। आवाज

सुनकर सभी किसी तरह अपनी जान बचाकर भागे। घर छतिग्रस्त होने से कई सामान तथा घर में रखे अनाज बर्बाद हो गये। ग्रामीणों की मदद से देर रात हाथी को गांव से जंगल की ओर खदेड़ा गया। ग्रामीणों ने कहा कि वन विभाग जंगली हाथी को क्षेत्र से भगाने को लेकर किसी तरह का कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। जिसे ग्रामीणों ने वन विभाग के प्रति गहरा आक्रोश जाहिर किया। इधर घटना की सूचना मिलते ही जिप सदस्य मेरी लकड़ा घटना स्थल पहुँच कर पीड़ित परिवार को मुआवजा का अश्वासन दिया तथा पूरे घटना क्रम की जानकारी ली।

ग्राम सभा से पारित योजना का अन्यत्र हो रहा है निर्माण कार्यअवैध

रायचडीह। रायचडीह प्रखंड के नवागढ़ पंचायत के वार्ड नंबर 07 में नवागढ़ पतराटोली बाजार टांड में ग्राम सभा द्वारा स्टेडियम से मुख्य मार्ग तक नाली निर्माण का प्रस्ताव पारित किया गया था। जिसके उपरांत पंचायत समिति रायडीह द्वारा नाली निर्माण के लिए फंड स्वीकृत किया गया। लेकिन नाली का निर्माण कार्य नियम का उल्लंघन कर अवैध रूप से लाघुक समिति द्वारा प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय रायडीह के पीछे एवम बाजार टांड की तरफ से बीच से आनंद साहू के घर से किया जा रहा है। जिसमें महत्वपूर्ण बात यह है कि निर्माण कार्य बाजार टांड सीमाना से प्रारंभ ना होकर बीच में आनंद साहू के घर से शुरूआत किया गया है। ग्राम सभा द्वारा स्वीकृत योजना के अनुसार इसे स्टेडियम

के मुख्य मार्ग की ओर बनना चाहिए था। मुहल्ला वासियों के विरोध के बावजूद नाली का निर्माण कार्य किया जा रहा है। ज्ञात हो कि आये दिनों स्टेडियम में समारोह और कार्यक्रम का आयोजन होते रहता है और इस सड़क में नाली के अभाव में गंदे पानी निर्माण के लिए फंड स्वीकृत किया गया। लेकिन नाली का निर्माण कार्य नियम का उल्लंघन कर अवैध रूप से लाघुक समिति द्वारा प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय रायडीह के पीछे एवम बाजार टांड की तरफ से बीच से आनंद साहू के घर से किया जा रहा है। जिसमें महत्वपूर्ण बात यह है कि निर्माण कार्य बाजार टांड सीमाना से प्रारंभ ना होकर बीच में आनंद साहू के घर से शुरूआत किया गया है। ग्राम सभा द्वारा स्वीकृत योजना के अनुसार इसे स्टेडियम

बिरसा मुंडा के आदर्शों पर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि: सुखैर

खबर मंत्र संवाददाता

लोहरदगा। जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की शहादत दिवस सह पुण्यतिथि मनाई गई। जिसमें संख नदी पिकेट स्थित भगवान बिरसा मुंडा के मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित की गई एवं उनके सच्चे शहादत को याद किया गया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष सुखैर भगत ने कहा कि कहा कि बिरसा मुंडा झारखंड के वीर सपूत एवं जननायक थे जिन्होंने देश आजादी व अन्याय शोषण के खिलाफ अंग्रेजों से संघर्ष किया। आज एक बार फिर जल जंगल जमीन की रक्षा के लिए एक और उलगुलान क्रांति की जरूरत है। ने कहा कि बिरसा मुंडा के आदर्शों पर चलना ही उनके लिए सच्ची



श्रद्धांजलि देने पहुंचे कांग्रेसी

श्रद्धांजलि होगी। कार्यकारी अध्यक्ष शकील अहमद ने कहा कि आदिवासियों के महानायक बिरसा मुंडा भारतीय इतिहास में एक ऐसे नायक थे, जिन्होंने अंग्रेजों से संघर्ष किया। आज एक बार फिर जल जंगल जमीन की रक्षा के लिए एक और उलगुलान क्रांति की जरूरत है। ने कहा कि बिरसा मुंडा के आदर्शों पर चलना ही उनके लिए सच्ची

निर्णय जयसवाल ने कहा कि बिरसा मुंडा इतने बड़े जननायक थे इसका अंदाजा आप इसे लगा सकते हैं कि इनके नाम पर राज्य के कई योजनाएं चलते हैं संसद भवन में भी उनकी प्रतिमा स्थित है राज्य वासी हरेक मौके पर बिरसा मुंडा को बड़ी श्रद्धा के साथ याद करते हैं। इस मौके पर जिप अध्यक्ष रीना भगत, निशीथ जायसवाल, समुल अंसारी, विशाल डुंगडुंग, संभू प्रजापति, सीमा परवीन, विनय उरांव, मुस्ताक अहमद, सत्यदेव भगत, विनोद खेरवार, सुभम सहेदेव, मुनव्वर आलम, जीवन लकड़ा, आदि उपस्थित थे।

जनसंघ काल के कार्यकर्ताओं की वजह से बनी बीजेपी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी :सुदर्शन

खबर मंत्र संवाददाता

लोहरदगा। जिला भाजपा नगर कार्यालय अटल भवन में गुरुवार को जनसंघ काल के सक्रिय कार्यकर्ताओं, वरिष्ठ का सम्मान समारोह सह टोफिन बैठक जिला अध्यक्ष मनीर उरांव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप लोहरदगा लोकसभा सांसद सुदर्शन भगत शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत महापुरुषों की चित्रों पर माल्यार्पण दीप प्रज्वलन एवम वंदे मातरम गीत के साथ में शुरुआत की गई मौके पर जनसंघ काल के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। टोफिन बैठक को संबोधित करते हुए



सम्बोधित करते सांसद

सांसद सुदर्शन भगत ने कहा कि आज यदि विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है तो इसका सबसे पहला श्रेय हमारे जनसंघ काल के कार्यकर्ताओं का है यह हम लोग के पार्टी में सदैव एक मार्गदर्शक की भूमिका अदा करते आए हैं। इन्हीं के बलिदान एवं कटिन

परिश्रम का परिणाम है कि आज हमारी पार्टी दो तीन बार केंद्र एवं कई राज्यों में भाजपा का सरकार स्थापित हुई है। आज यदि युवा भाजपा के साथ में कदम से कदम मिलाकर चल रही है तो हमारे वरिष्ठों के द्वारा दिए गए संस्कार अनुशासन की सौख राष्ट्र

और समाज के प्रति अपना दायित्व को बखूबी आगे बढ़ाकर कर निभा रहे हैं। महा जनसंपर्क अभियान के जिला संयोजक राजकिशोर महतो ने कहा कि भाजपा में सदैव सभी कार्यकर्ताओं का सम्मान होता रहा है और कई बार कार्यक्रम करें विशेष रूप से पार्टी

एक नजर में

बिरसा मुंडा युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत : अंचलाधिकारी

घाघरा। बिरसा मुंडा के शहादत दिवस के अवसर पर शुक्रवार को घाघरा प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर प्रखंड प्रशासन के अलावे कई जनप्रतिनिधियों ने माल्यार्पण कर उनके



बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि देती प्रमुख, सीओ व अन्य

शहादत को याद कर नमन किया। इस मौके पर सीओ प्रणव ऋतुराज ने कहा धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। जिस तरह से उन्होंने अपने 25 वर्ष की उम्र में अंग्रेजों से लड़ते हुए देश व समाज के लिए शहीद हो गये। उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ लोगों को एकजुट किया और अपने हक व अधिकार के लिए अंग्रेजों के खिलाफ खड़े हो गये और अंग्रेजों के दांत खट्टे किये। जिस उम्र में युवा अपने युवावस्था की मौज मस्ती में बिताते हैं उस समय को भगवान बिरसा मुंडा ने देश को समाज के लिए अपना जीवन समर्पित किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से बीडीओ शिषुदेव कच्छप, सीओ प्रणव ऋतुराज, प्रमुख सचिवा देवी, कृष्णा लोहरा, भोला पंडित, विनोदानंद पाठक व शंकर साहू सहित कई लोग मौजूद थे।

बिरसा मुंडा ने उलगुलान कर आदिवासी समाज में समाजिक व राजनीतिक चेतना जगृत की: चैत उरांव

गुमला। भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर शुक्रवार को जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चैत उरांव के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने बिरसा मुंडा एग्री पार्क स्थित बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मौके पर चैत उरांव ने कहा कि भारतीय इतिहास में बिरसा मुंडा एक ऐसे नायक थे जिन्होंने झारखंड में अपने क्रांतिकारी चिंतन से उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में आदिवासी समाज की दशा और दिशा बदलकर नवीन सामाजिक और राजनीतिक युग का सूत्रपात किया था। काले कानूनों को चुनौती देकर बर्बर ब्रिटिश साम्राज्य को सांसत में डाल दिया था। 15 नवंबर को झारखंड के आदिवासी दम्पति सुगना और करमी के घर जन्मे बिरसा मुंडा साहस की रसाही से पुण्यार्थ थे। बिरसा मुंडा ने महसूस किया कि आचरण के धरातल पर आदिवासी समाज अंधविश्वासों की आधियों में तिनके सा उड़ रहा है तथा आस्था के मामले में भटका हुआ है। उन्होंने यह भी अनुभव किया कि सामाजिक कुरीतियों के कोहरे ने आदिवासी समाज को ज्ञान के प्रकाश से वंचित कर दिया है। भारतीय जमींदारों और जागीरदारों तथा ब्रिटिश शासकों के शोषण की भट्टी में आदिवासी समाज झुलस रहा था। बिरसा मुंडा ने आदिवासियों को शोषण की यातना से मुक्ति दिलाने के लिए उन्हें तीन स्तरों पर संगठित करना आवश्यक समझा। पहला तो सामाजिक स्तर पर ताकि आदिवासी-समाज अंधविश्वासों और ढकोसलों के चंगुल से छूट कर पाखंड के पिंजरे से बाहर आ सके। इसके लिए उन्होंने ने आदिवासियों को स्वच्छता का संस्कार सिखाया। शिक्षा का महत्व समझाया। सामाजिक स्तर पर आदिवासियों के इस जागरण से जमींदार-जागीरदार और तत्कालीन ब्रिटिश शासन तो बौखलाया ही, पाखंडी झाड़ू-फूंक करने वालों की दुकानदारी भी टप हो गई।

स्वनिधि समृद्धि मेला का किया गया आयोजन 71 फुटपाथ विक्रेताओं को दिया गया बिना गारंटी ऋण योजना का लाभ

खबर मन्त्र संवाददाता

गुमला। नगर परिषद के प्रशासक संजय कुमार के निर्देश पर पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शुक्रवार को नगर भवन में स्वनिधि समृद्धि मेला का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत शहर के फुटपाथ विक्रेताओं को उनके रोजगार को बढ़ावा देने हेतु बिना गारंटी नगर परिषद के समन्वयात्मक सहयोग से विभिन्न बैंकों द्वारा उनकी मांग के अनुरूप ऋण प्रदान किया जाता है। उक्त ऋण की राशि दीनदयाल अंत्योदय योजना शहरी आजीविका मिशन के



मेला का शुभारंभ करते अतिथि

तहत दी गयी। पिछले दिनों चलाए गए अभियान के क्रम में शहर के कुल 30 फुटपाथ विक्रेताओं के खाते में उनके स्वीकृत ऋण की राशि को हस्तांतरित किया गया। इस पर नगर परिषद की ओर से बैंक ऑफ बड़ौदा के गुमला शाखा के

विक्रेताओं के ऋण आवेदनों पर स्वीकृति प्रदान की गई। इनमें से तीन आवेदन 50,000 ऋण राशि के, 12 आवेदन 20,000 ऋण के जबकि 26 आवेदन 10,000 ऋण के थे। ऋण की राशि 2 से 3 दिनों के अंदर उनके खाते में हस्तांतरित की जानी है। उपरोक्त के अलावा 20 नये फुटपाथ विक्रेताओं ने ऋण हेतु शिविर में ऑफलाइन आवेदन जमा कराया। इन 41 ऋण स्वीकृतियों में 6 स्वीकृतियां बैंक ऑफ बड़ौदा, 3 इंडियन ओवरसीज बैंक, 4 इंडियन बैंक, 9 बैंक ऑफ इंडिया, 15 यूनियन बैंक तथा 4 आंध्र बैंक के शामिल हैं।

जिला नियोजनालय

कार्यालय परिसर में

आयोजित हुआ भर्ती कैंप

लोहरदगा। श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड के निदेश पर शुक्रवार को जिला नियोजनालय कार्यालय, लोहरदगा परिसर में एक दिवसीय मिनी रोजगार मेला का आयोजन किया गया। इस भर्ती कैंप में चार निजी कंपनियों द्वारा अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया गया जिसमें एडुवॉटिज प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली द्वारा ट्रेनी पद के लिए 14 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया गया और सभी का अंतिम रूप से चयन किया गया। वीएसएस एंटरप्राइजेज गुरुग्राम कंपनी के द्वारा तीन अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया गया।

भाजपाइयों ने बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

लोहरदगा। धरती आबा बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर जिले में लोगों ने उन्हें याद किया। भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष मनीर उरांव के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने शंख नदी लोहरदगा स्थित धरती आबा बिरसा मुंडा की प्रतिमा में माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया इस मौके पर कहा गया की बिरसा मुंडा जी का जन्म 15 नवंबर 1875 ईस्वी को हुआ था। 8 फरवरी 1900को अंग्रेज अधिकारी जेपी हैवेट ने ब्रिटेन में विदेश मंत्री (भारत के प्रभार में) सर अर्थर गोडले को पत्र लिखा कि छोटानागपुर में मुंडा लीडर बिरसा मुंडा एवं उनके सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। 9 जुन 1900 इसवी को रांची जेल में बिरसा मुंडा 25 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली थी इतनी कम उम्र में ही बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों के खिलाफ जो उलगुलान किया था उससे अंग्रेज भयभीत रहते थे। 15 नवंबर को बिरसा मुंडा के जयंती के अवसर पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने उनके जन्मदिन पर जनजाति गौरव दिवस के रूप में राष्ट्रीय छुट्टी घोषित किया गया। बिरसा मुंडा जी के बलिदान दिवस पर माल्यार्पण करने वालों में राष्ट्रीय मंत्री सह रांची नगर निगम के पूर्व मेयर आशा लकड़ा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य ओम सिंह, राजकिशोर महतो, प्रवीण सिंह, राजकुमार वर्मा, अनिल उरांव, जाननंदन पौराणिक, लखन उरांव, ओम प्रकाश गुप्ता, बुजुनंदन यादव, मंगल यादव, निधि कांत प्रसाद एवं नासिर आलम आदि शामिल थे।

अपने वरिष्ठ को सम्मान देती आई है। इसी क्रम में पार्टी के द्वारा निर्धारित 1 महीने के कार्यक्रम में हमें भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का आज पुनः टोफिन बैठक कर उनका सम्मान एवं उनके द्वारा पार्टी को और मजबूत बनाने के लिए एह्रण का श्रेय देना। जिला अध्यक्ष मनीर उरांव ने कहा कि हमें पार्टी को और मजबूती प्रदान करने के लिए हर एक कार्यकर्ताओं का सम्मान एवं उनके सुझाव रचनी। भगत कार्यक्रम बहुत ही अति महत्वपूर्ण इसलिए है क्योंकि इन्हीं के मेहनत से पार्टी शून्य से सत्ता तक का सफर तय किया है। आज मोदी जी का नेतृत्व सभी सपनों को साकार कर रहे हैं और आज भी विश्व कई धामक विषयों को लेकर समाज में जा रहे उससे निपटने के लिए तैयार रहना

हो इसमें वरिष्ठों के मार्गदर्शन जरूरी है। कार्यक्रम का संचालन नगर अध्यक्ष अमरेश भारती ने की।धन्यवाद ज्ञापन टोफिन बैठक के संयोजक विनोद राय ने की। कार्यक्रम में भाजपा कार्यसमिति सदस्य ओमप्रकाश सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष मदन मोहन पाठक, रakesh प्रसाद, चंद्रशेखर अग्रवाल ,अशोक खत्री, परमेश्वर साहू, रामोतार बर्मन, उमेश कास्यकार, राजेश महतो ,अशोक चंद्र घोष, अनिल गुप्ता, अजय कुमार पंकज, अनिल पांडे,अजय मित्तल, देवाशोष कार,संजय बर्मन, बनारसी प्रसाद, कृष्णा महतो, गया प्रसाद, जुगल किशोर महतो, बासु दाता, कर रहे हैं और आज भी विश्व कई धामक विषयों को लेकर समाज में जा रहे उससे निपटने के लिए तैयार रहना





भाजपा युवा मोर्चा धनबाद की जिला कमेटी घोषित

सिंदरी। भारतीय जनता पार्टी के 31 मई से 30 जून तक चलनेवाले महाजनसंपर्क अभियान के लिए भाजपा युवा मोर्चा धनबाद ग्रामीण जिला की टोली घोषित की गई है। इसमें सूचीबद्ध तरीके से विभिन्न कार्यक्रमों का प्रभार सौंपा गया है। टोली में युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सुनील कुमार को जिला प्रभारी बनाया गया है। जिला मीडिया प्रभारी राजेश चौधरी को कार्यक्रमों के लिए निष्ठा सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। वहीं सपन पंडित को भी जिला सह प्रभारी बनाया गया है। वहीं तीन विधानसभाओं के लिए भी प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। इनमें युवा मोर्चा जिला महामंत्री गुड्डू सिंह को निरसा विधानसभा क्षेत्र जिला मंत्री अरविंद सिंह को सिंदरी विधानसभा व जिला सह कोषाध्यक्ष मंजीत तिवारी को टुंडी विधानसभा का प्रभार सौंपा गया है।

होलिडिंग टैक्स बकायेदारों के खिलाफ नोटिस जारी
चिरकुंडा। चिरकुंडा नगर परिषद में होलिडिंग टैक्स बकाएदारों की अब खैर नहीं है। विभाग द्वारा बकाएदारों के खिलाफ नोटिस जारी कर जल्द होलिडिंग टैक्स जमा करने को कहा गया है नहीं तो विभाग द्वारा कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए सिटी मैनेजर मुकेश निरंजन व रिक्तिका कंपनी के राजीव कुमार ने कहा कि कुल 83 लोगों के विरुद्ध नगर परिषद होलिडिंग टैक्स को लेकर नोटिस जारी किया था जिनपर विभाग का 23 लाख रु बकाया है होलिडिंग टैक्स के 83 बकाएदारों में से अभी तक केवल 5 बकाएदारों ने अपने होलिडिंग टैक्स जमा किए हैं नोटिस जारी होने के बावजूद अभी तक 78 लोगों ने बकाए को जमा नहीं किया है इन 78 बकाएदारों पर विभाग का करीब 22 लाख रु बकाया है इन्होंने बताया कि कुल 10500 व्यवसाय व आवासीय नागरिकों द्वारा होलिडिंग टैक्स जमा किया जाता है जिससे विभाग को करीब एक साल में एक करोड़ रुपया राजस्व का लाभ होता है।

बुनियादी साक्षरता पर कार्यशाला का आयोजन धनबाद
दिनांक 8 जून 2023 को जिला स्कूल धनबाद में निपुण भारत मिशन, झारखंड के तहत बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान पर जिला स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ जिला शिक्षा पदाधिकारी भूतनाथ उरवार ने दी प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी वी पुन रजवार ने कहा की आज की कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आप शिक्षकों के सहयोग से हमारे छात्र-छात्राओं में बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान को रूचिकर तरीकों से विकसित करते हुए गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। छात्र छात्राओं के प्रारंभिक कक्षाओं से ही यदि हम उनमें सीखने की प्रवृत्ति विकसित कर देते हैं तो उनकी आगे की शिक्षा सुगम हो जायेगी।

सम्मेलन को लेकर टुंडी में भाजपा की बैठक

राजगंज। भाजपा ओबीसी मोर्चा ग्रामीण जिला अध्यक्ष महादेव कुंभकार की अध्यक्षता में राजगंज मंडल की एक बैठक राजगंज के शिव मंदिर परिसर में की गई जिसमें महा जनसंपर्क अभियान के निमित्त देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 9 वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के उपलक्ष में पूर्वी टुंडी में 14 जून को होने वाले टुंडी विधानसभा संयुक्त मोर्चा सम्मेलन में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की योजना बनाई गई। सभी मोर्चा अध्यक्ष को अपनी पूरी टीम के साथ कार्यक्रम में पहुंचने और कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी सहभागिता निभाने को कहा गया है। इस बैठक में मुख्य रूप से राजगंज भाजपा मंडल अध्यक्ष रंजीत सिंह, प्रभारी धनश्याम आनंद, सुदाम चंद्र अहड़ी, तालेश्वर साव, शंकर चंद्र देव, पप्पू साव, लखीचंद्र रजवार, अजय साहनी, मानिक चंद्र महतो, हेमलाल पंडित, अनूप कुमार साव, अजय राम आदि लोग उपस्थित थे।

राज्यपाल ने सुरंगाही टोला के स्थानीय ग्रामीणों से किया संवाद, परिसंपत्तियों का किया वितरण

आदिम जनजाति को हर हाल में वाजिब हक मिलेगा : सीपी राधाकृष्णन

बीरेंद्र यादव

रामगढ़ पलामू। झारखंड के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने पलामू जिलांतर्गत रामगढ़ प्रखंड के नावाडीह पंचायत भवन में सुरंगाही टोला के ग्रामीणों के साथ संवाद स्थापित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन महामहिम गवर्नर सीपी राधाकृष्णन, डीआईजी राजकुमार लकड़ा, डीसी ए दोडे, एसपी चंदन कुमार सिन्हा, मुखिया दयानंद प्रसाद, उप मुखिया ललन यादव, परसस पिंकी सोरेन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर राज्यपाल ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। कार्यक्रम में राज्यपाल राधाकृष्णन ने कहा कि जब तक आदिम जनजाति का विकास नहीं होगा, राज्य का विकास नहीं होगा। उन्होंने कहा कि पलामू प्रमंडल आने से पूर्व स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता सचिव तथा उच्च एवं



तकनीकी शिक्षा सचिव के साथ समीक्षा की थी। विद्यालय में शिक्षकों एवं अस्पताल में चिकित्सकों की कमी व अनुपस्थिति पर संज्ञान लेते हुए उन्होंने कहा कि राज्य के सभी विद्यालयों में बायोमेट्रिक उपस्थिति के साथ अस्पताल में चिकित्सकों व चिकित्साकर्मियों की भी बायोमेट्रिक प्रणाली से उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया ताकि कार्य न करने पर वेतन न मिले। उक्त अवसर पर राज्यपाल द्वारा आदिम जनजाति पेंशन

योजना, विधवा पेंशन योजना की स्वीकृत पत्र लाभुकों को प्रदान किया। साथ में ही बिरसा आवास योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, दीदी बाड़ी योजना, सावित्रीबाई फुले योजना एवं अन्य योजनाओं का लाभ लाभुकों को दिया गया। मौके पर पलामू जेन के आईजी राजकुमार लकड़ा, सदर अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार साह, रामगढ़ के प्रखंड विकास पदाधिकारी पार्थ नंदन, नजारत उपसमाहता शैलेश कुमार सिंह



सहित अन्य पदाधिकारी तथा मुखिया दयानंद प्रसाद, पंचायत समिति सदस्य पिंकी सुनि, उप मुखिया ललन यादव, कोशल्या देवी, संजय सोरेन, लालधनी तुरी आदि जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

जनजाति को वन पट्टा देने, ज्योति सुरेन ने कहा कि पीवीटीजी को समय पर चावल, चीनी दिलाने, प्राथमिक विद्यालय में पढ़ाई कराने और नावाडीह का वर्षों से बंद पड़ा हॉस्पिटल खुलवाने की मांग की। राकेश उरांव ने कहा कि आदिम जनजाति को जाति और स्थानीय बनवाने में परेशानी होती है। उन्होंने राज्यपाल से जाति व स्थानीय बनवाने की मांग की। विनेश राम ने 10 + टू इंटर कॉलेज और ट्रेनिंग कॉलेज की मांग की।

दुग्दा बस्ती में अधेड़ को मारी गोली

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। दुग्दा थाना क्षेत्र के दुग्दा बस्ती में गोली चलने की यह दूसरी घटना है। 1 वर्ष पूर्व 16 मई 2022 को रंजीत सिंह नामक युवक पर अज्ञात अपराधियों द्वारा गोली मारने की घटना घटी थी पर इसमें रंजीत सिंह की जान बच गई थी, एक बार फिर दुग्दा बस्ती के जेएमएम नेता अब्बास खान नामक युवक को अज्ञात अपराधियों द्वारा गुरुवार की रात्रि ललाभग सवा 10 बजे आवास जाने के क्रम में बंदी रवानी के घर के सामने अज्ञात

अपराधियों ने गोली मारी। गोली की आवाज सुन आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचने लगे जिसे देख नकाबपोश अपराधी फरार हो गए। कुल 3 राउंड गोली मार अब्बास खान को दो गोली लगी है। एक दाहिने कंधे पर और दूसरी पेट पर। जिसे स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से दुग्दा थाना प्रभारी कन्हैया राम ने तत्काल बोकरो जनरल अस्पताल ले गए। जिसे बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया गया। जहां अब्बास खान की इलाज चल रही है। पर स्थिति अभी

भी नाजुक बनी हुई है। इस गोलीकांड की घटना से पुलिस तेजी से कार्रवाई कर रही है। वैसे अब्बास खान एक सीधा साधा सरल स्वभाव के सामाजिक। व मिलनसार व्यक्ति हैं। यह दुग्दा बस्ती में अकेले रहा करते हैं। इनके दो बेटे एवं दो बेटियां मां के साथ बिशुन गढ़ में रहती हैं। साधारण किस्म का व्यक्ति अब्बास खान के पास चलने के लिए मोटरसाइकिल तक नहीं है। ऐसे साधारण व्यक्ति को गोली मारना बहुत ही आश्चर्य की बातें हैं।

पीडीएस संचालक के खिलाफ बाघमारा बीडीओ से शिकायत

खबर मन्त्र संवाददाता

महुदा। ग्राम पंचायत तारगा के पंचायत समिति सदस्य राजदेव रवानी बाघमारा प्रखंड विकास पदाधिकारी सुनील कुमार प्रजापति को आवेदन देते हुए पीडीएस डीलर जयंत कुमार के ऊपर कार्ड धारियों को राशन नहीं देने का आरोप लगाया है। आवेदन के माध्यम से उन्होंने बताया कि जयंत कुमार के द्वारा पंचायत के लाभुकों का फिंगर प्रिंट बायोमेट्रिक द्वारा लेकर आज आइए कल आइए कह कर टाल दिया जाता है। और राशन गायब कर दिया जाता है। कभी-कभी बायोमेट्रिक फिंगर लेने हेतु लाभुक कार्ड धारियों को



अपना मेडिकल नालागढ़ मोड बुलाता है। समय पर दुकान नहीं खोलता है, शिकायत करने पर बोलता है जहां जाना है जिससे शिकायत करना है कर दो। वहीं आवेदन प्राप्त होने के बाद प्रखंड विकास पदाधिकारी ने आश्वासन देते हुए कहा कि सभी लाभुकों का कार्ड ट्रांसफर कर दिया जाएगा एवं पीडीएस संचालक जयंत कुमार के ऊपर यथाशीघ्र कार्रवाई की जाएगी।

आइआइटी आइएसएम के एचओडी डीसी से मिले जल संरक्षण के लिए वैज्ञानिक योजना विकसित करने पर की चर्चा

खबर मन्त्र संवाददाता

धनबाद। जिले में जल संरक्षण के लिए एक विस्तृत वैज्ञानिक योजना विकसित करने के लिए आईआईटी आईएसएम के एचओडी पर्यावरण डॉ. अंशुमाली ने संस्थान के 2 अन्य सहयोगियों के साथ उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी संदीप सिंह तथा उप विकास आयुक्त शशि प्रकाश सिंह से उपायुक्त के कार्यालय कक्ष में मुलाकात की। उपायुक्त तथा उप विकास आयुक्त ने आईआईटी आईआईएम को जल शक्ति अभियान में एक तकनीकी भागीदार के रूप में इसके उद्देश्य और आईआईटी आईएसएम से जिला प्रशासन की अपेक्षाओं को साझा किया। मुलाकात के दौरान डॉ.



अंशुमाली ने धनबाद और आसपास के जिलों में जल संरक्षण से संबंधित अपने कार्यों के बारे में एक प्रस्तुति दी। उपायुक्त ने उन्हें जुलाई के अंत तक प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा। जिसमें प्रशासन से आवश्यक सहायता और धनबाद के लोगों को वैकल्पिक स्रोत प्रदान करके अधिकतम जल संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रिया अपनाई जा

सके। इसके लिए डीपीआर और परियोजनाओं के लिए डीएमएफटी के माध्यम से फंडिंग की जाएगी। बैठक में उपायुक्त संदीप सिंह, उप विकास आयुक्त शशि प्रकाश सिंह, आईआईटी आईएसएम के एचओडी पर्यावरण डॉ. अंशुमाली, जिला योजना पदाधिकारी महेश भगत, डीएमएफटी से रश्मि, पीएचईडी एक व दो के कार्यपालक अभियंता व अन्य लोग मौजूद थे।

बेरमो : कारीपारी के ग्रामीण चुआं का पानी पीने को विवश

● गांव बन गये शहर, नहीं बदली लोगों दी दशा

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। फुसरो नगर परिषद क्षेत्र के कारीपानी के लोग कई सालो के जल संकट से निजात दिलाए। इस भीषण गर्मी में झारखंड के कई इलाकों में पीने के पानी की किल्लत हो गई है। फुसरो नगर परिषद के कारीपानी की सूरत आज तक नहीं बदली है। इस गर्मी में कारीपानी के लोग चुआं का पानी पीने को मजबूर हैं सुबह होते ही यहां की महिलाएं और बच्चे पानी के जुगाड़ में लग

ते को देखा है और ना ही विधायक को देखे हैं। सिर्फ चुनाव के समय आते हैं। कहा की उनसे निवेदन है कि हमलोगों को इस पानी के विकट संकट से निजात दिलाए। इस भीषण गर्मी में झारखंड के कई इलाकों में पीने के पानी की किल्लत हो गई है। फुसरो नगर परिषद के कारीपानी की सूरत आज तक नहीं बदली है। इस गर्मी में कारीपानी के लोग चुआं का पानी पीने को मजबूर हैं सुबह होते ही यहां की महिलाएं और बच्चे पानी के जुगाड़ में लग

ते को देखा है और ना ही विधायक को देखे हैं। सिर्फ चुनाव के समय आते हैं। कहा की उनसे निवेदन है कि हमलोगों को इस पानी के विकट संकट से निजात दिलाए। इस भीषण गर्मी में झारखंड के कई इलाकों में पीने के पानी की किल्लत हो गई है। फुसरो नगर परिषद के कारीपानी की सूरत आज तक नहीं बदली है। इस गर्मी में कारीपानी के लोग चुआं का पानी पीने को मजबूर हैं सुबह होते ही यहां की महिलाएं और बच्चे पानी के जुगाड़ में लग



जाते हैं। भले ही यह क्षेत्र विकसित होकर पंचायत से नगर परिषद बन गया हो मगर यहां के लोगों को

मौलिक मुलभूत सुविधा भी मुअस्सर नहीं सबसे बड़ा सवाल आखिर जिम्मेदार कौन।

राज्यपाल ने बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण
मैदिनीनगर। पलामू दौरे पर आये झारखंड के राज्यपाल सी०पी० राधाकृष्णन ने शुक्रवार को परती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किया। मौके पर राज्यपाल ने भगवान बिरसा के आदर्शों को अपनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा ने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। पुण्यतिथि पर पलामू जेन के आईजी राजकुमार लकड़ा, उपायुक्त अजयसुलु दोड्डे, पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा, उप विकास आयुक्त रवि आनंद सहित अन्य पदाधिकारियों ने माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया।

राज्यपाल राधाकृष्णन ने दो लाभुकों को दिया चेक

मैदिनीनगर। झारखंड के महामहिम राज्यपाल सी०पी० राधाकृष्णन पलामू के परिसदन में सुनीता कुमारी, पति स्व० गोविंद कुमार सिंह एवं उर्मिला देवी, पति स्व० श्यामदेव सिंह को अपने विवेकाधीन अनुदान मद से 1-1 लाख का चेक एवं विधवा सम्मान पेंशन योजना का लाभ प्रदान किया। साथ ही सुनीता कुमारी को बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर आवास योजना का लाभ प्रदान किया। ज्ञात हो कि उर्मिला देवी को इस आवास योजना को पूर्व में ही लाभ प्राप्त है। मौके पर राज्यपाल ने उक्त अवसर पर उपायुक्त से कहा कि उनके आजीविका, इनके बच्चों की शिक्षा, बालिका की विवाह हेतु सरकार द्वारा संचालित अन्य योजनाओं के तहत लाभ से आच्छादित किया जाय।

एक नजर में

हत्या के दोषी को आठ-आठ वर्ष सश्रम कारावास

कोडरमा। गैर इरादतन हत्या के मामले में चार लोगों को आठ-आठ वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनायी गयी है। सत्रवादा 87/14, जयनगर थाना कांड संख्या 158/13 की सुनवाई करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय अजय कुमार सिंह की अदालत ने शुक्रवार को कांड के अभियुक्त 28 वर्षीय अनिल यादव पिता किशन यादव, 28 वर्षीय सुशील यादव पिता किशन यादव, 26 वर्षीय रीना देवी पति अनिल यादव एवं प्रमिला देवी पति दिलीप यादव सभी जयनगर निवासी को सेशन 304 पार्ट 2 आईपीसी के तहत दोषी पाते हुए आठ वर्ष सश्रम कारावास का नामा सुनाई, साथ ही 20 हजार का जुर्माना लगाया है। जुर्माना की राशि नहीं देने पर अभियुक्त को एक वर्ष अतिरिक्त सश्रम कारावास की सजा भुगतनी होगी। वहीं अदालत ने 504 आईपीसी के तहत भी दोषी पाते हुए एक वर्ष सश्रम कारावास, 325 आईपीसी के तहत चार वर्ष सजा सुनाई एवं पांच हजार जुर्माना लगाया। जुर्माना की राशि नहीं देने पर तीन महीने अतिरिक्त सश्रम कारावास की सजा भुगतनी होगी, सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। अभियोजन का संचालन लोक अभियोजक पीके मंडल ने किया। इस दौरान सभी 6 गवाहों का परीक्षण कराया गया। बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता जगदीश यादव ने दलीलें पेश की।

रंगदारी, मारपीट एवं गोलीकांड मामले में एक और उग्रवादी गिरफ्तार

टंडवा (चतरा)। फुलवरिया स्थित कदनी नदी पर निर्माणधीन रेलवे पुल पर एक दर्जन से अधिक टीएसपीसी उग्रवादियों के द्वारा बीते कुछ दिन पूर्व में रंगदारी, मारपीट एवं गोलीकांड की घटना किया था, जिसमें शामिल एक और उग्रवादी सदस्य को टंडवा पुलिस ने गिरफ्तार किया, इससे पूर्व भी तीन उग्रवादी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। गिरफ्तार उग्रवादी में गणपत गंडू उर्फ सरपंच पिता विशुन गंडू ग्राम मंगरलोइया थाना टंडवा का नाम शामिल है। उक्त घटना का शीघ्र उद्घेदन हेतु चतरा एसपी कैश रंजन द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी टंडवा के नेतृत्व में एसआईटी टीम का गठन किया गया था, जो लगातार छापेमारी चलाए जा रहे थे। इसी दौरान एक और उग्रवादी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने अभी तक कुल चार उग्रवादी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। वहीं देर रात लगभग 12 बजे नवलशाही के चिंडोमोह अफजल खान के बाउंड्री वॉल को तोड़कर खेत में लगे केले के पेड़ को पूरी तरह नष्ट कर दिया। वहीं साबरा खानु की जमीन पर लगे आम बागवानी को भी नष्ट कर दिया तथा जमडीहा स्थित मधुसुधन दास के आम का पेड़ को तोड़कर आम खा गया। जिसके बाद चमारो क्रेशर मंडी स्थित मनोज मोदी के राशन दुकान पहुंचकर दुकान में रखे लगभग 2 ब्रिंटल चावल, 20 केजी दाल, आलू एवं प्याज को चट कर गया। जिसके बाद पूरानगर के रास्ते विचरिया की ओर निकल गया एवं पुनः बिचरिया के पड़रिया में दोपहर को आराम कर संख्या छः बजे तक जमकर उत्प्रात मचाया।

झुंड से भटका हाथी किसानों के अनाज व फसल कर रहा बर्बाद

मरकच्चो (कोडरमा)। प्रखंड अंतर्गत बेहरावा जंगल में अपने झुंड से भटक कर एक हाथी कुछ दिनों पूर्व सगगावां की ओर जाने के बाद पुनः वही जंगल के रास्ते वापस लौटने के क्रम में धरगांव पंचायत के वनकोप में एक एकड़ खेत में लगे फसल को नष्ट कर दिया। वहीं देर रात लगभग 12 बजे नवलशाही के चिंडोमोह अफजल खान के बाउंड्री वॉल को तोड़कर खेत में लगे केले के पेड़ को पूरी तरह नष्ट कर दिया। वहीं साबरा खानु की जमीन पर लगे आम बागवानी को भी नष्ट कर दिया तथा जमडीहा स्थित मधुसुधन दास के आम का पेड़ को तोड़कर आम खा गया। जिसके बाद चमारो क्रेशर मंडी स्थित मनोज मोदी के राशन दुकान पहुंचकर दुकान में रखे लगभग 2 ब्रिंटल चावल, 20 केजी दाल, आलू एवं प्याज को चट कर गया। जिसके बाद पूरानगर के रास्ते विचरिया की ओर निकल गया एवं पुनः बिचरिया के पड़रिया में दोपहर को आराम कर संख्या छः बजे तक जमकर उत्प्रात मचाया।

बरकाकाना- वाराणसी बीडीएम पैसेंजर का पुनः प्रारंभ होगा परिचालन : सांसद

मैदिनीनगर। सांसद पलामू विष्णु दयाल राम के अथक प्रयासों के फलस्वरूप बरकाकाना - वाराणसी बीडीएम पैसेंजर ट्रेन संख्या 03359/03360 का परिचालन दिनांक 12 जून 2023 से पुनः प्रारंभ होगा। उक्त संबंध में आज महाप्रबंधक रेलवे, हाजीपुर जेन के कार्यालय द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल एवं धनबाद मंडल को अधिसूचना भेज दी गई है। उल्लेखनीय है कि उक्त ट्रेन के पुनः परिचालन प्रारंभ करने की मांग पलामू जिला एवं विशेषकर हुसैनाबाद अनुमंडल की जनता द्वारा लगातार की जा रही थी। इस ट्रेन के पुनः परिचालन के लिए लोकसभा में भी मामले को उठाया गया था तथा ?श्री अनुपम शर्मा, महाप्रबंधक रेलवे हाजीपुर, एवं माननीय सांसद जी ने व्यक्तिगत रूप से माननीय रेल मंत्री श्री अश्वनी वैष्णव जी से मुलाकात कर अनुरोध किया था एवं पत्राचार भी किया था।

पेड़ से गिरकर युवक की मौत

बालूमाथ। एकीकृत बालूमाथ प्रखंड के सेरक ग्राम में पेड़ से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार 17 वर्षीय सुजीत कुमार गंडू पिता कैलाश गंडू ग्राम सेरका थाना हेरहंज निवासी आम के पेड़ में चढ़कर आम तोड़ रहा था। इसी दौरान पैर फिसलने के कारण पेड़ से गिरकर वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां डॉ सुरेश राम की देखरेख में उसका प्राथमिक उपचार किया गया। गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर किया गया। लेकिन, रास्ते में मांडर ग्राम के पास युवक ने दम तोड़ दिया।

महिला ने किया आत्महत्या का प्रयास

बालूमाथ। एकीकृत बालूमाथ प्रखंड क्षेत्र के फूलसु ग्राम में गुरुवार देर रात पारिवारिक विवाद में एक महिला ने कीटनाशक दवा खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार सूरजमणि देवी 22 वर्ष पति सुरेंद्र राम मुक्की फूलसु थाना बारियातू निवासी का अपने पति के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हुई। इसके बाद गुरसाई महिला ने घर में रखे कीटनाशक को खाकर आत्महत्या का प्रयास किया।

अलग-अलग देश में अजब-गजब कानून



मृत्यंजय प्रसाद

अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य

के हाईवे पर 1 हजार फुट के दायरे में महिलाओं के ऐसे वस्त्र जो ब्रेस्ट को दिखाते प्रतीत हों, बेचना कानूनन अपराध है। वहां एक और अजीबोगरीब कानून है कि कोई भी पुरुष महिलाओं के कपड़े पहन कर बाहर नहीं निकल सकता। अगर किसी कारणवश उसे ऐसा करना भी हो तो इसकी पुलिस से लिखित न अनुमति लेनी पड़ेगी वरना जेल जाना तय समझिए। है न हास्यास्पद

कानून? कुछ कुछ हमारी खाप पंचायतों की तरह, जहां अग्रे दिन ऐसे तुंगलकी फरमान जारी होते रहते हैं। अब तो यकीन ही नहीं होता कि हम 21वीं सदी में जी रहे हैं। अमेरिका के अलग-अलग राज्यों में कानून कई दशक पुराने हैं और कुछ तो 100-200 साल पुराने और उन्हें न के बराबर लागू किया जाता है। कानून की कितानों में ये जमे हुए हैं पर समाज बढ़ गया है। फिर भी कभी कभार धौंस जमाने के लिए इनका इस्तेमाल कर लिया जाता है।

कुछ ऐसे ही रोचक कानून व अपराध

वादे हैं वादों का तथ्य : किसी लड़की से सैक्स संबंध बना लेने के बाद अगर शादी नहीं की तो जेल जाना तय समझिए। साउथ कैरोलिना का कानून इसके लिए सख्ती से पेश आता है। यहां फैसला भी जल्दी सुनाया जाता है। हमारे देश में इस तरह के अपराधों में पीड़िता को ही जलालत सहनी पड़ती है। कोर्ट कचहरियों के चक्र लगाते-लगाते चप्पलें धिस जाती

हैं, क्योंकि न्याय मिलने में सालों लग जाते हैं। तब तक पीड़िता पल-पल अपनों के तंज सहती है। कुछ तो तंग आकर आत्महत्या तक कर लेती हैं। **बार मालिक सावधान** : ओकलाहोमा में बार चला रहे बार मालिकों को सख्त हिदायत है कि वे अपने बारों में सैक्स गतिविधियों को कतई न चलाने दें। वहां के बारों में कपल्स द्वारा

लगा और इसकी शिकायत उसने पुलिस में कर दी तो जेल जाना तय। **जुर्माना भी सजा भी** : मिसौसिपी में ग्रुप सैक्स अपराध है। साथ ही अगर कोई जोड़ी सार्वजनिक जगह पर यौन प्रदर्शन में लिप्त पाई गई तो 500 डॉलर जुर्माना या फिर 6 महीने जेल की सजा हो सकती है।

सावधानी हटी दुर्घटना घटी : मिशिगन की सड़कों पर महिलाओं के छोटे, झीने परिधान जिन के अंदर से अंडरगार्मेंट्स दिखते हैं, पहनने पर पाबंदी है। यहां महिलाएं ऐसे कपड़े भी नहीं पहन सकती हैं जिनमें उठने-बैठने, चलने-फिरने के दौरान नितंब दिखते हों। इसका उल्लंघन करने पर क्लास बी ऑफेंस के तहत कानूनी कार्यवाही हो सकती है। सही भी



यौन गतिविधियों पर रोक है। बार में अगर कोई जोड़ी सैक्स क्रिया, हस्तमैथुन, मुखमैथुन आदि में लिप्त पाई गई तो उन पर तो कार्यवाही होगी ही, बार के मालिक को भी कानूनन सजा मिल सकती है।

मोशन और इमोशंस काबू में ही रखें अगर आप को ओरेंगन में राह चलते 1 अथवा 2 नंबर जाने की जल्दी है तो जरा ध्यान से। सार्वजनिक शौचालयों के किसी एक टॉयलेट में एक साथ 2 लोग गए तो खेर नहीं। यहां आप को मोशन पर काबू रखना होगा और इमोशंस पर भी।

मजे में सजा नहीं: सैक्स संबंध के दौरान ओरल सैक्स अथवा यौन उतेजना के लिए अंग में गहराई तक उंगलियों का प्रवेश कैसास में कुछ हद तक ही करने की इजाजत है। अगर सैक्स पार्टनर को यह जरा सा भी यौन उतपीड़न की तरह

है, क्योंकि यातायात के नियमों का पालन करना भी जरूरी है। इधर-उधर ध्यान भटकना नहीं कि दुर्घटना घटी। **खुले में लिंजरी टांगना मना है** : न्यू हैपशायर के एअरपोर्ट पर कपड़े टांगने की जगह पर लिंजरी तो भूल कर भी न टांगें वरना आप का कानून के शिकंजे में आना तय है। आप पर भारी जुर्माना भी लगाया जा सकता है। लिंजरी उस स्थिति में टांगी जा सकती है जब उस पर कोई झीना कपड़ा डाला गया हो। वैसे हमारे यहां घर की छतों पर निकल जाए। हमारे यहां तो पड़ोसियों को पड़ोसियों के खूबसूरत अंडरगार्मेंट्स के कलर व ब्रैंड तक की भी जानकारी होती है। **वर्षोंकि जमाना खरबा है** : न्यू

भारतीय समाज में खुलापन चाहे वह पहनावे को लेकर हो या फिर सेक्स संबंधों को लेकर, हमेशा चर्चा का विषय रहा है। भारतीय आमतौर पर यह मानते हैं कि विदेशों की तुलना में हमारी संस्कृति परंपराओं के बोझ तले दबी हुई है। मगर ऐसा नहीं है। यूरोप, अमेरिका और अरब के कई देशों में ऐसे कानून हैं, जिनके बारे में जान कर आप भी हैरान रह जायेंगे। अगर आप इन देशों की आबोहवा से रू-ब-रू होना चाहते हैं, तो जरा वहां के कानूनों व अपराधों की जानकारी जरूर ले लें वरना कहीं ऐसा न हो कि आप वहां मस्ती करने जायें और रंग में भंग पड़ जायें यानी आपको जेल की हवा खानी पड़ जायें।

मैक्सिको के एक अजब गजब कानून के बारे में आप भी जान कर चकरा जाएंगे। यहां महिलाएं ऐसे वस्त्र नहीं पहन सकतीं, जिन में स्तनाग्र दिखते हों। **गये काम से** : वाशिंगटन में रहते हुए किसी अनजान को कार की चाबी देने से पहले सोचिएगा जरूर, क्योंकि आपने जाने अनजाने किसी सैक्स वर्कर को कार की चाबी दे दी तो गए काम से। रास्ता चलते सैक्स वर्कर पकड़ी गई तो पुलिस साइरन बजाते हुए आपके घर तक दाखिल हो जाएगा। जुर्माना तो लगेगा ही, कार भी जब्त हो सकती है। हमारे यहां तो रईसों के बिगड़ैलों को सड़कों पर सरपट कार दौड़ाते आम देखा जा सकता है। आप भले ही फुटपाथ पर चल रहे हों, फिर भी सुरक्षित नहीं हो सकते। कानून भी इन का कुछ नहीं बिगाड़ता। अभी तक सलमान खान का कुछ बिगड़ा क्या?

चुंबन बस 5 मिनट : विशेषज्ञों का मानना है कि होंठों के चुंबन से असंख्य ऐसे बैक्टीरिया का एक-दूसरे के शरीर में प्रवेश होता है, जो शरीर को नुकसान नहीं फायदा पहुंचाते हैं। अगर आप भी इस फायदे का लाभ उठाना चाहते हैं तो जरा संभल कर, क्योंकि लोवा देश का कानून इस की इजाजत तय सीमा तक ही देता है। वहां सार्वजनिक जगहों पर आप अपने मन को काबू में रखें। अगर मन ज्यादा ही हिचकोले

खा रहा हो तो बस 5 मिनट तक ही चुंबन का आनंद उठा सकते हैं। 5 मिनट से ज्यादा समय हो गया तो पुलिस वाला आ धमकेगा। अब यह न पूछें कि चुंबन लेते वक्त कोई पुलिस वाला वहां स्टॉपवाच और डंडा ले कर खड़ा रहेगा क्या?

होटल जा रहे हैं वया: अगर नैथ कैरोलिना में होटल में समय बिताने जा रहे हैं, तो जरा ध्यान से। वहां के होटलों में विवाह पूर्व किसी महिला के साथ रंगलियां मनाते पकड़े गए तो आप की खेर नहीं। हां, विवाहित जोड़ों पर कानून का डंडा नहीं चलता पर आफत उनका भी पीछा नहीं छोड़ेगी। पुलिस को शक होने पर आप को साबित करना पड़ेगा कि साथ की महिला आपकी पत्नी ही है।

कानून की पेचीदगियों को समझना जरूरी

आम लोगों में कानून से जुड़ी कई ऐसी भ्रातियां व्याप्त हैं जो उन्हें सिर्फ आर्थिक ही नहीं, सामाजिक नुकसान भी पहुंचा सकती हैं। आप ऐसे किसी कन्फ्यूजन में हों, तो उन्हें दूर कर लें।



सुधांशु कुमार
लोन में गारंटर के रूप में साइन करने में हर्ज नहीं : गारंटर के रूप में रघुनाथ ने 4 साल पहले अपने बचपन के दोस्त विपिन के होमलोन के

पेपर्स पर बिना सोचे-समझे साइन कर दिए। पेपर साइन करते वक्त उस के मन में दो तरह के विचार थे। पहला, विपिन तो पुराना दोस्त है, मुझसे गलत पेपर्स साइन नहीं करवाएगा। दूसरा, अरे गारंटर के लिए साइन ही तो कर रहा हूँ, लोन कौन सा मुझे चुकाना है। वह तो विपिन की जिम्मेदारी है।

उसके दोनों ही विचार तब गलत साबित हो गए जब उसके पास बैंक का नोटिस आया और गारंटर के रूप में लोन चुकाने के लिए कड़ा तकाजा। वकीलों से बातचीत करने के बाद ही उसे पता चला कि किसी भी कानूनी कागज पर बिना सोचे-समझे साइन करना कितना भारी पड़ सकता है। यह भी बाद में पता चला कि गारंटर के रूप में साइन करना महज कागजी खानापूर्ति नहीं होती, बल्कि कर्जदार के कर्ज न चुकाने की सूरत में बैंक गारंटर पर कानूनी कार्यवाही कर के उससे भी वसूली कर सकता है। आप भी जान लें कि एक गारंटर के रूप में आपकी जिम्मेदारी तभी संपूर्ण होती है जब बैंक को लोन की रकम पूरी मिल जाती है। जब तक लोन का रिपेमेंट नहीं हो जाता तब तक आपकी क्रेडिट रिपोर्ट पर भी इसका असर पड़ता है और आपको खुद के लिए लोन मिलने में दिक्कत आ सकती है।

वारिस को संपत्ति का हक देने के लिए ऑनलाइन वसीयत काफी : इन दिनों कई वेब पोर्टल और कंपनियां ऑनलाइन वसीयत लिखने के लिए उपलब्ध हैं जहां आप उनके मार्गदर्शन के मुताबिक सूचनाएं दर्ज करते हुए अपनी वसीयत लिख सकते हैं। आपकी दी गई सूचनाओं को इकट्ठा करके वेबसाइट खुद ही आप की वसीयत ड्राफ्ट कर देगी। इसमें करीब 10 हजार रुपए खर्च होंगे।

कई लोग वसीयत ड्राफ्टिंग होकर आने पर समझते हैं कि बस, अब काम पूरा हो गया। लेकिन, भारतीय कानून ऑनलाइन विल को स्वीकार नहीं करता। आपको इस ड्राफ्टिंग का प्रिंट लेना होगा और 2 गवाहों के सामने इस पर अपने हस्ताक्षर करने होंगे। बिना गवाहों या आप के हस्ताक्षर के, इस ड्राफ्टिंग का कोई कानूनी महत्त्व नहीं समझा जाएगा। जरूरी तो नहीं है पर बेहतर होगा कि आप इसे रजिस्टर भी करवा लें। हां, वसीयत लिखते वक्त ध्यान रखें, जिसे अपनी संपत्ति देनी हो उसका घरेलू या आधा-अधूरा नाम न लिखें, अगर नकद रकम है तो रकम का स्पष्ट उल्लेख करें, अचल संपत्ति का पूरा ब्योरा, नाप आदि अवश्य दें।

किसी भी प्रतिनिधित्व के लिए लेटर औफ अथॉरिटी पर्याप्त : वैसे तो अपने फाइनेंशियल मैटर्स की देखभाल यथासंभव खुद ही करनी चाहिए लेकिन काम अधिक हो, तो व्यक्तिगत रूप से हर काम करना संभव नहीं हो पाता। ऐसे में हम किसी व्यक्ति को अधिकारपत्र या फिर लेटर औफ अथॉरिटी दे देते हैं। पत्रवाहक उस पत्र को दिखा कर कई रूटीनवर्क कर सकता है, जैसे बैंक से अकाउंट स्टेटमेंट लाना, बैंकबुक लाना, किसी कार्यालय से कामजात लाना या किसी व्यक्ति या संस्था विशेष के पास रखा कोई सामान लाना आदि। लेकिन यह कोई रजिस्टर्ड डॉक्यूमेंट नहीं है, इसलिए इसे किसी बड़े लेनदेन या जटिल फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

कोर्ट के बाहर सेटलमेंट कर लेने के बाद कुछ नहीं हो सकता : यह सच है कि धोखाधड़ी के मामले में आप हमेशा कोर्ट जा सकते हैं। कोर्ट इस बात की समीक्षा करेगा कि समझौता या इकरारनामा किस मंशा से और किन परिस्थितियों में किया गया। अगर कोर्ट उस में धोखाधड़ी या गलत मंशा पाता है तो करार को रद्द कर देगा। **कोर्ट में ओरिजिनल पेपर जमा करने पड़ते हैं** : कई लोग कोर्ट में कागजात जमा करते वक्त बड़ी भूल कर बैठते हैं और यह सोच कर कि कोर्ट फोटोकॉपी स्वीकार नहीं करेगा, वास्तविक कागजात जमा कर बैठते हैं। ऐसे में आपके कागजात खो सकते हैं। प्रोसीजर के मुताबिक, जब आप कोर्ट में कोई याचिका या मुकदमा दायर करते हैं, तो प्रमाण के रूप में वास्तविक दस्तावेज की सिंटाफाइड फोटोकॉपी और एफिडेविट जमा करने की जरूरत होती है। आप को वास्तविक कागजात अपने वकील को भी सौंपने चाहिए। ओरिजिनल डॉक्यूमेंट्स आप स्कैन करके कंप्यूटर या अपने मेल में सेव कर लें।

कंज्यूमर कोर्ट में जाने के लिए वकील जरूरी नहीं : उत्पादकों, सेवा प्रदाताओं व अन्य कंपनियों से परेशान कई लोग उपभोक्ता अदालत में सिर्फ इस डर से नहीं जाते हैं कि कौन कोर्ट-कचहरी के चक्र में पड़े और ऊपर से वकील की मोटी फीस भी चुकानी पड़ेगी। सच तो यह है कि कंज्यूमर कोर्ट में जाने के लिए वकील की जरूरत नहीं होती, सुप्रीम कोर्ट ने ऐसी रूल्सिंग दे दी है। वर्ष 2000 में मुंबई डिस्ट्रिक्ट कंज्यूमर फोरम ने उपभोक्ता द्वारा दो टूर ऑपरेटर्स के खिलाफ दी गई अर्जी को यह कह कर ठुकरा दिया था कि आपको वकील के मारफत आना होगा। लेकिन बाद में फोरम के इस निर्णय के खिलाफ कोर्ट ने कहा कि कंज्यूमर फोरम में शिकायत के लिए वकील की कोई जरूरत नहीं। **जब चाहें कोर्ट में केस कर सकते हैं**: भारतीय कानून किसी भी नागरिक को न्याय पाने का पूरा मौका देता है। लेकिन इस का मतलब यह नहीं है कि आप जब चाहें कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं। सिविल केस वर्ष 1963 के लिमिटेडेशन ऐक्ट के दायरे में ही दर्ज किए जा सकते हैं। ज्यादातर प्रतिवादी के वकील ऐसे केस का विरोध ज्यादा करते हैं। अगर केस दायर करने वाला व्यक्ति नाबालिग है या मानसिक रूप से अक्षम है, तो उसके

केस में हक काम करना संभव नहीं हो पाता। ऐसे में हम किसी व्यक्ति को अधिकारपत्र या फिर लेटर औफ अथॉरिटी दे देते हैं। पत्रवाहक उस पत्र को दिखा कर कई रूटीनवर्क कर सकता है, जैसे बैंक से अकाउंट स्टेटमेंट लाना, बैंकबुक लाना, किसी कार्यालय से कामजात लाना या किसी व्यक्ति या संस्था विशेष के पास रखा कोई सामान लाना आदि। लेकिन यह कोई रजिस्टर्ड डॉक्यूमेंट नहीं है, इसलिए इसे किसी बड़े लेनदेन या जटिल फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

कोर्ट के बाहर सेटलमेंट कर लेने के बाद कुछ नहीं हो सकता : यह सच है कि धोखाधड़ी के मामले में आप हमेशा कोर्ट जा सकते हैं। कोर्ट इस बात की समीक्षा करेगा कि समझौता या इकरारनामा किस मंशा से और किन परिस्थितियों में किया गया। अगर कोर्ट उस में धोखाधड़ी या गलत मंशा पाता है तो करार को रद्द कर देगा। **कोर्ट में ओरिजिनल पेपर जमा करने पड़ते हैं** : कई लोग कोर्ट में कागजात जमा करते वक्त बड़ी भूल कर बैठते हैं और यह सोच कर कि कोर्ट फोटोकॉपी स्वीकार नहीं करेगा, वास्तविक कागजात जमा कर बैठते हैं। ऐसे में आपके कागजात खो सकते हैं। प्रोसीजर के मुताबिक, जब आप कोर्ट में कोई याचिका या मुकदमा दायर करते हैं, तो प्रमाण के रूप में वास्तविक दस्तावेज की सिंटाफाइड फोटोकॉपी और एफिडेविट जमा करने की जरूरत होती है। आप को वास्तविक कागजात अपने वकील को भी सौंपने चाहिए। ओरिजिनल डॉक्यूमेंट्स आप स्कैन करके कंप्यूटर या अपने मेल में सेव कर लें।

कंज्यूमर कोर्ट में जाने के लिए वकील जरूरी नहीं : उत्पादकों, सेवा प्रदाताओं व अन्य कंपनियों से परेशान कई लोग उपभोक्ता अदालत में सिर्फ इस डर से नहीं जाते हैं कि कौन कोर्ट-कचहरी के चक्र में पड़े और ऊपर से वकील की मोटी फीस भी चुकानी पड़ेगी। सच तो यह है कि कंज्यूमर कोर्ट में जाने के लिए वकील की जरूरत नहीं होती, सुप्रीम कोर्ट ने ऐसी रूल्सिंग दे दी है। वर्ष 2000 में मुंबई डिस्ट्रिक्ट कंज्यूमर फोरम ने उपभोक्ता द्वारा दो टूर ऑपरेटर्स के खिलाफ दी गई अर्जी को यह कह कर ठुकरा दिया था कि आपको वकील के मारफत आना होगा। लेकिन बाद में फोरम के इस निर्णय के खिलाफ कोर्ट ने कहा कि कंज्यूमर फोरम में शिकायत के लिए वकील की कोई जरूरत नहीं। **जब चाहें कोर्ट में केस कर सकते हैं**: भारतीय कानून किसी भी नागरिक को न्याय पाने का पूरा मौका देता है। लेकिन इस का मतलब यह नहीं है कि आप जब चाहें कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं। सिविल केस वर्ष 1963 के लिमिटेडेशन ऐक्ट के दायरे में ही दर्ज किए जा सकते हैं। ज्यादातर प्रतिवादी के वकील ऐसे केस का विरोध ज्यादा करते हैं। अगर केस दायर करने वाला व्यक्ति नाबालिग है या मानसिक रूप से अक्षम है, तो उसके



अंकिता बनर्जी

मैरिज सर्टिफिकेट इस बात का आधिकारिक प्रमाण होता है कि 2 लोग

शादी के बंधन में बंधे हैं। आजकल जन्म प्रमाणपत्र को उतनी अहमियत नहीं दी जाती, जितनी विवाह प्रमाणपत्र को दी जाती है। लिहाजा, इसे बनवाना अहम है। भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है। अतः यहाँ दो ऐक्ट्स के तहत शादियों का रजिस्ट्रेशन होता है- हिंदू मैरिज ऐक्ट 1955 और स्पेशल मैरिज ऐक्ट 1954। आप की शादी हुई है और अमुक तारीख को हुई है, इस बात का अनिवार्य कानूनी सुबूत है मैरिज सर्टिफिकेट। आप बैंक खाता खोलने, पासपोर्ट बनवाने या किसी और दस्तावेज के लिए आवेदन करते हैं, तो वहाँ मैरिज सर्टिफिकेट काम आता है। जब कोई दंपती टैवल वीजा या किसी देश में स्थाई निवास के लिए आवेदन करता है, तो मैरिज सर्टिफिकेट काफी मददगार साबित होता है। भारत या विदेश में स्थित दूतावास पारंपरिक विवाह समारोहों के सुबूत को



मान्यता नहीं देते। उन्हें मैरिज सर्टिफिकेट देना होता है। जीवन बीमा के फायदे लेने के लिए भी मैरिज सर्टिफिकेट जमा करना (जिन मामलों में पति या पत्नी में से किसी की मौत हो गई हो) होता है। नॉमिनी अपने आवेदन की पुष्टि में कानूनी दस्तावेज पेश नहीं करे तो कोई बीमा कंपनी अर्जी को गंभीरता से नहीं लेती। 2006 में सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं की सुरक्षा के मद्देनजर शादी का रजिस्ट्रेशन

कराना अनिवार्य घोषित कर दिया था। **कैसे कराए रजिस्ट्रेशन** : हिंदू ऐक्ट या स्पेशल मैरिज ऐक्ट के तहत शादी का रजिस्ट्रेशन कराना कर्नाई मुश्किल नहीं है। पति या पत्नी जहाँ रहते हैं, उस क्षेत्र के सबडिविजनल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) के दफ्तर में अर्जी दे सकते हैं। अर्जी पर पति-पत्नी दोनों के हस्ताक्षर होने चाहिये। अर्जी देते वक्त उस के साथ लगाए गए दस्तावेजों की जांच-परख होती

है। उसके बाद ऑफिस की ओर से एक दिन तय किया जाता है। इसकी सूचना दंपती को दे दी जाती है। उस वक्त पहुंच कर पति-पत्नी शादी को रजिस्टर्ड करा सकते हैं। उस वक्त एसडीएम के सामने पति-पत्नी के साथ एक गैजेटेड ऑफिसर को भी मौजूद रहना पड़ता है, जो शादी में मौजूद रहा हो। प्रमाण पत्र उसी दिन जारी कर दिया जाता है। हिंदू मैरिज ऐक्ट के तहत प्रमाणपत्र लेने के लिए आवेदन फीस और स्पेशल मैरिज ऐक्ट के तहत लेने के लिए 50 रुपये फीस है। फीस डीपम ऑफिसर के कैशियर के पास जमा कराई जाती है और उसकी रसीद अर्जी के साथ लगानी होती है। सरकार ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की पहल भी की है।

विवाह प्रमाणपत्र के फायदे
■ भारत में स्थित विदेशी दूतावासों या विदेश में किसी को पति-पत्नी साबित करने के लिए विवाह प्रमाणपत्र देना अनिवार्य होता है।
■ विवाह प्रमाणपत्र होने से महिलाओं में विश्वास और सामाजिक सुरक्षा का

मैरिज रजिस्ट्रेशन है जरूरी

कानूनन जरूरी होने के बावजूद लोग शादी का रजिस्ट्रेशन तभी कराते हैं जब उन्हें वीजा आदि के लिए आवेदन करना होता है। शादी या उसके बाद और बातों का तो बड़ा ध्यान रखा जाता है, लेकिन शादी का रजिस्ट्रेशन कराने को प्राथमिकता नहीं दी जाती है। अनपढ़ लोगों का ही नहीं शिक्षित लोगों का भी यही हाल है। चलिए, बात करते हैं कि शादी का रजिस्ट्रेशन कितना जरूरी है तथा यह करवाना कितना आसान है और आगे चल कर इसके क्या फायदे हैं

एहसास जगता है। पति-पत्नी के बीच किसी तरह का विवाद (दहेज, तलाक, गुजारा भत्ता लेने आदि) होने की स्थिति में विवाह प्रमाणपत्र काफी मददगार साबित होता है।
■ इससे प्रशासन को बाल विवाह पर लगाम लगाने में मदद मिलती है। अगर आपकी उम्र शादी लायक नहीं है तो विवाह का रजिस्ट्रेशन नहीं होगा।
स्पेशल मैरिज ऐक्ट 1954
■ स्पेशल मैरिज ऐक्ट के तहत भी आसानी से शादी रजिस्टर्ड कराई जा सकती है। इसके लिए निम्न स्टेप्स हैं:
■ पति-पत्नी जिस क्षेत्र में रहते हैं, वहां के मैरिज अफसर को शादी की सूचना देनी होती है।

■ नोटिस की तारीख से कम से कम एक महीना पहले से उस क्षेत्र में रिहाइश होनी जरूरी है।
■ अगर पति-पत्नी दोनों अलग-अलग इलाके में रहते हैं तो नोटिस की एक कॉपी दूसरे क्षेत्र के मैरिज अफसर को भेजनी होगी। नोटिस पब्लिश होने के 1 महीने बाद शादी को कानूनी वैधता दे दी जाती है।
■ अगर कहीं से कोई आपत्ति आती है तो मैरिज अफसर दंपती से संपर्क कर पीछता है कि शादी को वैधता प्रदान की जाए या नहीं।
शादी रजिस्टर्ड कराने के स्टेप्स
■ हिंदू मैरिज ऐक्ट के तहत कोई भी अपनी शादी को रजिस्टर्ड करा सकता है। इस के लिए निम्न स्टेप्स हैं:
■ दंपती को रजिस्ट्रार के यहां आवेदन करना होता है। यह रजिस्ट्रार या तो उस क्षेत्र का होगा जहां शादी हुई हो या फिर वहां का जहां पति-पत्नी में से कोई कम से कम छह महीने से रह रहा हो।
■ दंपती को शादी के एक महीने के भीतर गवाह के साथ रजिस्ट्रार के सामने हाजिर होना होगा। बतौर गवाह माता-पिता, अधिभावक, दोस्त कोई भी हो सकता है।
■ रजिस्ट्रेशन में देरी होने पर 5 साल तक रजिस्ट्रार को माफी देने का अधिकार है। इससे ज्यादा वक्त होने पर संबंधित डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार के पास इसका अधिकार है।



रहाणे ने पूरे किये 5000 टेस्ट रन



भारत के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी बिग टेस्ट चैंपियनशिप (इन्डियन टेस्ट चैंपियनशिप) फाइनल के तीसरे दिन शुक्रवार को टेस्ट क्रिकेट में 5000 रन पूरे किये। रहाणे ने भारतीय पारी के 55वें ओवर में कैमरन प्राय की गेंद पर दो रन लेकर यह उपलब्धि हासिल की। वह अपने टेस्ट करियर में 39.22 की औसत से 5020 रन बना चुके हैं, जिसमें 12 शतक और 26 अर्धशतक शामिल हैं। यह टेस्ट क्रिकेट में इस मुकाम तक पहुंचने वाले 13वें भारतीय खिलाड़ी हैं।

हॉटस्टार पर मुफ्त प्रसारित होगा एकदिवसीय विश्व कप

मुंबई। सितंबर में होने वाला एशिया कप और अक्टूबर-नवंबर में होने वाला आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप मोबाइल फोन उपयोगकर्ताओं के लिये हॉटस्टार पर मुफ्त में प्रसारित किया जाएगा। डिज्नी हॉटस्टार ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। डिज्नी हॉटस्टार ने एक विज्ञापन में कहा कि दोनों आयोजनों को मोबाइल दर्शकों के लिये मुफ्त करने का उद्देश्य क्रिकेट के खेल को और अधिक लोकतांत्रिक करना है और इस अवधि के लिए भारत में अधिक से अधिक मोबाइल उपयोगकर्ताओं के लिये प्रसारण को सुलभ बनाना है।

स्पेशल ओलंपिक में देश का गौरव बढ़ाएंगे एथलीट : ठाकुर



एजेंसी। शीर्ष वरीयता प्राप्त पोलैंड की इगा स्विजातेक और चेक गणराज्य की कैरोलीना मुकोवा शनिवार को यहां फ्रेंच ओपन के फाइनल में यहां कोर्ट फिलिप चैटियर पर आमने-सामने होंगी। गत चैंपियन और विश्व नंबर एक स्विजातेक ने फाइनल में जगह बनाने के लिये गुरुवार को सेमीफाइनल मुकाबले में ब्राजील की ब्रीट्टि हद्दाद मैया को 6-2, 7-6(7) से मात दी। इससे पूर्व, गैर वरीयता प्राप्त मुकोवा ने सेमीफाइनल में विश्व नंबर दो एरिना सवालेंका को 7-6(5), 6-7(5), 7-5 से हराया था। स्विजातेक अब अपने चौथे ग्रैंड स्लैम और तीसरे रोलां गैरो खिताब के लिये मुकोवा का सामना करेंगी। भारतीय समयानुसार आधी रात के बाद समाप्त हुए सेमीफाइनल में

फीफा महिला विश्व कप : दस लाख के पार पहुंची टिकटों की बिक्री

एजेंसी। फीफा महिला विश्व कप 2023 के टिकटों की बिक्री 10 लाख के आंकड़े को पार कर गई है। फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेन्टिनो ने शुक्रवार को बताया कि 20 जुलाई से 20 अगस्त के बीच ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले नौवें महिला विश्व कप के लिए 10.03 लाख टिकट बेचे गए हैं, जो फ्रांस में 2019 विश्व कप की कुल बिक्री को पार कर गया है। इसका मतलब है कि यह आयोजन महिला खेल के इतिहास में सबसे अधिक दर्शकों की उपस्थिति वाला टूर्नामेंट बनने की राह पर है। इन्फेन्टिनो ने एक बयान में कहा, दुनिया के साथ यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि फीफा ने इस साल होने वाले फीफा महिला

महिला जूनियर एशिया कप : सेमीफाइनल में जापान की चुनौती के लिए तैयार भारत

एजेंसी। काकामिगाहारा। बेहतरीन फॉर्म में चल रही भारतीय टीम शनिवार को जापान के खिलाफ महिला जूनियर एशिया कप सेमीफाइनल में इस लय को कायम रखने के इरादे से उतरेगी। भारत ने अभी तक टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं गंवाया है। उजबेकिस्तान, मलेशिया, चीनी ताइपै को हराने के बाद उसने कोरिया से ड्रॉ खेला। भारतीय टीम पूल ए में अपराजेय रहकर शीर्ष पर रही। शनिवार को जीत से टीम फाइनल में पहुंचने के साथ एकआईएच जूनियर महिला विश्व कप के लिये भी क्वालीफाई कर लेगी। टूर्नामेंट की शीर्ष तीन टीमों को सीधे एकआईएच जूनियर

चौथे दिन भारत को चमत्कार की आस, कंगारू को 296 की बढ़त

● डब्ल्यूटीसी वर्ल्ड कप फाइनल, ऑस्ट्रेलिया दूसरी पारी 4 विकेट पर 123 रन
● रहाणे और ठाकुर ने फॉलोऑन बचाया

एजेंसी। लंदन। द ओवल में चल रहे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में अब सिर्फ दो ही दिन का खेल बाकी है। तीन दिन का खेल खत्म होने के बाद ऑस्ट्रेलिया के पास 296 रन की लीड आ चुकी है। यहां से भारतीय बोलर्स जल्द से जल्द शनिवार की सुबह कंगारू बल्लेबाजों को समेटना चाहेंगे। तीसरे दिन खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया के पास 296 रन की लीड हो चुकी है क्योंकि दूसरी पारी में स्कोर 123/4 हो चुका है। दूसरी पारी में रविंद्र जडेजा ने दो शिकार किये तो मोहम्मद सिराज-उमेश यादव को एक-एक विकेट मिला। मार्नस लाबुशेन और कैमरन ग्रीन नाबाद लौटे हैं।

भारत की पहली पारी 296 पर सिमटी

तीसरा दिन भले ही भारत के नाम रहा हो, लेकिन द ओवल ग्राउंड पर खेले जा रहे इस खिताबी मुकाबले में पलड़ा ऑस्ट्रेलिया का ही भारी है। शुक्रवार को अजिंक्य रहाणे (89) और शार्दुल ठाकुर (51) के बीच शतकीय साझेदारी के बूते भारत ने अपनी पहली पारी में 296 रन बनाने में सफलता हासिल की। मगर पहली पारी में बनाए 469 के विशाल स्कोर के चलते कंगारूओं को 173 रन की निर्णायक लीड मिल गयी है। अमर अजिंक्य रहाणे (89) और शार्दुल ठाकुर (51) नहीं होते तो भारत फाइनल मैच में फॉलोऑन नहीं बचा पाता। रहाणे अपने कमबैक मैच में शतक की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन लंच के बाद दूसरे ओवर में ही कप्तान पैट कर्मिस की गेंद पर कैमरून ग्रीन ने शानदार कैच लपककर उनकी यादगार पारी का अंत किया। उन्होंने 129 गेंद में 11 चौके और एक छक्का लगाया। दूसरे छोर से शार्दुल ने बेहतरीन तरीके से उनका साथ निभाया। शार्दुल ने कर्मिस की गेंद पर दर्शनीय स्ट्रेट ड्राइव और कवर ड्राइव पर चौके



● भारत पहली पारी- 296
● ऑस्ट्रेलिया पहली पारी- 496

फ्रेंच ओपन : फाइनल में भिड़ेंगी स्विजातेक, मुकोवा



हद्दाद मैया ने उन्हें कड़ी टक्कर दी, लेकिन वह स्विजातेक की चुनौती को पार नहीं कर सकी। स्विजातेक ने अपने चित-परिचित अंदाज में पहला सेट आसानी से जीत लिया, लेकिन रोलां गैरो के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली ब्राजीलियन महिला हद्दाद मैया ने दूसरे सेट में बखूबी दमखम दिखाया। उन्होंने इस सेट में 3-1 की बढ़त ले ली, लेकिन स्विजातेक ने संघर्ष करते हुए इस सेट को टाइब्रेक में पहुंचा दिया। टाइब्रेक में भी हद्दाद मैया के पास 6-5 की बढ़त थी, लेकिन उनका फोरहैंड शॉट नेट पर लगने के कारण स्विजातेक को वापसी का मौका मिला और विश्व की नंबर एक खिलाड़ी ने इसका फायदा उठाते हुए मैच सीधे सेटों में जीत लिया। स्विजातेक ने जीत के बाद कहा, 'वह इस चीज का अच्छा उपयोग कर रही है कि वह एक बाएं हाथ की खिलाड़ी है। वह सर्व पर अपनी

स्पिन का उपयोग कर रही है। यह थोड़ा अलग है। उनके लेफ्टी होने के कारण आपको हमेशा कोर्ट पर अपने खेलने के तरीके में बदलाव करना होता है। मुझे बस इतना पता था कि मैं मिट्टी पर अपनी ताकत का उपयोग कर सकती हूँ।' फाइनल में स्विजातेक की प्रतिद्वंद्वी मुकोवा उन्हें चार साल पहले हरा चुकी हैं और यह दोनों खिलाड़ियों की सिर्फ दूसरी मुलाकात होगी। उस समय हालांकि स्विजातेक विश्व रैंकिंग में 95वें स्थान पर थीं और अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। स्विजातेक ने मुकोवा के बारे में कहा, 'हमने 2019 के बाद से कई अभ्यास मैच खेले हैं। मैं उसके खेल को पसंद करती हूँ। वह मुझे एक ऐसी खिलाड़ी लगती है जो कुछ भी कर सकती है। मैंने उसके मैच देखे हैं और मुझे लगता है कि मैं उसके खेल को अच्छी तरह से जानती हूँ।

भारतीय कैप में झारखंड ड्रैगन बोट के 6 खिलाड़ियों का वयन

रांची। शुक्रवार को झारखंड ड्रैगन बोट (ड्रैगन बोट इंडिया एंड ट्रेडिशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन से मान्यता प्राप्त) द्वारा रांची प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इसमें झारखंड ड्रैगन बोट के अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण प्रसाद ने जानकारी दी कि 13 से 16 जून तक कोलकाता में आयोजित होने वाले 16वीं ड्रैगन बोट चैंपियनशिप ट्रेनिंग कैप के लिए झारखंड से छह खिलाड़ियों (4 महिला एवं 2 पुरुष) को चुना गया है। यह चैंपियनशिप 7 से 13 अगस्त तक थाईलैंड में होगी। जबकि 19 वीं एशियन गेम्स चाइना में सितंबर में आयोजित है। नेशनल कैप के लिए सेलेक्टेड खिलाड़ी बिरसा टोपों, दिलेश्वर मुंडा, सुलेखा कुमारी, पूजा कश्यप, मिल् कुमारी व अंजू कुमारी।

ट्रेनिंग प्लान क्लास से खिलाड़ी हुए लाभान्वित रांची

झारखंड सरकार की ओर से राज्य में संघालित 35 आवासीय क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्र के फुटबॉल, एथलेटिक्स, हॉकी, तीरंदाजी, वॉलीबॉल व बैडमिंटन खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। विशेष प्रशिक्षण सह कंडिशनिंग कैप के तेरहवें दिन सुबह के सत्र में बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में साई रांची के कोच विनोद कुमार सिंह ने इंड्यूरेंस ट्रेनिंग, बुशु बॉल, रिवस बॉल के साथ विभिन्न तरह के एक्सरसाइज कराया। वहीं शाम में स्पेसीफिक खेल के तहत सभी 6 खेलों के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया गया। वहीं देश संस्था एटी डीपिंग जागरूकता से संबंधित ऑन लाइन एवम ऑफ लाइन क्लास आयोजित किया गया।

भारत ने प्रो हॉकी लीग में अर्जेंटीना को 3-0 से हराया, अंक तालिका में शीर्ष पर

भारतीय हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) प्रो लीग मुकाबले में अर्जेंटीना को 3-0 से हरा दिया। इससे एक दिन पहले बुधवार को टीम को नीदरलैंड से 1-4 से हार मिली थी। इस जीत के साथ भारत 14 मैचों में 27 अंक के साथ अंक तालिका में ब्रिटेन (26) से ऊपर हो गया। अब भारतीय टीम शनिवार को नीदरलैंड के साथ खेलेगी।कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 33वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल किया। अमित

बिहार के बख्तिरपुर में ई-रिक्शा पर पलटा बेकाबू ट्रक, छह मृतकों की हुई पहचान

मुख्यमंत्री ने जताया शोक



एजेंसी। बिहार के बख्तिरपुर के लखनपुरा में स्टेट हाइवे-106 पर शुक्रवार की दोपहर लखनपुरा के पास तेज रफ्तार ट्रक अचानक एक ई-रिक्शा पर पलट गया। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो ने इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। इस हादसे पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। स्थानीय लोगों द्वारा घटना की जानकारी दिए जाने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी चार घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से डॉक्टरों ने सभी को पटना रेफर कर दिया है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जांच-पड़ताल कर रही है। घटना में शामिल सभी मृतकों और घायलों की पहचान कर ली गयी है। मृतकों में चार महिला और दो पुरुष शामिल हैं। इनमें बख्तिरपुर के नया टोला के रंजीत मिश्रा (55), ग्यासपुर महाजी की रहने वाली लालपट्टी देवी (55) और काला दियारा इलाके की रहने वाली किरण कुमारी (24), मनोज कुमार (35), इंदल देवी (55) और रंजू देवी (35) हैं। घायलों में नीतीश कुमार (25), लखीता कुमारी (15) और मणि कुमार (18) हैं। एक घायल की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

अगलगी की घटना में नगद सहित 40 घर जलकर स्वाहा

पुर्णिया। बायसी प्रखंड के बनगागा पंचायत अंतर्गत वार्ड नंबर 10 मरवा गांव(बसाक टोली) में शुक्रवार दोपहर खाना बनाने के दौरान लगी आग में नगद सहित 40 घर जलकर स्वाहा हो गये। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि दोपहर में खाना बनाने के क्रम में आग फूस की बनी घर में लगी और आग ने देखते ही देखते कई घरों को अपने आगोश में ले लिया दोपहर का समय होने के कारण जैसे ही अगलगी के शिकार परिवार ने हल्ला किया कि सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण जमा हो गए तथा पानी कि बौछार किया लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। हालांकि अगलगी के दौरान तेज गर्म हवा चल रही थी जिस कारण आसपास के ग्रामीण काफी डर गये। आग लगने की तत्काल सूचना अग्निशमन सेवा को दी गई थी परंतु जब तक अग्निशमन समन सेवा की टीम घटनास्थल पर पहुंचती तब तक आग ने भयावह रूप ले लिया था जिससे ग्रामीण आग पर काबू नहीं पा सके। सूचना मिलने पर पंचायत के मुखिया एवं दूसरे जनप्रतिनिधि भी घटनास्थल पर पहुंचकर परिवार को सांत्वना देने के साथ-साथ सहायता का आश्वासन दिया है। सूचना मिलते ही सीओ एवं राज्य कर्मचारी घटनास्थल का जायजा लिया। पुछे जाने पर अंचलाधिकारी ने बताया कि पीड़ित परिवार को सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधा मुहैया कराई जा रही है।

खाना बनाने के दौरान लगी आग में पांच घर राख, लाखों की क्षति

बेगूसराय। वीरपुर थाना क्षेत्र के कारीचक में शुक्रवार को आग लगने से पांच घर जलकर राख हो गया। इस घटना में मो. मुस्ताक, मो. जुबेर, मो. अवेस उर्फ नन्हकू, मो. शमशेर एवं मो. दिलशेर का घर जलकर राख हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि मो. मुस्ताक कि मो. मुस्ताक बनाने के दौरान आग लग गई तथा देखते-देखते आसपास के पांच घरों को अपने लपेटे में ले लिया। जिसमें घर में रखा अनाज, कपड़ा, बर्तन एवं नगद सहित सबकुछ जलकर राख हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंचे अग्निशमक की मदद से आग पर काबू पाया जा सका। मो. जुबेर की पत्नी ने बताया कि घर बनाने के लिए तीन लाख नगद रुपये तथा दो लाख का जेवर जलकर राख हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही सदर विधायक कुंदन कुमार एवं सीओ सुजीत सुमन मौके पर पहुंचकर पीड़ित परिवार को ढाढस बंधाते हुए हर संभव मदद का भरोसा दिया। सीओ ने तत्काल सभी पीड़ित परिवार को पॉलीथीन शीट तथा शिफ्टा मो. मोखार ने खाद्य सामग्री उपलब्ध कराया है।

पेज एक का शेष चाल धंसने से ...

पुलिस व सीआइएस एफ की टीम पहुंची। तब तक शव को निकाल कर तस्कर द्वारा वहां से हटा दिया गया था। वहां पहुंचे नेताओं का आरोप है कि पुलिस, सीआइएसएफ, स्थानीय प्रबंधन का घर आउटडोरिंग प्रबंधन तस्कर द्वारा अवैध खनन परियोजना में चला रहा है। जिसके एवज में मोटी रकम वसूल कर बंदरबांट होती है। प्रबंधन की लापरवाही उजागर : स्थानीय नेता काली चरन यादव ने कहाकि उक्त स्थल पर मिट्टी भरने की मांग कई बार की गयी, पर प्रबंधन की ओर से भराई नहीं की गयी। पूर्व में झरिया सीओ परमेश कुशवाहा ने भौरा क्षेत्र में छापामारी कर अवैध कोयला जम्ब किया था। जिसके बाद सीओ ने कार्यादेश संख्या 385 दिनांक 15 मार्च 22 को भौरा ओपी पुलिस को शिकायत दर्ज कराया। क्षेत्र के चर्चित पूर्व पार्षद शिव कुमार यादव सहित आधा दर्जन लोगों के खिलाफ अवैध कोयला तस्करी करने का आरोप लगाया। शायद पुलिस कार्रवाई किया होता तो यह हादसा नहीं होता।

अमित-दिलीप से ...

इस दौरान बड़ी संख्या में जमीन के फर्जी डीड, मुहर एवं अन्य कागजात ईडी को मिले थे। जिसके बाद 14 अप्रैल को ईडी ने सात आरोपियों राजस्व कर्मचारी भानु प्रताप, प्रदीप बागची, अफसर अली, इम्तियाज खान, तलहा खान, फैयाज खान एवं मोहम्मद सद्दाम को गिरफ्तार किया था।

आज से झारखंड में...

भंडारण स्थल से बालू की बिक्री व आपूर्ति में सरकारी योजनाओं को आवश्यकता को प्राथमिकता दी जाये। 15 अक्टूबर तक सभी घाटों की हो जायेगी निलामी : खान एवं भूतत्व विभाग के सचिव ने भरोसा दिया कि 15 अक्टूबर तक की अवधि में सभी नदी घाटों की शत प्रतिशत निविदा प्रक्रियाएँ पूरी कर निलामी कर दी जायेगी। उसके बाद सभी जगहों से वैध खनन और उसके बाद बालू का उठाव व परिवहन चालू हो जायेगा, जिससे राज्य में बालू की कमी नहीं रह जायेगी। आसमान छू रही है बालू की कीमतें : बालू के कमी और महंगाई के कारण आम लोग से लेकर खास तक प्रभावित हैं। सरकारी निर्माण कार्य ठप है। लोगों का अपना घर-मकान निर्माण बंद है। स्थिति यह है कि लोग तन से चार गुणा अधिक किरात पर बालू खरीदने को मजबूर हैं। बालू घाटों की निलामी नहीं होने तथा अवैध परिवहन की वजह से बालू महंगी कीमत पर बिक रही है और लोग खरीद रहे हैं।

